Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

Download All Subject Free PDF

- General Knowledge
- Child Development and Pedagogy
- Current Affairs
- History
- Maths
- Geography
- Reasoning
- Economics
- Science
- Polity
- Computer
- Environment
- General Hindi
- MP GK
- General English
- UP GK

Join Our Best Course

GK Trick By Nitin Gupta

Current Affairs

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

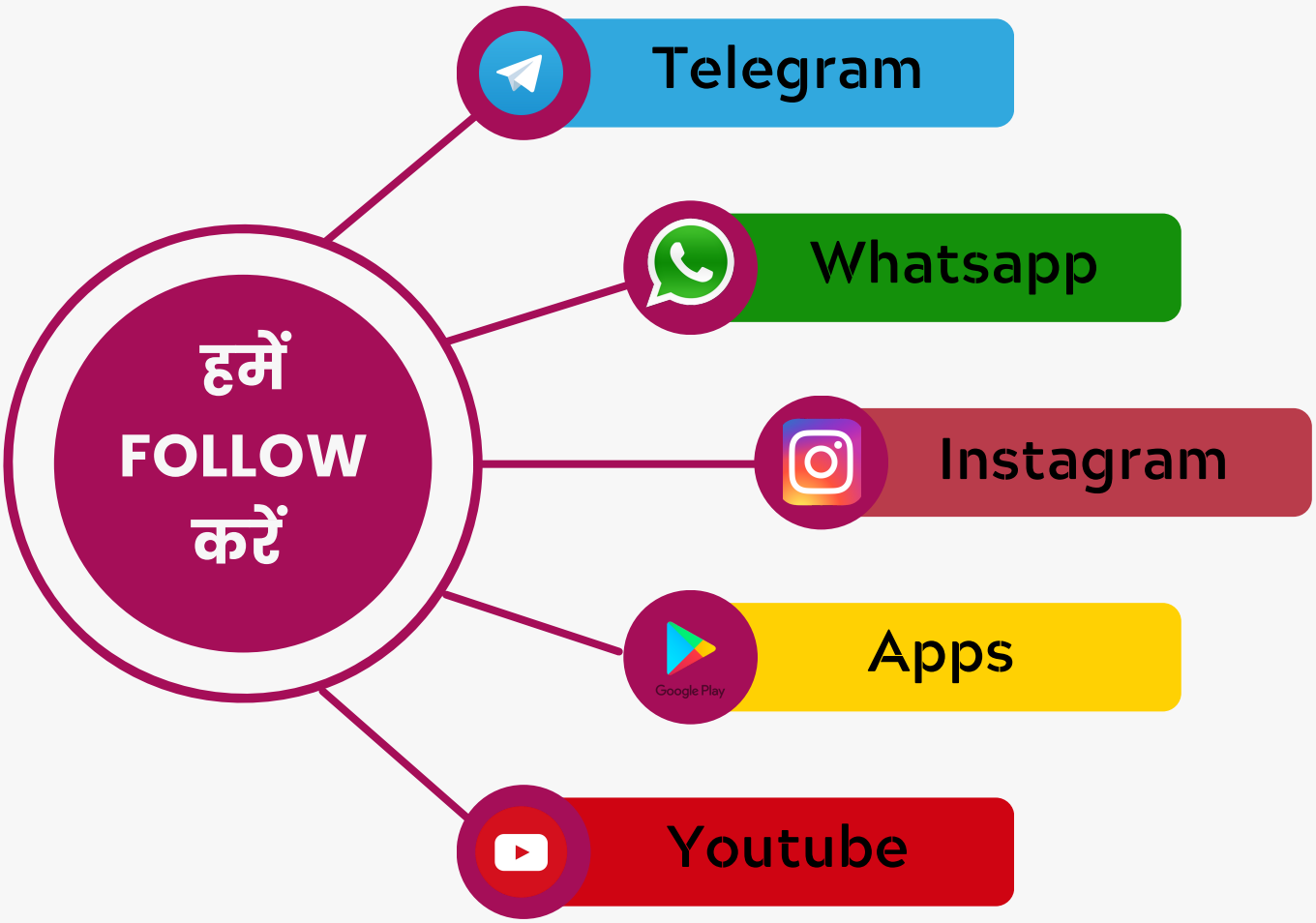

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा

G.S. प्वाइंटर-1

प्राचीन भारत का इतिहास

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ नि:शुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। इस शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर G.S. 'प्वाइंटर' क्रमश: प्रस्तुत किया जाएगा।

पाषाण काल

- रॉबर्ट ब्रूस फुट थे एक — **भूगर्भ-वैज्ञानिक एवं पुरातत्वविद्**
- भारतीय प्राग इतिहास का पिता कहा जाता है — **रॉबर्ट ब्रूस फुट को**
- कोपेनहेगन संग्रहालय की सामग्री से पाषाण, कांस्य और लौह युग का त्रियुगीय विभाजन किया था — **थॉमसन ने**
- पशुपालन के साक्ष्य सर्वप्रथम मिलते हैं — **मध्य पाषाण काल में**
- मध्य पाषाण काल में पशुपालन के प्रमाण जहां से मिले, वह स्थान है — **आदमगढ़**
- चोपानी मांडो, काकोरिया, महदहा एवं सराय नाहरराय स्थलों में से हड्डी के उपकरण प्राप्त हुए हैं — **महदहा से**
- हड्डी से निर्मित आभूषण भारत में मध्य पाषाण काल में प्राप्त हुए हैं — **महदहा से**
- एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल मिले हैं — **दमदमा से**
- खाद्यान्नों की कृषि सर्वप्रथम प्रारंभ हुई थी — **नवपाषाण काल में**
- भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य मिलता है — **नर्मदा घाटी से**
- मानव द्वारा सर्वप्रथम प्रयुक्त अनाज था — **जौ**
- भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं — **लहुरादेव से**
- पुरापाषाण युग, नवपाषाण युग,ताम्रपाषाण युग तथा लौह युग में से चातकोलिथिक युग भी कहा जाता है — **ताम्रपाषाण युग को**
- आग्री, मेहरगढ़, कोटदीजी तथा कालीबंगा में से वह पुरास्थल, जहां से पाषाण संस्कृति से लेकर हड़प्पा सभ्यता तक के सांस्कृतिक अवशेष प्राप्त हुए हैं — **मेहरगढ़**
- नवदाटोली का उत्खनन करवाया था — **एच.डी. सांकलिया ने**
- नवदाटोली अवस्थित है — **मध्य प्रदेश में**
- वृहत्पाषाण स्मारकों की पहचान की गई है — **मृतक को दफनाने के स्थान के रूप में**
- राख का टीला बुदिहाल, संगनकल्लू, कोलडिहवा तथा ब्रह्मगिरी में से जिस नवपाषाणिक स्थल से संबंधित है, वह है — **संगनकल्लू**
- 'भीमबेटका' प्रसिद्ध है — **गुफाओं के शैल चित्र के लिए**
- भारत में सर्वाधिक शैल चित्र प्राप्त हुए हैं — **भीमबेटका से**
- अजंता, भीमबेटका, बाघ तथा अमरावती में से वह स्थल जो प्रागैतिहासिक चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है — **भीमबेटका**
- भीमबेटका की गुफाएं स्थित है— **अब्दुल्लागंज-रायसेन (मध्य प्रदेश) में**
- गैरिक मृद्भांड पात्र (ओ.सी.पी.) का नामकरण हुआ था — **हस्तिनापुर में**
- ताम्र पाषाण काल में महाराष्ट्र के लोग मृतकों को घर के फर्श के नीचे दफनाते थे — **उत्तर से दक्षिण की ओर**
- ब्रह्मगिरि, बुर्जहोम, चिरांद तथा मास्की में से वह स्थल जहां से मानव कंकाल के साथ कुत्ते का कंकाल भी शवाधान से प्राप्त हुआ है — **बुर्जहोम**
- बुर्जहोम, कोलडिहवा, ब्रह्मगिरि एवं संगनकल्लू में से गर्त आवास के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं — **बुर्जहोम से**
- विंध्य क्षेत्र का वह शिलाश्रय जहां से सर्वाधिक मानव कंकाल मिले हैं — **लेखहिया**
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्कृति, पर्यटन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा मानव संसाधन विकास विभागों/मंत्रालयों में से संलग्न कार्यालय है — **संस्कृति मंत्रालय का**
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रथम महानिदेशक थे — **जॉन मार्शल**
- राष्ट्रीय मानव संग्रहालय स्थित है — **भोपाल में**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

सैंधव सभ्यता एवं संस्कृति

✸ मानव समाज विलक्षण है, क्योंकि वह मुख्यतया आश्रित होता है— **— संस्कृति पर**

✸ हड़प्पा संबद्ध है **— सिंधु घाटी सभ्यता से**

✸ सिंधु सभ्यता संबंधित है **— आद्य-ऐतिहासिक युग से**

✸ सिंधु घाटी की सभ्यता गैर-आर्य थी, क्योंकि **— वह नगरीय सभ्यता थी**

✸ सिंधु घाटी सभ्यता को आर्यों से पूर्व की रखे जाने का महत्वपूर्ण कारक है **— मृद्‌भांड**

✸ सिंधु घाटी संस्कृति वैदिक सभ्यता से भिन्न थी, क्योंकि **— इसके पास विकसित शहरी जीवन की सुविधाएं थीं; इसके पास चित्रलेखीय लिपि थी; इसके पास लोहे और रक्षा शस्त्रों के ज्ञान का अभाव था।**

✸ हड़प्पा संस्कृति की जानकारी का प्रमुख स्रोत है **— पुरातात्विक खुदाई**

✸ हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के संदर्भ में सही सुमेलन है—

ई.जे.एच. मैके	—	सुमेर से लोगों का पलायन
मार्टिमर व्हीलर	—	पश्चिमी एशिया से 'सभ्यता के विचार' का प्रवसन
अमलनंदा घोष	—	हड़प्पा सभ्यता का उद्‌भव पूर्व हड़प्पा सभ्यता की परिपक्वता के परिणामस्वरूप हुआ।

✸ भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं **— हड़प्पा संस्कृति में**

✸ हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः उपयोग हुआ था **— लाल रंग का**

✸ मूर्ति पूजा का आरंभ माना जाता है **— पूर्व आर्य (Pre Aryan) सभ्यता से**

✸ गाय, हाथी, गैंडा तथा बाघ पशुओं में से वह जिसका हड़प्पा संस्कृति में पाई गई टेराकोटा कलाकृति में निरूपण (Representation) नहीं हुआ था **— गाय**

✸ सुमेलित है—

प्राचीन स्थल		पुरातत्वीय खोज
लोथल	—	गोदीबाड़ा
कालीबंगा	—	जुता हुआ खेत
धौलावीरा	—	हड़प्पन लिपि के बड़े आकार के दस चिह्नों वाला एक शिलालेख
बनावली	—	पक्की मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति

✸ सुमेलित है—

स्थल		नदी
हड़प्पा	—	रावी
हस्तिनापुर	—	गंगा
नागार्जुन कोंडा	—	कृष्णा
पैठन	—	गोदावरी

✸ सही सुमेलन है—

बस्ती		नदी
हड़प्पा	—	रावी
कालीबंगा	—	घग्गर
लोथल	—	भोगवा
रोपड़	—	सतलज

✸ सिंधु सभ्यता के बारे में सत्य कथन है **— नगरों में नालियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी, व्यापार और वाणिज्य उन्नत दशा में था एवं मातृदेवी की उपासना की जाती थी**

✸ सिंधु घाटी सभ्यता जानी जाती है **— अपने नगर नियोजन के लिए, मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के लिए, अपने कृषि संबंधी कार्य के लिए एवं अपने उद्योगों के लिए**

✸ सुमेलित है—

आलमगीरपुर	—	उत्तर प्रदेश
लोथल	—	गुजरात
कालीबंगा	—	राजस्थान
रोपड़	—	पंजाब

✸ सुमेलित है—

आलमगीरपुर	—	उत्तर प्रदेश
बनावली	—	हरियाणा
दायमाबाद	—	महाराष्ट्र
राखीगढ़ी	—	हरियाणा

✸ सही सुमेलन है—

हड़प्पीय स्थल		स्थिति
मांडा	—	जम्मू-कश्मीर
दायमाबाद	—	महाराष्ट्र
कालीबंगा	—	राजस्थान
राखीगढ़ी	—	हरियाणा

✸ हड़प्पा संस्कृति के सिंध में अवस्थित स्थल हैं **— मोहनजोदड़ो, चन्हूदड़ो जुडेरजोदड़ो, आमरी, कोटिदीजी एवं अलीमुराद**

✸ चन्हूदड़ो के उत्खनन का निर्देशन किया था **— जे.एच. मैके ने**

✸ कालीबंगा, हड़प्पा, लोथल एवं आलमगीरपुर में से सिंधु घाटी सभ्यता का वह स्थान जो अब पाकिस्तान में है **— हड़प्पा**

✸ रंगपुर जहां हड़प्पा की समकालीन सभ्यता थी, वह है **— सौराष्ट्र (गुजरात) में**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ दधेरी एक परवर्ती हड़प्पीय पुरास्थल है — **पंजाब का**

✸ हड़प्पा, मोहनजोदड़ो एवं लोथल में से सिंधु सभ्यता का वह स्थान जो भारत में स्थित है — **लोथल (गुजरात में)**

✸ वह हड़प्पीय नगर, जिसका प्रतिनिधित्व लोथल का पुरातत्त्व-स्थल करता है, स्थित था — **भोगवा नदी पर**

✸ सिंधु घाटी सभ्यता का पत्तन नगर था — **लोथल**

✸ सिकंदरिया, लोथल, महास्थानगढ़, नागपट्टनम में से वह, जो हड़प्पा का बंदरगाह है — **लोथल**

✸ कालीबंगन, रोपड़, पाटलिपुत्र तथा लोथल में से वह, जो सिंधु घाटी की सभ्यता से संबंधित स्थल नहीं है — **पाटलिपुत्र**

✸ भारत का सबसे बड़ा हड़प्पन पुरास्थल है — **राखीगढ़ी**

✸ हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा पुरास्थल है — **मोहनजोदड़ो**

✸ सिंधु घाटी के लोग विश्वास करते थे — **मातृ शक्ति में**

✸ सिंधु घाटी के लोग पूजा करते थे — **मातृदेवी की, पशुपति की, लिंग एवं योनि की, पशुओं की, नागों की एवं वृक्षों की।**

✸ सिंधु-घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा है, वे हैं — **राखालदास बनर्जी (मोहनजोदड़ो की खोज) तथा दयाराम साहनी (हड़प्पा की खोज)**

✸ सुमेलित है–

हड़प्पा	-	दयाराम साहनी
लोथल	-	एस.आर. राव
सुरकोटडा	-	जे.पी. जोशी
धौलावीरा	-	जे.पी. जोशी

✸ हड़प्पा का उत्खनन करने वाला प्रथम पुरातत्वविद जो इसके महत्व को नहीं समझ पाया था — **ए. कनिंघम**

✸ आर.डी. बनर्जी, के.एन. दीक्षित, एम.एस. वत्स तथा वी.ए.स्मिथ में से वह, जो हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से संबंधित नहीं थे — **वी.ए.स्मिथ**

✸ सिंधु सभ्यता की विकसित अवस्था में हड़प्पा, कालीबंगा, लोथल तथा मोहनजोदड़ो में से वह स्थल जहां से घरों में कुओं के अवशेष मिले हैं — **मोहनजोदड़ो**

✸ सही कालक्रम है — **नगर संस्कृति, लोहे का हल, आहत मुद्रा, सोने के सिक्के**

✸ सर्वप्रथम मानव ने जिस धातु का उपयोग किया था, वह है — **तांबा**

✸ हाथी दांत का पैमाना हड़प्पीय संदर्भ में मिला है — **लोथल से**

✸ हड़प्पाकालीन स्थलों में अभी तक जिस धातु की प्राप्ति नहीं हुई है, वह है — **लोहा**

✸ आलमगीरपुर, लोथल, मोहनजोदड़ो तथा बनावली में से वह स्थल जो घग्गर और उसकी सहायक नदियों की घाटी में स्थित है — **बनावली**

✸ सही कथन है–

— **मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, रोपड़ एवं कालीबंगा सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल हैं। हड़प्पा के लोगों ने सड़कों तथा नालियों के जाल के साथ नियोजित शहरों का विकास किया।**

✸ **कथन (A) :** मोहनजोदड़ो तथा हड़प्पा नगर अब विलुप्त हो गए हैं।
कारण (R) : वह खुदाई के दौरान प्रकट हुए थे।

— **(A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है (A) का।**

✸ हड़प्पन संस्कृति के संदर्भ में शैलकृत स्थापत्य के प्रमाण मिले हैं — **धौलावीरा से**

✸ धौलावीरा जिस राज्य में स्थित है, वह है —**गुजरात**

✸ वह हड़प्पीय (Harappan) नगर जो तीन भागों में विभक्त है — **धौलावीरा**

✸ एक उन्नत जल-प्रबंधन व्यवस्था का साक्ष्य प्राप्त हुआ है— **धौलावीरा से**

✸ कुंतासी, धौलावीरा, लोथल एवं कालीबंगा में से वह स्थल जहां से द्वि-शव संस्कार (डबल बरियल) का प्रमाण मिला है — **लोथल एवं कालीबंगा**

✸ हड़प्पन स्थल सनौली के अभी हाल में उत्खननों से प्राप्त हुए हैं — **मानव शवाधान**

✸ वस्त्रों के लिए कपास की खेती का आरंभ सबसे पहले किया गया — **भारत में**

✸ सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ सही कथन है–

— **यह प्रमुखतः लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था। उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाए जाते थे।**

✸ सिंधु सभ्यता के संदर्भ में सही कथन है — **वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।**

✸ सिंधु-घाटी सभ्यता से संबद्ध विख्यात वृषभ-मुद्रा प्राप्त हुई थी — **मोहनजोदड़ो से**

✸ वह पशु जिनका अंकन हड़प्पा संस्कृति की मुहरों पर नहीं मिलता है — **घोड़ा, गाय एवं ऊंट**

✸ जिस पशु के अवशेष सिंधु घाटी सभ्यता में प्राप्त नहीं हुए हैं, वह है — **शेर**

✸ मृण्-पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगयुक्त देवता की कृति प्राप्त हुई है — **कालीबंगा से**

✸ वह सभ्यता जो नील नदी के तट पर पनपी — **मिस्र की सभ्यता**

✸ माया - एजटेक - मुइस्का - इंका सभ्यताओं का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम है — **एजटेक - माया - मुइस्का - इंका**

✸ लेखन कला की उचित प्रणाली विकसित करने वाली सर्वप्रथम प्राचीन सभ्यता थी — **सुमेरिया**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

वैदिक काल

- 'आर्य' शब्द इंगित करता है — **श्रेष्ठ वंश को**
- क्लासिकीय संस्कृत में 'आर्य' शब्द का अर्थ है — **एक उत्तम व्यक्ति**
- सबसे पुराना वेद है — **ऋग्वेद**
- 'त्रयी' नाम है — **तीन वेदों (ऋग्वेद, यजुर्वेद एवं सामवेद) का**
- वह वैदिक ग्रंथ जिसमें 'वर्ण' शब्द का सर्वप्रथम नामोल्लेख मिलता है — **ऋग्वेद**
- वर्णव्यवस्था से संबंधित 'पुरुष सूक्त' मूलतः पाया जाता है— **ऋग्वेद में**
- सुमेलित है—

अथर्ववेद	–	औषधियों से संबंधित
ऋग्वेद	–	ईश्वर महिमा
यजुर्वेद	–	बलिदान विधि
सामवेद	–	संगीत

- सुमेलित है—

ऋग्वेद	–	स्तोत्र एवं प्रार्थनाएं
यजुर्वेद	–	स्तोत्र एवं कर्मकांड
सामवेद	–	संगीतमय स्तोत्र
अथर्ववेद	–	तंत्र-मंत्र एवं वशीकरण

- ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद तथा सामवेद चार वेदों में से वह, जिसमें जादुई माया और वशीकरण का वर्णन है — **अथर्ववेद**
- ऋग्वेद में ऋचाएं हैं — **1028**
- ऋग्वेद में मंडल हैं — **10**
- सुमेलित है—

वेद		ब्राह्मण
ऋग्वेद	–	ऐतरेय
सामवेद	–	पंचवीश
अथर्ववेद	–	गोपथ
यजुर्वेद	–	शतपथ

- ऋग्वेद का वह मंडल जो पूर्णतः 'सोम' को समर्पित है — **नौवां मंडल**
- 'यज्ञ' संबंधी विधि-विधानों का पता चलता है — **यजुर्वेद से**
- यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद में से वह, जिसका संकलन ऋग्वेद पर आधारित है — **सामवेद**
- तक्षशिला, अतरंजीखेड़ा, कौशाम्बी एवं हस्तिनापुर में से वह स्थल जिसकी खुदाई से लौह धातु के प्रचलन के प्राचीनतम प्रमाण मिले हैं — **अतरंजीखेड़ा**
- उपनिषदों का मुख्य विषय है — **दर्शन**
- ऋग्वेद, परवर्ती संहिताएं, ब्राह्मण तथा उपनिषद में से वह वैदिक साहित्य जिसमें मोक्ष की चर्चा मिलती है — **उपनिषद**
- मोक्ष शब्द का सबसे पहले उल्लेख हुआ है— **श्वेताश्वर उपनिषद में**
- अध्यात्म ज्ञान के विषय में नचिकेता और यम का संवाद जिस उपनिषद में प्राप्त होता है, वह है — **कठोपनिषद**
- उपनिषद काल के राजा अश्वपति शासक थे — **केकय के**
- वैदिक साहित्य का सही क्रम है — **वैदिक संहिताएं, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद**
- आरंभिक वैदिक साहित्य में सर्वाधिक वर्णित नदी है — **सिंधु**
- वैदिक नदी अस्किनी की पहचान की जाती है — **चेनाब नदी से**
- ऋग्वेद में जिन नदियों का उल्लेख अफगानिस्तान के साथ आर्यों के संबंध का सूचक है, वह हैं — **कुभा, क्रमु**
- सुमेलन है—

वैदिक नदियां		आधुनिक नाम
कुभा	–	काबुल
परुष्णी	–	रावी
सदानीरा	–	गंडक
सुतुद्री	–	सतलज

- वह प्रथा-चतुष्टय जो वेदोत्तर काल में प्रचलित हुई — **ब्रह्मचर्य - गृहस्थाश्रम - वानप्रस्थ - संन्यास**
- ''धर्म'' तथा ''ऋत'' भारत की प्राचीन वैदिक सभ्यता के एक केंद्रीय विचार को चित्रित करते हैं। इस संदर्भ में सत्य कथन है — **धर्म व्यक्ति के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्यों की संकल्पना था; ऋत मूतभूत नैतिक विधान था, जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्वों के क्रियाकलापों को संचालित करता था।**
- अग्नि, बृहस्पति, द्यौस तथा इंद्र वैदिक देवताओं में उनका पुरोहित माना जाता था — **बृहस्पति को**
- लोपामुद्रा, गार्गी, लीलावती तथा सावित्री में से वह ब्रह्मवादिनी जिसने कुछ वेद मंत्रों की रचना की थी — **लोपामुद्रा**
- ऋग्वैदिक काल में निष्क शब्द का प्रयोग एक स्वर्ण आभूषण के लिए होता था, किंतु परवर्ती काल में उसका प्रयोग हुआ — **सिक्का में**
- ऋग्वैदिक काल में निष्क आभूषण था — **गला का**
- 14वीं सदी ई. पूर्व का बोगजकोई अभिलेख महत्वपूर्ण है, क्योंकि —**यहां से प्राप्त अभिलेखों में वैदिक देवताओं एवं देवियों का नामोल्लेख प्राप्त होता है**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

- मान सेहरा, शहबाजगढ़ी, बोगजकोई तथा जूनागढ़ अभिलेखों में से वह, जो ईरान से भारत में आर्यों के आने की सूचना देता है — **बोगजकोई**
- शंकराचार्य, एनी बेसेंट, विवेकानंद तथा बाल गंगाधर तिलक में से वह, जिसने आर्यों के आदि देश के बारे में लिखा था— **बाल गंगाधर तिलक**
- 'पुरुष मेध' का उल्लेख हुआ है — **शतपथ ब्राह्मण में**
- शतपथ ब्राह्मण में उल्लिखित राजा विदेघ माधव से संबंधित ऋषि थे — **ऋषि गौतम राहुगण**
- उत्तर वैदिक काल में से आर्य संस्कृति का धुर समझा जाता था — **अंग, मगध को**
- गोत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम हुआ था — **ऋग्वेद में**
- गोत्र प्रथा की स्थापना हुई थी — **उत्तर वैदिक काल में**
- पूर्व-वैदिक आर्यों का धर्म प्रमुखतः था — **प्रकृति पूजा और यज्ञ**
- ऋग्वेद काल में जनता मुख्यतया विश्वास करती थी — **बलि एवं कर्मकांड में**
- ऋग्वेद में उल्लिखित प्रसिद्ध 'दश-राजाओं' का युद्ध लड़ा गया था — **परुष्णी नदी के किनारे**
- सिंधु, सरस्वती, वितस्ता तथा यमुना में से वह नदी जिसे ऋग्वेद में 'मातेतमा', 'देवीतमा' एवं 'नदीतमा' के रूप में संबोधित किया गया है — **सरस्वती**
- ऋग्वैदिक आर्यों के पंचजन थे — **यदु, द्रुह्यु, पुरु, अनु एवं तुर्वसु**
- प्राचीन काल में आर्यों के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन था— **शिकार**
- ऋग्वेद में उल्लिखित 'यव' शब्द जिस कृषि उत्पाद हेतु प्रयुक्त किया गया है, वह है — **जौ**
- वैदिक युग में प्रचलित लोकप्रिय शासन प्रणाली थी —**वंश परंपरागत राजतंत्र**
- सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है — **अथर्ववेद में**
- 'आयुर्वेद' अर्थात 'जीवन का विज्ञान' का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है — **अथर्ववेद में**
- ऋग्वेदिक धर्म था — **बहुदेववादी**
- सर्वाधिक ऋग्वैदिक सूक्त समर्पित हैं —**इंद्र को**
- ऋग्वेद में इंद्र के बाद सर्वाधिक संख्या में मंत्र संबंधित हैं — **अग्नि से**
- ऋग्वेद में युद्ध-देवता समझा जाता है — **इंद्र**
- पूर्व वैदिक आर्यों का सर्वाधिक लोकप्रिय देवता था — **इंद्र**
- 800 से 600 ईसा पूर्व का काल जुड़ा है — **ब्राह्मण युग से**
- गायत्री मंत्र के नाम से प्रसिद्ध मंत्र सर्वप्रथम मिलता है — **ऋग्वेद में**
- गायत्री मंत्र की रचना की थी — **विश्वामित्र ने**
- सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंशानुचरित संकेतक हैं — **पुराणों के**
- पुराणों की संख्या हैं — **18**
- 'श्रीमद्भागवद्गीता' मौलिक रूप में लिखी गई थी — **संस्कृत में**
- महाभारत मूलतः जानी जाती थी — **जयसंहिता के रूप में**
- हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन हेतु जिस सर्प ने रस्सी के रूप में स्वयं को प्रस्तुत किया, वह है — **वासुकी**
- अछूत की अवधारणा स्पष्ट रूप से उद्धृत हुई थी — **धर्मशास्त्र के समय में**
- 'सत्यमेव जयते' शब्द लिया गया है — **मुंडक उपनिषद से**
- सत्यकाम जाबाल की कथा, जो अनब्याही मां होने के लांछन को चुनौती देती है, उल्लेखित है — **छांदोग्य उपनिषद् में**
- ऋग्वेद की मूल लिपि थी — **ब्राह्मी**
- वैदिक कर्म कांड में 'होता' का संबंध है —**ऋग्वेद से**
- अवेस्ता और ऋग्वेद में समानता है। अवेस्ता संबंधित है — **ईरान से**
- वैदिक काल में 'अघन्या' माना गया है — **गाय को**
- ऋग्वैदिक काल के प्रारंभ में महत्वपूर्ण मूल्यवान संपत्ति समझा जाता था — **गाय को**
- प्राचीन भारतीय समाज के प्रसंग में, कुल, वंश, कोश तथा गोत्र शब्दों में से वह शब्द जो शेष तीन के वर्ग का नहीं है — **कोश**
- संस्कारों की संख्या है — **16**
- जीविकोपार्जन हेतु 'वेद-वेदांग' पढ़ाने वाला अध्यापक कहलाता था — **उपाध्याय**

बौद्ध धर्म

- गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था — **563 ई. पू. में**
- बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसे 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जाना जाता है — **उनका गृहत्याग**
- गौतम बुद्ध की मां संबंधित थीं — **कोलिय वंश से**
- बुद्ध का जन्म हुआ था — **लुंबिनी में**
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम था — **सिद्धार्थ**
- बसाढ़ स्तंभ अभिलेख, निगाली सागर स्तंभ अभिलेख, रामपुरवा स्तंभ अभिलेख तथा रुमिनदेई स्तंभ अभिलेख में से वह एक अभिलेख जो इस परंपरा की पुष्टि करता है कि गौतम बुद्ध का जन्म लुंबिनी में हुआ था? — **रुमिनदेई स्तंभ अभिलेख**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ अशोक, कनिष्क, हर्ष तथा धर्मपाल में से वह, जिसके एक अभिलेख से सूचना मिलती है कि शाक्यमुनि बुद्ध का जन्म लुंबिनी में हुआ था — **मौर्य शासक अशोक**

✸ महात्मा बुद्ध का 'महापरिनिर्वाण' हुआ — **मल्ल गणराज्य की राजधानी कुशीनगर में**

✸ महापरिनिर्वाण मंदिर अवस्थित है — **कुशीनगर में**

✸ अवंति, गांधार, कोसल एवं मगध राज्यों में से वह, जिनका संबंध बुद्ध के जीवन से था — **कोसल एवं मगध**

✸ गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अंतिम व्यक्ति था — **सुभद्र**

✸ बुद्ध ने अपने जीवन की अंतिम वर्षा ऋतु बिताई थी — **वैशाली में**

✸ बौद्ध मत में निर्वाण की अवधारणा की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या करता है — **तृष्णारूपी अग्नि का शमन**

✸ आलार कालाम थे — **बुद्ध के एक गुरु जो सांख्य दर्शन के आचार्य थे**

✸ महात्मा बुद्ध ने अपना पहला 'उपदेश' (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया था — **सारनाथ में**

✸ बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए थे — **श्रावस्ती में**

✸ बुद्ध कौशाम्बी आए थे — **उदयन के राज्य-काल में**

✸ बुद्ध की मृत्यु के पश्चात प्रथम बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की गई — **महाकस्सप द्वारा**

✸ प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था — **राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में**

✸ कश्मीर में कनिष्क के शासनकाल में, जो चतुर्थ बौद्ध संगीति आयोजित हुई थी, उसकी अध्यक्षता की थी — **वसुमित्र ने**

✸ बौद्ध धर्म की महायान शाखा औपचारिक रूप से प्रकट हुई — **कनिष्क के शासनकाल में**

✸ प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ बौद्ध संगीतियों के आयोजन स्थलों का सही क्रम है — **राजगृह, वैशाली, पाटलिपुत्र एवं कुंडलवन**

✸ द्वितीय बौद्ध समिति का आयोजन हुआ था — **काशी (वाराणसी) में**

✸ प्रथम बौद्ध समिति का आयोजन हुआ था — **अजातशत्रु के शासनकाल में**

✸ द्वितीय बौद्ध सभा का आयोजन किया था — **कालाशोक ने**

✸ बुद्ध के जीवन की चार महत्वपूर्ण घटनाएं एवं उनसे संबंधित स्थलों का सुमेलन इस प्रकार है–

घटना		स्थल
जन्म	–	लुम्बिनी
ज्ञानप्राप्ति	–	बोधगया
प्रथम प्रवचन	–	सारनाथ
निधन	–	कुशीनगर

✸ भारतीय कला में बुद्ध के जीवन की वह घटना जिसका चित्रण 'मृग सहित चक्र' द्वारा हुआ है — **प्रथम उपदेश**

✸ सही सुमेलन है–

अर्थ		चिह्न
जन्म	–	कमल
प्रथम प्रवचन	–	धर्मचक्रप्रवर्तन
महाबोधि	–	बोधि वृक्ष
त्याग	–	घोड़ा

✸ करमापा लामा तिब्बत के बुद्ध संप्रदाय के जिस वर्ग का है, वह है — **कंग्यूपा**

✸ महात्मा बुद्ध के संबंध में सही कथन हैं–

1. **उनका जन्म कपिलवस्तु (लुम्बिनी) में हुआ था।**
2. **उन्होंने बोधगया में ज्ञान प्राप्त किया था।**
3. **उन्होंने वैदिक धर्म को अस्वीकार किया था।**
4. **उन्होंने आर्य सत्य का प्रचार किया था।**

✸ बोधगया में महाबोधि मंदिर बनाया गया, जहां — **गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ**

✸ बोधगया में 'बोधि वृक्ष' को नष्ट कर दिया था — **शशांक ने**

✸ प्रमुख बौद्ध पवित्र स्थल, जो निरंजना नदी पर स्थित था — **बोधगया**

✸ बुद्ध के उपदेश संबंधित हैं — **आचरण की शुद्धता व पवित्रता से**

✸ बुद्ध के जीवनकाल में ही संघ प्रमुख होना चाहता था — **देवदत्त**

✸ गौतम बुद्ध ने अपनी मृत्यु के उपरांत बौद्ध संघ के नेतृत्व के लिए नामित किया था — **किसी को भी नहीं**

✸ अष्टांग मार्ग की संकल्पना, अंग है — **धर्मचक्रप्रवर्तन सुत्त की विषयवस्तु का**

✸ गौतम बुद्ध के बारे में सत्य कथन हैं — **वे कर्म में विश्वास करते थे, आत्मा का शरीर में परिवर्तन मानते थे एवं निर्वाण प्राप्ति में विश्वास करते थे**

✸ बौद्ध संघ में भिक्षुणी के रूप में स्त्रियों के प्रवेश की अनुमति बुद्ध द्वारा दी गई थी — **वैशाली में**

✸ 'त्रिपिटक' है — **बुद्ध के उपदेशों का संग्रह**

✸ 'त्रिपिटक' ग्रंथ संबंधित है — **बौद्ध धर्म से**

✸ वह बौद्ध ग्रंथ जिसमें संघ जीवन के नियम प्राप्त होते हैं — **विनय पिटक**

✸ वह बौद्ध साहित्य जिसमें महात्मा बुद्ध के 'नैतिक एवं सिद्धांत' संबंधित प्रवचन संकलित हैं — **सुत्त पिटक**

✸ वह बौद्ध साहित्य जिसमें बुद्ध के 'दार्शनिक सिद्धांत' का उल्लेख है — **अभिधम्मपिटक**

✸ अशोकाराम विहार स्थित था — **पाटलिपुत्र में**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' स्थित है
— राजगीर (बिहार) में

✸ बुद्ध की 80 फुट बड़ी प्रतिमा जो बोधगया में है, निर्मित की गई थी
—जापानियों के द्वारा

✸ सर्वप्रथम 'स्तूप' शब्द मिलता है **— ऋग्वेद में**

✸ सारनाथ, सांची, बोधगया एवं कुशीनारा में से वह स्तूप-स्थल, जिसका संबंध भगवान बुद्ध के जीवन की किसी घटना से नहीं रहा है, वह है
— सांची

✸ 'संसार अस्थिर और क्षणिक है' का बौद्ध, जैन, गीता एवं वेदांत में से जिससे संबंध है, वह है **— बौद्ध**

✸ 'एशिया के ज्योति पुंज' के तौर पर जाना जाता है **— गौतम बुद्ध को**

✸ सर एडविन एर्नाल्ड की पुस्तक 'द लाइट ऑफ दी एशिया' आधारित है
— ललितविस्तार पर

✸ गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान जिस राजा के युग में प्राप्त हुआ, वह है **— कनिष्क**

✸ भारत में पहले जिन मानव प्रतिमाओं को पूजा गया, वह थी**— बुद्ध की**

✸ देश में जिस धर्म के लोगों ने मूर्ति पूजा की नींव रखी थी, वह है
— बौद्ध धर्म

✸ गांधार शैली की मूर्ति कला में बुद्ध के सारनाथ में हुए प्रथम धर्मोपदेश से संबद्ध प्रवचन मुद्रा का नाम है **— धर्मचक्र**

✸ बुद्ध की खड़ी प्रतिमा बनाई गई **— कुषाण काल में**

✸ भगवान बुद्ध की प्रतिमा कभी-कभी एक हस्त मुद्रा युक्त दिखाई गई है, जिसे 'भूमिस्पर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह प्रतीक है
— मार के प्रलोभनों के बावजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लिए बुद्ध का धरती का आह्वान

✸ भूमिस्पर्श मुद्रा की सारनाथ बुद्ध मूर्ति संबंधित है **— गुप्त काल से**

✸ **कथन (A) :** कुशीनगर मल्ल गणराज्य की राजधानी थी।
कारण (R) : महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।
— दोनों A और R सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

✸ सुमेलित हैं–

लोथल	:	प्राचीन गोदी क्षेत्र
सारनाथ	:	बुद्ध का प्रथम धर्मोपदेश
सांची	:	अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष
नालंदा	:	बौद्ध अधिगम का महान पीठ

✸ महायान बौद्ध धर्म में बोधिसत्व अवलोकितेश्वर को और जिस अन्य नाम से जानते हैं, वह है **— पद्मपाणि**

✸ भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन हैं
— बोधिसत्व अपने प्रबोध के मार्ग पर बढ़ता हुआ करुणामय है। बोधिसत्व समस्त सचेतन प्राणियों को उनके प्रबोध के मार्ग पर चलने में सहायता करने के लिए स्वयं की निर्वाण प्राप्ति विलंबित करता है।

✸ हीनयान अवस्था का विशालतम एवं सर्वाधिक विकसित शैलकृत चैत्यगृह स्थित है **—कार्ले में**

✸ प्रथम शताब्दी ईस्वी में जिस भारतीय बौद्ध भिक्षुक को चीन भेजा गया था, वह है **— नागार्जुन**

✸ शून्यता के सिद्धांत का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले बौद्ध दार्शनिक का नाम है **— नागार्जुन**

✸ नागार्जुन जिस बौद्ध संप्रदाय के थे, वह है **— माध्यमिक**

✸ विक्रमशिला, वाराणसी, गिरनार एवं उज्जैन में से बौद्ध शिक्षा का केंद्र है
— विक्रमशिला

✸ वल्लभी विश्वविद्यालय स्थित था **— गुजरात में**

✸ नालंदा विश्वविद्यालय के स्थापन का युग है **— गुप्त**

✸ नालंदा विश्वविद्यालय के संस्थापक थे **— कुमारगुप्त**

✸ नालंदा विश्वविद्यालय विश्वप्रसिद्ध था **— बौद्ध धर्म दर्शन के लिए**

✸ **कथन (A) :** बारहवीं शताब्दी के अंत तक नालंदा महाविहार का पतन हो गया।
कारण (R) : महाविहार को राजकीय प्रश्रय मिलना बंद हो गया था।
— दोनों A और R सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

✸ 'नव नालंदा महाविहार' विख्यात है
— पाली अनुसंधान संस्थान के लिए

✸ बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों में समान रूप से विद्यमान था
— वेद प्रामाण्य के प्रति अनास्था, कर्मकांडों की फलवत्ता का निषेध, प्राणियों की हिंसा का निषेध (अहिंसा)

✸ बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य का सही क्रम है
— दुःख है, दुःख का कारण है, दुःख का निरोध है, दुःख निरोध का मार्ग है

✸ बौद्ध तथा जैन दोनों ही धर्म विश्वास करते हैं कि
— कर्म तथा पुनर्जन्म के सिद्धांत सही हैं

✸ **कथन (A) :** पुनर्जन्म नहीं होता है।
कारण (R) : आत्मा की सत्ता नहीं है।
— A गलत है, किंतु R सही है

✸ बौद्ध धर्म के विषय में सही कथन हैं
— उसने वर्ण एवं जाति को अस्वीकार नहीं किया। उसने ब्राह्मण वर्ग की सर्वोच्च सामाजिक कोटि को चुनौती दी। उसने कुछेक शिल्पों को निम्न माना।

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ बौद्ध धर्म के विस्तार के कारणों में सम्मिलित थे–
— धर्म की सादगी, दलितों के लिए विशेष अपील, धर्म की मिशनरी भावना, स्थानीय भाषा का प्रयोग

✸ आरंभिक मध्ययुगीन समय में बौद्ध धर्म का पतन जिन कारणों से शुरू हुआ, वह हैं **— उस समय तक बुद्ध, विष्णु के अवतार समझे जाने लगे और वैष्णव धर्म का हिस्सा बन गए।**

✸ कुछ शैलकृत बौद्ध गुफाओं को चैत्य कहते हैं, जबकि अन्य को विहार। दोनों में अंतर है, कि **— चैत्य पूजा-स्थल होता है, जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास-स्थान है**

✸ वह बौद्ध शाखा, जो सुल्तानी युग में सबसे प्रभावशाली थी
— वज्रयान

जैन धर्म

✸ जैन धर्म के संस्थापक हैं **—ऋषभ देव**

✸ जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर थे **— ऋषभदेव**

✸ जैन 'तीर्थंकर' पार्श्वनाथ मुख्यतः संबंधित थे **— वाराणसी से**

✸ महावीर स्वामी का जन्म हुआ था **— कुंडग्राम में**

✸ महावीर जैन की मृत्यु हुई थी **— पावापुरी में**

✸ तीर्थंकर शब्द संबंधित है **— जैन से**

✸ जैन तीर्थंकरों के क्रम में अंतिम थे **— महावीर**

✸ चंद्रप्रभु, नाथमुनि, नेमि तथा संभव में से वह, जो जैन तीर्थंकर नहीं था
— नाथमुनि

✸ प्रभासगिरि जिनका तीर्थ स्थल है, वे हैं **— जैन**

✸ जैन धर्म में 'पूर्ण ज्ञान' के लिए शब्द है **— कैवल्य**

✸ त्रिरत्न सिद्धांत सम्यक धारण, सम्यक चरित्र एवं सम्यक ज्ञान जिस धर्म की महिमा है, वह है **— जैन धर्म**

✸ अणुव्रत सिद्धांत का प्रतिपादन किया था **— जैन धर्म ने**

✸ स्यादवाद सिद्धांत है **— जैन धर्म का**

✸ जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण
— सार्वभौमिक विधान से हुआ है

✸ अनेकांतवाद बौद्ध मत, जैन मत, सिख मत तथा वैष्णव मत में से जिसका क्रोड सिद्धांत एवं दर्शन है, वह है **— जैन मत**

✸ बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिंदू धर्म तथा इस्लाम में से वह धर्म जो 'विश्व विनाशकारी प्रलय' की अवधारणा में विश्वास नहीं करता **— जैन धर्म**

✸ जैन धर्म का आधारभूत बिंदु है **— अहिंसा**

✸ यापनीय एक संप्रदाय था **— जैन धर्म का**

✸ बारह अंग, बारह उपांग, चौदह पूर्व तथा चौदह उपपूर्व में से वह, जो सबसे पूर्वकालिक जैन ग्रंथ कहलाता है **— चौदह पूर्व**

✸ प्रारंभिक जैन साहित्य जिस भाषा में लिखे गए, वह है **— अर्ध-मागधी**

✸ चंपा, पावा, सम्मेद शिखर तथा ऊर्जयंत में से वह स्थल, जो पार्श्वनाथ से संबद्ध होने के कारण जैन-सिद्ध क्षेत्र माना जाता है
— सम्मेद शिखर

✸ थेरीगाथा, आचारांगसूत्र, सूत्रकृतांग तथा बृहत्कल्पसूत्र में से वह, जो आरंभिक जैन साहित्य का भाग नहीं है **— थेरीगाथा**

✸ जैन संप्रदाय में प्रथम विभाजन के समय श्वेतांबर संप्रदाय के संस्थापक थे **— स्थूलभद्र**

✸ महावीर का प्रथम अनुयायी था **— जमालि**

✸ वह जैन सभा जिसमें अंतिम रूप से श्वेतांबर आगम का संपादन हुआ
— पाटलिपुत्र

✸ सत्य कथन हैं
— गौतम बुद्ध की माता कोलिय राजवंश की राजकुमारी थीं, 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ बनारस से थे।

✸ प्राचीन जैन धर्म के संबंध में सत्य कथन हैं–
— भद्रबाहु के नेतृत्व में दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रचार हुआ। 'पाटलिपुत्र' में हुई परिषद के पश्चात जो जैन धर्म के लोग स्थूलबाहु के नेतृत्व में रहे, वे श्वेतांबर कहलाए। प्रथम शतक ई.पू. में जैन धर्म को कलिंग के राजा खारवेल का समर्थन मिला

✸ जैन सिद्धांत के अनुरूप कथन हैं
— कर्म को विनष्ट करने का सुनिश्चित मार्ग तपश्चर्या है, प्रत्येक वस्तु में, चाहे वह सूक्ष्मतम कण हो, आत्मा होती है, कर्म आत्मा का विनाशक है और अवश्य इसका अंत करना चाहिए।

✸ 'समाधि मरण' से संबंधित है **— जैन दर्शन से**

✸ सत्य कथन हैं
— दक्षिण भारत के इक्ष्वाकु शासक बौद्धमत के समर्थक थे, पूर्वी भारत के पाल शासक बौद्धमत के समर्थक थे

✸ 'आजीवक' संप्रदाय के संस्थापक थे **— मक्खलिगोसाल**

✸ वह संप्रदाय, जो नियति की अटलता में विश्वास करता था
— आजीवक

✸ बराबर की गुफाओं का उपयोग आश्रयगृह के रूप में किया
— आजीविकों ने

✸ उत्तर प्रदेश में बौद्ध एवं जैनियों दोनों की प्रसिद्ध तीर्थस्थली है
— कौशाम्बी

✸ सही कथन हैं–
— भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ अरुणाचल प्रदेश में है, खजुराहो के मंदिर चंदेल राजाओं द्वारा बनवाए गए और होयसलेश्वर मंदिर शिव को समर्पित है।

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ श्रवणबेलगोला में गोमतेश्वर की विशाल प्रतिमा स्थापित करवाई थी — चामुंडराय ने

✸ महान धार्मिक घटना, महामस्तकाभिषेक संबंधित है — बाहुबली से

✸ बाहुबली को पुत्र माना जाता है — प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव का

शैव, भागवत धर्म

✸ प्राचीन भारत के विश्वोत्पत्ति (Cosmogonic) विषयक धारणाओं के अनुसार चार युगों के चक्र का क्रम इस प्रकार है — कृत, त्रेता, द्वापर और कलि

✸ आजीवक, मत्तमयूर, मयमत तथा ईशानशिवगुरुदेवपद्धति में से वह, जो प्राचीन भारत में शैव संप्रदाय था — मत्तमयूर

✸ अर्धनारीश्वर मूर्ति में आधा शिव तथा आधा पार्वती प्रतीक है — देव और उसकी शक्ति का योग

✸ 'नयनार' थे — शैव धर्मानुयायी

✸ पोयगई, तिरुज्ञान, पूडम तथा तिरुमंगई में से वह, जो अलवार संत नहीं था — तिरुज्ञान

✸ भागवत संप्रदाय के विकास में सर्वाधिक योगदान दिया था — गुप्त ने

✸ भागवत धर्म के प्रवर्तक थे — कृष्ण

✸ सर्वप्रथम देवकी के पुत्र कृष्ण का वर्णन मिलता है — छांदोग्य उपनिषद में

✸ वासुदेव कृष्ण की पूजा सर्वप्रथम प्रारंभ की — भागवतों ने

✸ वह देवता जिसे कला में हल लिए प्रदर्शित किया गया है — बलराम

✸ भागवत संप्रदाय में भक्ति के रूपों की संख्या है — 9

✸ हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख संदर्भित है — वासुदेव से

✸ भागवत धर्म से संबंधित प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है —हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख

✸ भागवत धर्म का ज्ञात सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है —बेसनगर का गरुड़ स्तंभ

✸ 'बेसनगर अभिलेख' का हेलियोडोरस निवासी था — तक्षशिला का

✸ विष्णु के जिस अवतार को सागर से पृथ्वी का उद्धार करते हुए अंकित किया जाता है, वह है — वाराह

✸ छठीं शताब्दी ई.पू. के संदर्भ में भारत में आस्तिक और नास्तिक संप्रदायों में विभेदक लक्षण है — वेदों की प्रामाणिकता में आस्था

✸ मोक्ष के साधन के रूप में जन्म, कर्म तथा भक्ति को समान महत्व देता है — भगवदगीता

✸ प्रस्थानत्रयी में सम्मिलित हैं — उपनिषद, ब्रह्मसूत्र एवं भगवदगीता

✸ वह प्राचीन स्थल जहां 60,000 मुनियों की सभा में संपूर्ण महाभारत-कथा का वाचन किया गया था — नैमिषारण्य

✸ रामायण का वह कांड जिसमें राम और हनुमान की पहली भेंट का वर्णन है — किष्किन्धा कांड

✸ पुरी में 'रथयात्रा' निकाली जाती है— भगवान जगन्नाथ के सम्मान में

✸ नासिक में कुंभ मेला लगता है — गोदावरी नदी के तट पर

✸ सुमेलित है–

धर्म		पवित्र स्थल
जैन धर्म	–	पावापुरी
हिंदू धर्म	–	वाराणसी
इस्लाम धर्म	–	मदीना
ईसाई धर्म	–	वेटिकन

छठीं शती ई.पू. : राजनीतिक दशा

✸ भारत के प्राचीनतम प्राप्त सिक्के — चांदी के थे

✸ सुमेलित हैं–

राजा		राज्य
प्रद्योत	-	अवंति
उदयन	-	वत्स
प्रसेनजित	-	कोसल
अजातशत्रु	-	मगध

✸ अभिलेखीय साक्ष्य से प्रकट होता है कि नंद राजा के आदेश से एक नहर खोदी गई थी — कलिंग में

✸ उज्जैन का प्राचीनकाल में नाम था — अवंतिका

✸ मानचित्र में A, B, C, D द्वारा अंकित स्थल हैं

— मत्स्य, अवंति, वत्स, अंग

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ प्राचीन नगर जो महाभारत और महाभाष्य दोनों में उल्लेखित है — **मध्यमिका एवं विराटनगर**

✸ पाटलिपुत्र के संस्थापक थे — **उदयिन**

✸ चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक महान, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य एवं कनिष्क में से पाटलिपुत्र को जिस शासक ने सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाया, वह है — **चंद्रगुप्त मौर्य**

✸ सर्वप्रथम पाटलिपुत्र का राजधानी के रूप में चयन किया गया — **उदयिन द्वारा**

✸ उदयन-वासवदत्ता की दंतकथा संबंधित है — **उज्जैन से**

✸ प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष हुआ था — **ई.पू. छठवीं शताब्दी में**

✸ गंधार, कम्बोज, काशी तथा मगध में से वह, जो ईसा पूर्व छठीं शताब्दी में, प्रारंभ में भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली नगर राज्य था — **काशी**

✸ शाक्य, लिच्छवि एवं यौधेय में से प्रारंभिक गणतंत्र में नहीं था — **यौधेय**

✸ विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में स्थापित किया गया — **लिच्छवी द्वारा**

✸ सही सुमेलन है–

पार्श्वनाथ	-	जैन
बिंदुसार	-	मौर्य
स्कंदगुप्त	-	गुप्त
चेताक	-	लिच्छवी

✸ 16 महाजनपदों की सूची जिन प्राचीन ग्रंथों में मिलती है, वे हैं — **अंगुत्तर निकाय एवं भगवती सूत्र में**

✸ महाभारत के अनुसार उत्तरी पांचाल की राजधानी स्थित थी — **अहिच्छत्र में**

✸ सोलह महाजनपदों के युग में मथुरा राजधानी थी — **सूरसेन की**

✸ चम्पा राजधानी थी — **अंग की**

✸ छठवीं शताब्दी ई.पू. में शुक्तिमती राजधानी थी — **चेदि की**

✸ गोदावरी नदी के तट पर स्थित महाजनपद था — **अस्सक**

✸ मगध की प्रारंभिक राजधानी थी — **राजगृह (गिरिव्रज)**

✸ गिरिव्रज, राजगृह, पाटलिपुत्र तथा कौशाम्बी में से वह, जो मगध साम्राज्य की राजधानी नहीं रहा — **कौशाम्बी**

✸ प्राचीन श्रावस्ती का नगर विन्यास है — **अर्द्धचंद्राकार**

✸ मगध का प्रारंभिक शासक जिसने राज्यारोहण के लिए अपने पिता की हत्या की एवं स्वयं इसी कारणवश अपने पुत्र द्वारा मारा गया — **अजातशत्रु**

✸ अजातशत्रु के वंश का नाम था — **हर्यंक**

✸ मालवा क्षेत्र पर मगध की सत्ता का विस्तार हुआ था — **शिशुनाग के शासन काल में**

✸ नंद वंश के पश्चात मगध पर शासन किया — **मौर्य राजवंश ने**

✸ राजा नंद का उल्लेख करने वाला अभिलेखीय प्रमाण है — **खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख**

✸ मगध पर शासन करने वाले राजवंशों का कालक्रम है — **हर्यंक वंश, नंद वंश, मौर्य वंश, शुंग वंश**

✸ मगध का सम्राट जो 'अपरोपरशुराम' के नाम से जाना जाता है — **महापद्मनंद**

✸ सही कथन हैं — **विश्व के सभी भागों में ईस्वी पूर्व छठवीं शताब्दी एक महान धार्मिक उथल-पुथल का काल था, वैदिक धर्म बहुत जटिल हो चुका था।**

✸ गौतम बुद्ध के समय का प्रसिद्ध वैद्य जीवक संबंधित था — **बिंबिसार के दरबार से**

✸ काल्पी नगर जिस नदी के तट पर स्थित है, वह है — **यमुना**

✸ सही सुमेलन है–

उ.प्र. के प्राचीन जनपद		राजधानी
कुरु	-	इंद्रप्रस्थ
पांचाल	-	अहिच्छत्र
कोशल	-	साकेत
वत्स	-	कौशाम्बी

यूनानी आक्रमण

✸ सिकंदर के हमले के समय उत्तर भारत पर शासन था — **नंद का**

✸ मगध का राजा, जो सिकंदर महान के समकालीन था — **घनानंद**

✸ **कथन (A)** : लगभग दो वर्ष के अभियान के पश्चात सिकंदर महान ने 325 ई. पू. में भारत छोड़ दिया।
कारण (R) : वह चंद्रगुप्त मौर्य से पराजित हुआ था। — **A सही है, परंतु R गलत है**

✸ युद्ध-भूमि में बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने अथवा आहत हो जाने के बाद जिस भारतीय गण अथवा राज्य की स्त्रियों ने सिकंदर के विरुद्ध शस्त्र धारण किया था, वह है — **मस्सग**

✸ भारत में सिकंदर की सफलता के कारण थे — **उस समय भारत में कोई केंद्रीय सत्ता नहीं थी, उसकी फौज बेहतर थी, उसे देशद्रोही शासकों से सहायता मिली**

✸ वह वीर भारतीय राजा, जिसे सिकंदर ने झेलम के तट पर पराजित किया था — **पुरु (पोरस)**

✸ नियार्कस, आनेसिक्रिटस, डाइमेकस तथा अरिस्टोब्यूलस में से वह, जो सिकंदर के साथ भारत में नहीं आया था — **डाइमेकस**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

मौर्य साम्राज्य

✸ प्रथम भारतीय साम्राज्य स्थापित किया गया था — **चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा**

✸ गुप्त, मौर्य, वर्धन, कुषाण में से सबसे पुराना राजवंश है — **मौर्य**

✸ जिसके ग्रंथ में चंद्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है — **विशाखदत्त**

✸ सैंड्रोकोट्स से चंद्रगुप्त मौर्य की पहचान की — **विलियम जोंस ने**

✸ प्लिनी, जस्टिन, स्ट्रैबो तथा मेगास्थनीज में से वह जिसने 'सैंड्रोकोट्स' (चंद्रगुप्त मौर्य) और सिकंदर महान की भेंट का उल्लेख किया है — **जस्टिन**

✸ कौटिल्य प्रधानमंत्री थे — **चंद्रगुप्त मौर्य के**

✸ चाणक्य अपने बचपन में जाने जाते थे — **विष्णुगुप्त के नाम से**

✸ कौटिल्य का अर्थशास्त्र है, एक — **शासन के सिद्धांतों की पुस्तक**

✸ सप्तांग सिद्धांत के अनुसार राज्य के अंग हैं — **राजा, आमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना एवं मित्र**

✸ कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में प्रकाश डाला गया है — **राजनीतिक नीतियों पर**

✸ मैक्यावेली के 'प्रिंस' से तुलना की जा सकती है — **कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' की**

✸ डाइमेकस भारत आया था — **बिंदुसार के शासनकाल में**

✸ पाटलिपुत्र में स्थित चंद्रगुप्त का महल मुख्यतः बना था — **लकड़ी का**

✸ जिस प्राचीन नगर के अवशेष कुम्रहार स्थल से प्राप्त हुए हैं, वह है — **पाटलिपुत्र**

✸ बुलंदीबाग प्राचीन स्थान था — **पाटलिपुत्र का**

✸ अशोक, चंद्रगुप्त, बिंदुसार तथा कुणाल में से वह मौर्य राजा जिसने दक्कन की विजय प्राप्त की थी — **चंद्रगुप्त**

✸ मालवा, गुजरात एवं महाराष्ट्र पहली बार जीता — **चंद्रगुप्त मौर्य ने**

✸ वह अभिलेख, जिससे यह प्रमाणित होता है कि चंद्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था — **रुद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख**

✸ गुजरात चंद्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य में सम्मिलित था, यह प्रमाणित होता है — **रुद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख से**

✸ सेल्यूकस, जिनको अलेक्जैंडर द्वारा सिंध एवं अफगानिस्तान का प्रशासक नियुक्त किया गया था, को हराया था — **चंद्रगुप्त ने**

✸ चंद्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को पराजित किया था — **305 ई.पू. में**

✸ दिया गया मानचित्र संबंधित है—

— **अशोक से, उसके शासनकाल के अंतिम समय से**

✸ सहिष्णुता, उदारता और करुणा के त्रिविध आधार पर राजधर्म की स्थापना की — **अशोक ने**

✸ अफगानिस्तान, बिहार, श्रीलंका तथा कलिंग में से वह क्षेत्र, जो अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था — **श्रीलंका**

✸ अशोक के तृतीय मुख्य शिलालेख, द्वितीय मुख्य शिलालेख, नवां मुख्य शिलालेख तथा प्रथम स्तंभ अभिलेख में से वह, जिसमें दक्षिण भारतीय राज्यों का उल्लेख हुआ है — **द्वितीय मुख्य शिलालेख**

✸ भारत के प्रथम अस्पताल एवं औषधि-बाग का निर्माण करवाया था — **अशोक ने**

✸ "अशोक ने बौद्ध होते हुए भी, हिंदू धर्म में आस्था नहीं छोड़ी" इसका प्रमाण है — **'देवानामप्रिय' की उपाधि**

✸ अशोक के शासनकाल में बौद्ध सभा आयोजित की गई थी — **पाटलिपुत्र में**

✸ मौर्य शासक जो बौद्ध धर्म के अनुयायी थे — **अशोक एवं दशरथ**

✸ रज्जुक थे — **मौर्य शासन में अधिकारी**

✸ सार्थवाह कहते थे — **व्यापारियों के काफिले को**

✸ अग्रहारिक, युक्त, प्रादेशिक तथा राजुक में से वह अधिकारी जो मौर्य प्रशासन का भाग नहीं था — **अग्रहारिक**

✸ सारनाथ स्तंभ का निर्माण किया था — **अशोक ने**

✸ सर्वश्रेष्ठ स्तूप मानते हैं — **सांची को**

✸ सांची का स्तूप बनवाया था — **अशोक ने**

✸ सुमेलित हैं—

स्थान		स्मारक/भग्नावशेष
कौशाम्बी	–	घोषिताराम मठ
कुशीनगर	–	रानाभर स्तूप
सारनाथ	–	धमेख स्तूप
श्रावस्ती	–	सहेत-महेत

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ सम्राट अशोक की तीर्थ यात्रा का सही क्रम है
— गया, कुशीनगर, लुंबिनी, कपिलवस्तु,सारनाथ एवं श्रावस्ती

✸ अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है
— प्राकृत भाषा में

✸ कालसी, गिरनार, शाहबाजगढ़ी तथा मेरठ में से वह अशोक कालीन अभिलेख जो 'खरोष्ठी' लिपि में है **— शाहबाजगढ़ी**

✸ पत्थर पर प्राचीनतम शिलालेख थे **— प्राकृत भाषा में**

✸ अशोक के शिलालेखों को सर्वप्रथम पढ़ा था **— जेम्स प्रिंसेप ने**

✸ वह स्थान, जहां प्राक् अशोक ब्राह्मी लिपि का पता चला है **— अनुराधापुर**

✸ प्राचीन भारत में ब्राह्मी, नंदनागरी, शारदा तथा खरोष्ठी में से, वह एक लिपि जो दाईं ओर से बाईं ओर लिखी जाती थी **— खरोष्ठी**

✸ अशोक का अपने शिलालेखों में सामान्यतः जिस नाम से उल्लेख हुआ है, वह है **— प्रियदर्शी**

✸ अशोक के प्रस्तर स्तंभों के संदर्भ में सत्य कथन हैं
— इन पर बढ़िया पॉलिश है, ये अखंड हैं, स्तंभों का शैफ्ट शुंडाकार है

✸ मास्की, गुर्जरा, नेट्टूर एवं उडेगोलन में से वह एक अभिलेख जिसमें अशोक के व्यक्तिगत नाम का उल्लेख मिलता है **— मास्की**

✸ अशोक का रुम्मिनदेई स्तंभ संबंधित है **— बुद्ध के जन्म से**

✸ गुजर्रा लघु शिलालेख, जिसमें अशोक का नामोल्लेख किया गया है, स्थित है **— मध्य प्रदेश के दतिया जिले में**

✸ केवल वह स्तंभ जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है
— भाब्रू स्तंभ

✸ कालसी प्रसिद्ध है **— अशोक के शिलालेख के कारण**

✸ उत्तराखंड में, सम्राट अशोक के शिलालेखों की एक प्रति मिली थी
— कालसी में

✸ कलिंग युद्ध की विजय तथा क्षतियों का वर्णन अशोक के जिस शिलालेख (Rock Edict) में है, वह है **— शिलालेख XIII**

✸ अशोक का पूर्णरूपेण धार्मिक सहिष्णुता के प्रति समर्पित अभिलेख है
— शिलालेख XII

✸ अशोक के जो प्रमुख शिलालेख (Rock Edicts) संगम राज्य के विषय में हमें बताते हैं, उनमें सम्मिलित हैं **— II और XIII शिलालेख**

✸ चोल, पाण्ड्य, सतियपुत्त तथा सातवाहन में से वह दक्षिणी राज्य, जिसका उल्लेख अशोक के अभिलेखों में नहीं है **— सातवाहन**

✸ अशोक का वह अभिलेख जिसमें पारंपरिक अवसरों पर पशु बलि पर रोक लगाई गई है, ऐसा लगता है कि यह पाबंदी पशुओं के वध पर थी
— शिला अभिलेख I

✸ टालेमी फिलाडेल्फस (तुरमय) जिसके साथ अशोक के राजनय संबंध थे, शासक था **— मिस्र का**

✸ चोल, गुप्त, मौर्य तथा पल्लव में से वह राजवंश जिसके शासकों के सुदूर देशों जैसे सीरिया एवं मिस्र के साथ राजकीय संबंध थे **— मौर्य**

✸ प्राचीन भारतीय अभिलेखों में से वह एक खाद्यान्न जिसे देश में संकटकाल में उपयोग हेतु सुरक्षित रखने के बारे में प्राचीनतम शाही आदेश है **— सोहगौरा ताम्रपत्र**

✸ **कथन (A) :** अशोक ने कलिंग को मौर्य साम्राज्य में जोड़ लिया था।
कारण (R) : कलिंग दक्षिण भारत को जाने वाले स्थलीय एवं समुद्री मार्गों को नियंत्रित करता था। **—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है**

✸ **कथन (A) :** मौर्यकालीन शासकों ने धार्मिक आधार पर भू-अनुदान नहीं दिया था।
कारण (R) : भू-अनुदान के विरुद्ध कृषकों ने विद्रोह किया।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✸ मौर्यकाल में टैक्स को छुपाने (चोरी) के लिए दिया जाता था
— मृत्युदंड

✸ प्रसिद्ध यूनानी राजदूत मेगस्थनीज भारत में आए थे
— चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में

✸ मेगस्थनीज ने अपने ग्रंथ इंडिका में भारतीय समाज को विभाजित किया
— सात श्रेणियों में

✸ अर्थशास्त्र, मुद्राराक्षस, मेगस्थनीज की इंडिका तथा वायुपुराण में से वह स्रोत जिसमें उल्लिखित है कि प्राचीन भारत में दासता नहीं थी
— मेगस्थनीज की इंडिका

✸ वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है
— इंडिका

✸ वह स्रोत जो मौर्यों के नगर प्रशासन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है
— मेगस्थनीज की इंडिका

✸ मेगस्थनीज की पुस्तक का नाम है **— इंडिका**

✸ मौर्य नरेशों ने विकास किया था
— संस्कृति कला व साहित्य, प्रांतीय विभाजन, हिंदूकुश तक साम्राज्य

✸ 'भाग' एवं 'बलि' थे **— राजस्व के स्रोत**

✸ मौर्य काल में भूमि कर, जो कि राज्य की आय का मुख्य स्रोत था एकत्रित किया जाता था **— सीताध्यक्ष द्वारा**

✸ मौर्यकाल में 'सीता' से तात्पर्य है **— राजकीय भूमि से प्राप्त आय**

✸ मौर्य मंत्रिपरिषद में राजस्व इकट्ठा करने से संबंधित था **— समाहर्ता**

✸ मौर्ययुगीन अधिकारी जो तौल-माप का प्रभारी था **— पौतवाध्यक्ष**

✸ 'पंकोदकसन्निरोधे' मौर्य प्रशासन द्वारा लिया जाने वाला जुर्माना था
— सड़क पर कीचड़ फैलाने पर

✸ मौर्य काल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केंद्र था **— तक्षशिला**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

- कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' के अनुसार मौर्यकालीन न्याय व्यवस्था में ये न्यायालय अस्तित्व में थे — **धर्मस्थीय एवं कंटकशोधन**
- वर्तमान नगरपालिका प्रशासन का यह कार्य मौर्य काल से जारी है — **जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण**
- भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में इतिवृत्तों, राजवंशीय इतिहासों तथा वीरगाथाओं को कंठस्थ करना व्यवसाय था — **मागध एवं सूत वर्गों का**
- गांवों के शासन को स्वायत्तशासी पंचायतों के माध्यम से संचालित करने की व्यवस्था का सूत्रपात किया — **मौर्यों ने**
- प्राचीन भारत का ग्रंथ जिसमें पति द्वारा परित्यक्त पत्नी के लिए विवाह विच्छेद की अनुमति दी गई है — **अर्थशास्त्र**
- जातक, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य एवं अर्थशास्त्र में से पुनर्विवाह वर्जित (Prohibits) है — **मनुस्मृति में**
- विदेशियों को भारतीय समाज में मनु द्वारा दिया गया सामाजिक स्तर था — **व्रात्य क्षत्रियों का (Fallen Kshatriyas)**
- प्राचीन भारत के यात्रियों का सही क्रम है — **मेगस्थनीज, फाह्यान, ह्वेनसांग एवं इत्सिंग**
- सही सुमेलित है–

सूची-I		सूची-II
चंद्रगुप्त	–	सैंड्रोकोट्टस
बिंदुसार	–	अमित्रघात
अशोक	–	पियदसि
चाणक्य	–	विष्णुगुप्त

- अंतिम मौर्य सम्राट था —**बृहद्रथ**
- सही कथन हैं — **अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या उसके प्रधान सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी, अंतिम शुंग राजा देवभूति की हत्या उसके ब्राह्मण मंत्री वासुदेव कण्व ने की और उसने राजसिंहासन हथिया लिया, आंध्र ने कण्व राजवंश के अंतिम शासक को पद वंचित किया था।**
- ईस्वी सन के पूर्व की कुछ शताब्दियों में गिरनार क्षेत्र में जल संसाधन व्यवस्था की ओर ध्यान दिया — **चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक ने**
- जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, जिस प्रथम शासक ने गिरनार क्षेत्र में एक झील का निर्माण करवाया, वह था — **चंद्रगुप्त मौर्य**
- सुमेलित हैं–

लोथल	-	एनसिएंट डाकयार्ड
सारनाथ	-	फर्स्ट सरमन ऑफ बुद्ध
सारनाथ	-	लायन कैपिटल ऑफ अशोक
नालंदा	-	ग्रेट सीट ऑफ बुद्धिस्ट लर्निंग

मौर्योत्तर काल

- स्ट्रैटो II, स्ट्रैटो I ,डेमेट्रियस तथा मेनांडर में से वह हिंद-यवन शासक जिसने सीसे के सिक्के जारी किए थे — **स्ट्रैटो II**
- बिंबिसार, गौतम बुद्ध, मिलिंद तथा प्रसेनजीत में से वह एक जो अन्य तीनों के समसामयिक नहीं था — **मिलिंद**
- 'काव्य' शैली का प्राचीनतम नमूना मिलता है — **काठियावाड़ के रुद्रदामन के अभिलेख में**
- रुद्रदामन प्रथम की विभिन्न उपलब्धियां वर्णित हैं — **जूनागढ़ के अभिलेख में**
- बिना बेगार के सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार कराया — **रुद्रदामन प्रथम ने**
- उत्तरी तथा उत्तरी-पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में तांबे के सिक्कों को जारी किया था —**कुषाणों ने**
- प्राचीन भारत में नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाए — **कुषाण ने**
- विम कडफिसेस, कनिष्क, नहपाण एवं बुध गुप्त में से जिसके सिक्कों पर बुद्ध का अंकन हुआ है, वह है — **कनिष्क**
- कुजुल कडफिसेस, विम कडफिसेस, कनिष्क प्रथम तथा हुविष्क में से वह शासक जिसको सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी करने का श्रेय दिया जाता है — **विम कडफिसेस**
- विम कडफिसेस, कुजुल कडफिसेस, कनिष्क तथा हर्मवीज में से वह, जिसने भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन नियमित उपयोग के लिए किया था — **विम कडफिसेस ने**
- यौधेय सिक्कों पर अंकन मिलता है — **कार्तिकेय का**
- कनिष्क के सारनाथ बौद्ध प्रतिमा अभिलेख की तिथि है — **81 ई.सन्**
- कुषाण शासक कनिष्क का राज्याभिषेक हुआ — **78 ई. में**
- शक संवत् प्रारंभ किया गया — **78 ई. में**
- विक्रम एवं शक संवतों में अंतर (वर्षों में) है — **135 वर्ष**
- विक्रम संवत् प्रारंभ हुआ — **57 ई. पू. में**
- कनिष्क के समकालीन थे — **अश्वघोष एवं वसुमित्र**
- अश्वघोष, चरक, नागार्जुन तथा पतंजलि में से वह, जो कनिष्क के दरबार से संबद्ध नहीं था — **पतंजलि**
- अश्वघोष, पार्श्व, वसुमित्र तथा विशाखदत्त में से वह, जो कनिष्क प्रथम के दरबार में नहीं गया था — **विशाखदत्त**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

- श्रावस्ती, कौशांबी, पाटलिपुत्र तथा चम्पा नगरों में से कनिष्क के रबतक अभिलेख में उल्लेख नहीं है — **श्रावस्ती का**
- तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी — **चरक तथा जीवक ने**
- शुंग वंश के बाद भारत पर राज किया — **कण्व वंश ने**
- पुष्यमित्र शुंग, खारवेल, गौतमीपुत्र शातकर्णी, वासुदेव एवं समुद्रगुप्त में से वह शासक जो वर्ण-व्यवस्था का रक्षक कहा जाता है — **गौतमीपुत्र शातकर्णी**
- मौर्यों के बाद दक्षिण भारत में सबसे प्रभावशाली राज्य था — **सातवाहन**
- सिमुक संस्थापक था — **सातवाहन वंश का**
- चीनी जनरल जिसने कनिष्क को हराया था — **पान चाऊ**
- गुप्त वंश, मौर्य वंश तथा कुषाण वंश में से वह वंश जिसके साम्राज्य की सीमाएं भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर तक फैली थीं — **कुषाण वंश**
- बाल विवाह की प्रथा आरंभ हुई — **कुषाणकाल में**
- कला की गांधार शैली फली-फूली — **कुषाणों के समय में**
- सुमेलित हैं—

राजवंश		सिक्कों की धातुएं
कुषाण	-	स्वर्ण एवं ताम्र
गुप्त	-	स्वर्ण एवं रजत
सातवाहन	-	सीसा एवं पोटीन
कलचुरि	-	स्वर्ण, रजत एवं ताम्र

- अफगानिस्तान का बामियान प्रसिद्ध था — **बुद्ध प्रतिमा के लिए**
- जो कला शैली भारतीय और यूनानी (ग्रीक) आकृति का सम्मिश्रण है, उसे कहते हैं — **गांधार**
- वह मूर्ति कला जिसमें सदैव हरित स्तरित चट्टान (शिस्ट) का प्रयोग माध्यम के रूप में होता था — **गांधार मूर्ति कला**
- प्राचीन काल के भारत पर आक्रमणों के संबंध में सही कालानुक्रम है — **यूनानी-शक-कुषाण**
- पहला ईरानी शासक जिसने भारत के कुछ भाग को अपने अधीन किया था — **डेरियस प्रथम**
- चालुक्य, पल्लव, राष्ट्रकूट तथा सातवाहन राजवंशों में सबसे पुराना राजवंश था — **सातवाहन**
- आंध्र सातवाहन राजाओं की सबसे लंबी सूची मिलती है — **मत्स्य पुराण में**
- सातवाहनों की राजधानी अवस्थित थी — **अमरावती एवं प्रतिष्ठान में**
- 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है — **गौतमीपुत्र शातकर्णी के लिए**
- निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

  कथन (A) : कुषाण फारस की खाड़ी और लाल सागर से होकर व्यापार करते थे।

  कारण (R) : उनकी सुसंगठित नौसेना उच्च कोटि की थी।

  — **A सही है, परंतु R गलत है।**
- राजा खारवेल का नाम जुड़ा है — **हाथीगुम्फा लेख के साथ**
- अशोक, हर्ष, पुलकेशिन द्वितीय एवं खारवेल में से वह, जो जैन धर्म का संरक्षक था — **खारवेल**
- कलिंग नरेश खारवेल संबंधित थे — **चेदि वंश से**
- दशरथ, बृहद्रथ, खारवेल तथा हुविष्क राजाओं में से वह जिसका जैन धर्म के प्रति भारी झुकाव था — **खारवेल**
- पूर्वी रोमन शासक जस्टिनियन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान था — **विधि में**

गुप्त एवं गुप्तोत्तर युग

- गुप्तवंश ने शासन किया — **319-500 ई. अवधि के मध्य**
- चार अश्वमेधों का संपादन किया था — **प्रवरसेन प्रथम ने**
- 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है — **समुद्रगुप्त को**
- गुप्त राजा देवगुप्त का एक अन्य नाम था — **चंद्रगुप्त द्वितीय**
- प्रथम गुप्त शासक जिसने 'परम भागवत' की उपाधि धारण की — **चंद्रगुप्त द्वितीय**
- इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख संबद्ध है — **समुद्रगुप्त से**
- प्रयाग प्रशस्ति जानकारी देती है — **कुमारगुप्त के सैन्य अभियान के बारे में**
- समुद्रगुप्त के प्रयाग प्रशस्ति वाले स्तंभ पर लेख मिलता है — **जहांगीर का**
- 'पृथिव्या प्रथम वीर' उपाधि थी — **समुद्रगुप्त की**
- हूणों के आक्रमण से अत्यंत विचलित हुआ —**गुप्त राजवंश**
- हूणों ने भारत पर आक्रमण किया था — **स्कंदगुप्त के शासनकाल में**
- गुप्त शासक जिसने हूणों पर विजय प्राप्त की — **स्कंदगुप्त**
- वह अभिलेख जिससे ज्ञात होता है कि स्कंदगुप्त ने हूणों को पराजित किया था — **भितरी स्तंभ-लेख**
- गुप्त साम्राज्य के पतन के विभिन्न कारण थे, जो हैं — **हूण आक्रमण, प्रशासन का सामंतीय ढांचा, उत्तरवर्ती गुप्तों का बौद्ध धर्म स्वीकार करना, अयोग्य उत्तराधिकारी**
- 'शक-विजेता' के रूप में जाना जाता है — **चंद्रगुप्त द्वितीय को**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ चंद्रगुप्त द्वितीय ने पराजित किया था — **रुद्र सिंह तृतीय को**

✸ रजत सिक्के जारी करने वाला प्रथम गुप्त शासक — **चंद्रगुप्त द्वितीय**

✸ गुप्तकाल में उत्तर भारतीय व्यापार जिस एक पत्तन से संचालित होता था, वह है — **ताम्रलिप्ति**

✸ भारत ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ अपने आरंभिक सांस्कृतिक संपर्क तथा व्यापारिक संबंध बंगाल की खाड़ी के पार बना रखे थे, क्योंकि — **बंगाल की खाड़ी में चलने वाली मानसूनी हवाओं ने समुद्री यात्राओं को सुगम बना दिया था**

✸ प्राचीन भारत में देश की अर्थव्यवस्था में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली 'श्रेणी' संगठन के संदर्भ में सत्य कथन है — **'श्रेणी' ही वेतन, काम करने के नियमों, मानकों और कीमतों को सुनिश्चित करती थीं। 'श्रेणी' का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार होता था।**

✸ गुप्तकाल में गुजरात, बंगाल, दक्कन एवं तमिल राष्ट्र में स्थित केंद्र संबंधित थे — **वस्त्र उत्पादन से**

✸ गुप्तकाल में अपनी आयुर्विज्ञान विषयक रचना के लिए जाना जाता है — **सुश्रुत**

✸ धनवंतरि, भास्कराचार्य, चरक तथा सुश्रुत में से प्राचीन भारत के आयुर्वेद शास्त्र से संबंध नहीं है — **भास्कराचार्य का**

✸ प्राचीन कालीन भारत में हुई वैज्ञानिक प्रगति के संदर्भ में सत्य कथन है — **प्रथम शती ईस्वी में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट शल्य औजारों का उपयोग आम था।,पांचवीं शती ईस्वी में कोण के ज्या का सिद्धांत ज्ञात था। सातवीं शती ईस्वी में चक्रीय चतुर्भुज का सिद्धांत ज्ञात था।**

✸ चंद्रगुप्त के नौ रत्नों में से फलित-ज्योतिष से संबंधित था — **क्षपणक**

✸ कालिदास जिसके शासनकाल में थे, वह शासक है — **चंद्रगुप्त II**

✸ गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्रा है — **दीनार**

✸ गुप्तकालीन रजत मुद्राओं को नाम दिया गया था — **रूपक**

✸ वह गुप्त शासक जिसने सर्वप्रथम सिक्के जारी किए — **चंद्रगुप्त प्रथम**

✸ गुप्तकाल में लिखित संस्कृत नाटकों में स्त्री और शूद्र बोलते थे — **प्राकृत**

✸ सती प्रथा का प्रथम अभिलेखिक साक्ष्य प्राप्त हुआ है — **एरण से**

✸ गुप्त संवत की स्थापना की — **चंद्रगुप्त I ने**

✸ सुमेलित हैं–

सम्राट		बिरुद
अशोक	–	प्रियदर्सिन
समुद्रगुप्त	–	परक्रमांक
चंद्रगुप्त-II	–	विक्रमादित्य
स्कंदगुप्त	–	क्रमादित्य

✸ नगरों का क्रमिक पतन एक महत्वपूर्ण विशेषता थी — **गुप्तकाल की**

✸ मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था — **गुप्त वंश ने**

✸ प्राचीन भारत में वह वंश, जिसका शासनकाल 'स्वर्ण युग' कहा जाता है — **गुप्त**

✸ गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर थी — **उपज का छठां भाग**

✸ हिंदू विधि द्वारा मान्य कर था — **उपज का छठां भाग**

✸ गुप्त साम्राज्य द्वारा कर-रहित कृषि भूमि प्रदान की जाती थी — **ब्राह्मणों को**

✸ प्राचीन भारत में सिंचाई कर को कहते थे — **बिदकभागम**

✸ तीसरी शताब्दी में वारंगल प्रसिद्ध था — **लोहे के यंत्रों/उपकरणों हेतु**

✸ तोरमाण था — **हूण जातीय दल का**

✸ हूण शासक मिहिरकुल को पराजित किया था — **बालादित्य एवं यशोधर्मन ने**

✸ विशाखदत्त के प्राचीन भारतीय नाटक मुद्राराक्षस की विषय वस्तु है — **चंद्रगुप्त मौर्य के समय में राजदरबार की दुरभिसंधियों के बारे में**

✸ सत्य कथन है — **गुप्त सम्राट स्वयं के लिए दैवीय अधिकारों का दावा करते थे। उनका प्रशासन विकेंद्रीकृत था। उन्होंने भूमिदान की परंपरा को विस्तारित किया।**

✸ शतरंज का खेल उद्भूत (originate) हुआ था — **भारत में**

✸ शूद्रक द्वारा लिखी हुई प्राचीन भारतीय पुस्तक 'मृच्छकटिकम्' का विषय था — **एक धनी व्यापारी और एक गणिका की पुत्री की प्रेम-गाथा**

✸ प्राचीन सांख्य दर्शन में महत्वपूर्ण योगदान है — **कपिल का**

✸ भारत में दार्शनिक विचार के इतिहास के संबंध में, सांख्य संप्रदाय से संबंधित सत्य कथन है — **सांख्य की मान्यता है कि आत्म-ज्ञान ही मोक्ष की ओर ले जाता है, न कि कोई बाह्य प्रभाव अथवा कारक।**

✸ योग दर्शन के प्रतिपादक हैं — **पतंजलि**

✸ अनुस्मृति, प्रत्याहार, ध्यान तथा धारणा में से वह, जो 'आष्टांग योग' का अंश नहीं है — **अनुस्मृति**

✸ महाभाष्य के लेखक 'पतंजलि' समसामयिक थे — **पुष्यमित्र शुंग के**

✸ नव्य-न्याय संप्रदाय (स्कूल) के संस्थापक थे — **गंगेश**

✸ 'जब तक जीवित रहो, सुख से जीवित रहो, चाहे इसके लिए ऋण ही लेना पड़े, क्योंकि शरीर के भस्मीभूत हो जाने पर पुनरागमन नहीं हो सकता।' पुनर्जन्म का निषेध करने वाली यह उक्ति है — **चार्वाकों की**

✸ वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक थे — **कणाद**

✸ न्याय दर्शन के प्रवर्तक थे — **गौतम**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ मीमांसा के प्रणेता थे — जैमिनी

✸ कर्म का सिद्धांत संबंधित है — मीमांसा से

✸ सांख्य, वैशेषिक, मीमांसा, न्याय तथा योग में से वह दर्शन जिसका मत है कि वेद शाश्वत सत्य हैं — मीमांसा

✸ मीमांसा और वेदांत, न्याय और वैशेषिक, लोकायत और कापालिक तथा सांख्य और योग युग्मों में से वह एक जो भारतीय षड्दर्शन का भाग नहीं है — लोकायत और कापालिक

✸ अद्वैत दर्शन के संस्थापक हैं — शंकराचार्य

✸ ज्ञान, कर्म, भक्ति तथा योग में से अद्वैत वेदांत के अनुसार, मुक्ति प्राप्त की जा सकती है — ज्ञान द्वारा

✸ शंकराचार्य, अभिनव गुप्त, रामानुज तथा माधव में से 'वेदांत दर्शन' के साथ संबंध नहीं है — अभिनव गुप्त का

✸ सुमेलित हैं–

संवत्सर		गणना अवधि
विक्रम संवत्सर	–	58 ई.पू.
शक संवत्सर	–	78 ईस्वी
गुप्त संवत्सर	–	320 ईस्वी
कलि संवत्सर	–	3102 ई.पू.

✸ सत्य कथन है

— विक्रम संवत् 58 ई.पू. से आरंभ हुआ
शक संवत् सन 78 ई.से आरंभ हुआ
गुप्तकाल सन 319 से आरंभ हुआ
भारत में मुसलमान शासन का युग सन् 1192 से शुरू हुआ

✸ पुलकेशिन-II का बादामी शिलालेख शक वर्ष 465 का दिनांकित है। यदि इसे विक्रम संवत में दिनांकित करना हो तो वर्ष होगा — 601अथवा 600

✸ एक चालुक्य अभिलेख के तिथि अंकन में शक संवत् का वर्ष 556 दिया हुआ है। इसका तुल्य वर्ष है — 634 ई.

✸ पुराणों के अनुसार, चंद्रवंशीय शासकों का मूल स्थान था—प्रतिष्ठानपुर

✸ मौखरि शासकों की राजधानी थी — कन्नौज

✸ हरिषेण, कल्हण एवं कालिदास में से वह जिसकी पुस्तकों में हर्ष के समय की सूचनाएं निहित हैं — कल्हण

✸ 'हर्षचरित' नामक पुस्तक लिखी — बाणभट्ट ने

✸ हर्ष के साम्राज्य की राजधानी थी — कन्नौज

✸ सम्राट हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से स्थानांतरित की थी — कन्नौज में

✸ सम्राट हर्षवर्धन ने दो महान धार्मिक सम्मेलनों का आयोजन किया था — कन्नौज तथा प्रयाग में

✸ उत्तर प्रदेश में स्थित वह स्थल जहां हर्षवर्धन ने बौद्ध महासम्मेलन का आयोजन किया था — प्रयाग

✸ नर्मदा नदी पर सम्राट हर्ष के दक्षिणवर्ती अग्रगमन को रोका — पुलकेशिन II ने

✸ हर्षवर्धन को पराजित किया था — पुलकेशिन द्वितीय ने

✸ कवि बाण, निवासी था — प्रीथिकूटा (औरंगाबाद) का

✸ ह्वेनसांग भारत आया था — सम्राट हर्ष के शासनकाल में

✸ भारत की यात्रा करने वाले चीनी यात्री युआन च्वांग (ह्वेनसांग) ने तत्कालीन भारत की सामान्य दशाओं और संस्कृति का वर्णन किया है। इस संदर्भ में, सही कथन है

— जहां तक अपराधों के लिए दंड का प्रश्न है, अग्नि, जल व विष द्वारा सत्यपरीक्षा किया जाना ही किसी भी व्यक्ति की निर्दोषिता अथवा दोष के निर्णय के साधन थे।
व्यापारियों को नौघाटों और नौकों पर शुल्क देना पड़ता था।

✸ ह्वेनसांग की भारत यात्रा के समय सूती कपड़ों के उत्पादन के लिए सबसे प्रसिद्ध नगर था — मथुरा

✸ 'कौशेय' शब्द का प्रयोग किया गया है — रेशम के लिए

✸ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अध्ययन किया था — नालंदा विश्वविद्यालय में

✸ आज भी भारत में ह्वेनसांग को याद करने का मुख्य कारण है — सी-यू-की की रचना

✸ चीनी यात्री जिसने भीनमाल की यात्रा की थी — ह्वेनसांग

✸ चीनी यात्री इत्सिंग ने बिहार का भ्रमण किया, लगभग — 671 अथवा 672 ई. में

✸ चीनी लेखक भारत का उल्लेख करते हैं — विन-तु नाम से

✸ नालंदा विश्वविद्यालय के विनाश का कारण था — मुस्लिम आक्रमण

✸ भारत में सबसे प्राचीन विहार है —नालंदा

✸ नालंदा स्थित है — बिहार में

✸ गुप्तोत्तर युग में प्रमुख व्यापारिक केंद्र था — कन्नौज

✸ **कथन (A)** : सामंतवाद का विकास गुप्तोत्तर काल की कृषक-संरचना की प्रमुख विशेषता थी।
कारण (R) : इस काल में भू-स्वामी मध्यस्थ वर्ग एवं आश्रित कृषक वर्ग अस्तित्व में आया।
— (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ भारतीय इतिहास के संदर्भ में, सामंती व्यवस्था के अनिवार्य तत्व हैं
— भूमि के नियंत्रण तथा स्वामित्व पर आधारित प्रशासनिक संरचना का उदय, सामंत तथा उसके अधिपति के बीच स्वामी-दास संबंध का बनना

✸ सत्य कथन है
— चीनी तीर्थयात्री फाह्यान चंद्रगुप्त द्वितीय का समकालीन था, चीनी तीर्थयात्री ह्वेनसांग, हर्ष से मिला और उसे बौद्ध धर्म का उपासक बताया।

✸ आठवीं शताब्दी के संत शंकराचार्य के बारे में सही कथन है–
— उन्होंने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में चार धाम स्थापित किए। उन्होंने वेदांत का प्रसार किया। उन्होंने बौद्ध तथा जैन धर्मों के विस्तार पर रोक लगाई।

✸ आदिशंकर जो बाद में शंकराचार्य बने, उनका जन्म हुआ था
— केरल में

✸ आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठ स्थित हैं
— जोशीमठ, द्वारका, पुरी, शृंगेरी में

✸ सुमेलित हैं–

रविकीर्ति	–	पुलकेशिन II
भवभूति	–	कन्नौज के यशोवर्मन
हरिषेण	–	समुद्रगुप्त
दंडी	–	नरसिंह वर्मन

✸ सुमेलित हैं–

दरबारी कवि		**राजा**
अमीर खुसरो	–	अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	–	चंद्रगुप्त II
हरिषेण	–	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	–	हर्षवर्धन

✸ सुमेलित हैं–

भोज	-	धार
दुर्गावती	-	गोंडवाना
समुद्रगुप्त (प्रांतीय शासक)	-	विदिशा
अशोक (प्रांतीय शासक)	-	उज्जैन

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला

✸ खजुराहो का कंदरिया महादेव मंदिर बनवाया **— चंदेल ने**

✸ खजुराहो के मंदिर संबंधित हैं **— हिंदू धर्म और जैन धर्म से**

✸ खजुराहो स्थित मंदिरों का निर्माण करवाया था
— चंदेलवंश के राजाओं ने

✸ खजुराहो का मातंगेश्वर मंदिर समर्पित है **— शिव को**

✸ कंदरिया महादेव, चौसठ योगिनी, दशावतार तथा चित्रगुप्त में से वह मंदिर जो खजुराहो में नहीं है **— दशावतार**

✸ खजुराहो के मंदिर, भीमबेटका की गुफाएं, सांची के स्तूप तथा मांडू का महल में से वह जो विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट) नहीं है
— मांडू का महल

✸ भितरगांव मंदिर, ग्वालियर का तेली मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर तथा ओसिया मंदिर में से वह, जिसका शिखर द्रविड़ शैली में बना हुआ है
— ग्वालियर का तेली मंदिर

✸ एक सौ से अधिक बौद्ध गुफाएं हैं **— कन्हेरी केंद्र में**

✸ आबू का जैन मंदिर बना है **— संगमरमर से**

✸ भावनगर, माउंट आबू , नासिक तथा उज्जैन नगरों में से वह जिसके निकट पालिताणा मंदिर अवस्थित है **— भावनगर**

✸ एलीफेंटा की गुफाएं मुख्यतः इस धर्म के मतावलंबियों के उपयोग के लिए काटकर बनाई गई थी **— शैव धर्म एवं बौद्ध**

✸ एलीफेंटा के प्रसिद्ध शैल को काटकर बनाए गए मंदिरों का श्रेय दिया जाता है **— राष्ट्रकूटों को**

✸ अजंता, भाजा, एलिफेंटा तथा एलोरा में से 'त्रिमूर्ति' के लिए विख्यात है
— एलिफेंटा

✸ प्राचीन भारत में गुप्त काल से संबंधित गुफा चित्रांकन के केवल दो उदाहरण उपलब्ध हैं। इनमें से एक अजंता की गुफाओं में किया गया चित्रांकन है। गुप्त काल के चित्रांकन का दूसरा अवशिष्ट उपलब्ध है
— बाघ गुफाओं में

✸ एलोरा के गुहा-मंदिर संबंधित हैं **— हिंदू, बौद्ध, जैन से**

✸ एलोरा में गुफाएं और शैल-कृत मंदिर हैं
— हिंदुओं, बौद्धों और जैनों के

✸ बौद्ध, हिंदू एवं जैन शैलकृत गुहाएं एक साथ विद्यमान हैं
— एलोरा में

✸ पश्चिमी भारत में प्राचीनतम शैलकृत गुफाएं हैं
— नासिक, एलोरा और अजंता में

✸ एलीफेंटा, नालंदा, अजंता तथा खजुराहो में से बौद्ध गुफा मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है **— अजंता**

✸ एलोरा गुफाओं का निर्माण कराया था **— राष्ट्रकूटों ने**

✸ शैलकृत स्थापत्य का आश्चर्य माना जाता है
— कैलाश मंदिर, एलोरा को

✸ एलोरा के कैलाश मंदिर का निर्माण किया था **— राष्ट्रकूट वंश ने**

✸ एलोरा के कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था **— कृष्णा I ने**

✸ राष्ट्रकूटों का संरक्षण प्राप्त था **— जैन धर्म को**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ अजंता एवं एलोरा की गुफाएं स्थित हैं — **औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में**

✸ सुमेलित हैं–

गुप्त मंदिर		स्थान
ईंट निर्मित मंदिर	–	भीतरगांव
दशावतार मंदिर	–	देवगढ़
शिव मंदिर	–	भूमरा
विष्णु मंदिर	–	एरण

✸ भारतीय शिलावास्तु के इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन है — **भीमबेटका की गुफाएं भारत की प्राचीनतम अवशिष्ट शैलकृत गुफाएं हैं। बराबर की शैलकृत गुफाएं सम्राट अशोक द्वारा मूलतः आजीविकों के लिए बनवाई गई थीं। एलोरा में, गुफाएं विभिन्न धर्मों के लिए बनाई गई थीं।**

✸ अजंता की कला को प्रश्रय (सहायता) दिया — **वाकाटक ने**

✸ अजंता की गुफाएं रामायण, महाभारत, जातक कथाएं तथा पंचतंत्र कहानियां में से संबंधित हैं — **जातक कथाओं से**

✸ भित्ति चित्र कला के लिए भी जाना जाता है — **अजंता की गुफा एवं लेपाक्षी मंदिर को**

✸ अजंता और महाबलीपुरम के रूप में ज्ञात दो ऐतिहासिक स्थानों में जो तथ्य समान हैं, वह है — **दोनों में शिलाकृत स्मारक हैं।**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
हम्पी	–	कर्नाटक
नागार्जुनकोंडा	–	आंध्र प्रदेश
शिशुपालगढ़	–	ओडिशा
अरिकामेडु	–	पुडुचेरी

✸ कोणार्क का सूर्य मंदिर बनवाया था — **नरसिंह देव वर्मन ने**

✸ 'काला (Black) पैगोडा' के नाम से भी जाना जाता है — **कोणार्क के सूर्य मंदिर को**

✸ मोढेरा का सूर्य मंदिर स्थित है — **गुजरात में**

✸ लिंगराज मंदिर अवस्थित है — **भुवनेश्वर में**

✸ उड़ीसा में नष्ट होने से बचे मंदिरों में सर्वाधिक बड़ा और सबसे ऊंचा मंदिर है — **लिंगराज मंदिर**

✸ जगन्नाथ मंदिर स्थित है — **उड़ीसा में**

✸ भुवनेश्वर तथा पुरी के मंदिर निर्मित हैं — **नागर शैली में**

✸ विष्णु को समर्पित अंकोरवाट मंदिर स्थित है — **कंबोडिया में**

✸ बोरोबदूर स्तूप स्थित है — **जावा में**

✸ अंकोरवाट मंदिर समूह का निर्माण 12वीं शताब्दी में करवाया था — **सूर्यवर्मन II ने**

✸ द्रविड़ शैली के मंदिरों में 'गोपुरम' से तात्पर्य है — **तोरण के ऊपर बने अलंकृत एवं बहुमंजिला भवन से**

✸ चट्टानों को काटकर महाबलीपुरम अथवा मामल्लपुरम का मंदिर बनवाया गया — **पल्लव द्वारा**

✸ महाबलिपुरम का सप्तरथ मंदिर बनवाया गया था — **नरसिंह वर्मन I द्वारा**

✸ महाबलीपुरम के रथ मंदिरों का निर्माण करवाया था — **नरसिंह वर्मन I ने**

✸ द्रौपदी रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ तथा धर्मराज रथ में से वह, रथ मंदिर जो सबसे छोटा है — **द्रौपदी रथ**

✸ सुमेलित हैं–

स्थान		स्मारक
एलीफेंटा	–	गुफा
श्रवणबेलगोला	–	मूर्ति
खजुराहो	–	मंदिर
सांची	–	स्तूप

✸ सुमेलन हैं–

ऐतिहासिक स्थल		राज्य
भीमबेटका	–	मध्य प्रदेश
शोर टेम्पल	–	तमिलनाडु
हम्पी	–	कर्नाटक
मानस	–	असम

✸ सुमेलित हैं–

एलोरा की गुफाएं	–	राष्ट्रकूट
मीनाक्षी मंदिर	–	पाण्ड्य
खजुराहो मंदिर	–	चंदेल
महाबलीपुरम के मंदिर	–	पल्लव

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
बैजनाथ धाम	–	शिव मंदिर
सारनाथ	–	बुद्ध का शांति का प्रथम प्रवचन स्थल
दिलवाड़ा	–	जैन मंदिर
बद्रीनाथ	–	विष्णु मंदिर

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ सुमेलित हैं–

सूर्य मंदिर	–	कोणार्क
लिंगराज मंदिर	–	भुवनेश्वर
हवामहल	–	जयपुर
गोमतेश्वर की प्रतिमा	–	कर्नाटक

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
नालंदा	–	विश्वविद्यालय
सारनाथ	–	अशोक स्तंभ
सांची	–	स्तूप
कोणार्क	–	सूर्य मंदिर

✸ प्राचीन नगर तक्षशिला स्थित था
– सिंधु तथा झेलम नदियों के बीच

✸ सोनगिरी, जहां 108 जैन मंदिर बने हुए हैं, स्थित है
– दतिया के सन्निकट

✸ सोनगिरी का ऐतिहासिक दिगंबर जैन तीर्थस्थल स्थित है
– मध्य प्रदेश में

✸ दिलवाड़ा जैन मंदिर है **– माउंट आबू में अरावली पर्वत पर**

✸ प्रसिद्ध विरूपाक्ष मंदिर अवस्थित है **– हम्पी में**

✸ नागर, द्रविड़ और बेसर हैं**–भारतीय मंदिर वास्तु की तीन मुख्य शैलियां**

✸ भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में 'पंचायतन' शब्द निर्दिष्ट करता है **– मंदिर रचना-शैली**

✸ प्रसिद्ध नैमिषारण्य स्थित है **– सीतापुर में**

✸ सुमेलित हैं–

विख्यात मूर्तिशिल्प		स्थल
बुद्ध के महापरिनिर्वाण की एक भव्य प्रतिमा जिसमें ऊपर की ओर अनेकों दैवी संगीतज्ञ तथा नीचे की ओर उनके दुखी अनुयायी दर्शाए गए हैं	:	अजंता
प्रस्तर पर उत्कीर्ण विष्णु के वराह अवतार की विशाल प्रतिमा जिसमें वह देवी पृथ्वी को गहरे विक्षुब्ध सागर से उबारते दर्शाए गए हैं	:	उदयगिरि गुफा
विशाल गोलाश्मों पर उत्कीर्ण ''अर्जुन की तपस्या''/''गंगा-अवतरण''	:	मामल्लपुरम

✸ भारत के कला और पुरातात्त्विक इतिहास के संदर्भ में, भुवनेश्वर स्थित लिंगराज मंदिर, धौली स्थित शैलकृत हाथी, महाबलीपुरम स्थित शैलकृत स्मारक तथा उदयगिरि स्थित वराह मूर्ति में से वह जिसका सबसे पहले निर्माण किया गया था **– धौली स्थित शैलकृत हाथी**

दक्षिण भारत (चोल,चालुक्य, पल्लव एवं संगम युग)

✸ नवीं शताब्दी ई. में चोल साम्राज्य की नींव डाली गई
–विजयालय द्वारा

✸ वह मंदिर परिसर जिसमें एक भारी-भरकम नंदी की मूर्ति है, जिसे भारत की विशालतम नंदी मूर्ति माना जाता है **– वृहदीश्वर मंदिर**

✸ तंजौर का वृहदीश्वर मंदिर जिस चोल शासक के काल में निर्मित हुआ था, वह था **– राजराज प्रथम के**

✸ चोलों का राज्य फैला था
– कोरोमंडल तट, दक्कन के कुछ भाग तक

✸ कावेरीपत्तन, महाबलीपुरम, कांची और तंजौर में से चोलों की राजधानी थी **– तंजौर**

✸ चोल प्रशासन की विशेषता थी **– ग्राम प्रशासन की स्वायत्तता**

✸ वह दक्षिण भारतीय राज्य जिसमें उत्तम ग्राम प्रशासन था **– चोल**

✸ चोलों के अधीन ग्राम प्रशासन के बहुत से ब्यौरे जिन शिलालेखों में हैं, वे हैं **– उत्तर मेरूर में**

✸ चोल शासकों के शासनकाल में उद्यान प्रशासन का कार्य देखता था
– टोट्ट वारियम्

✸ सही कथन है
– चोलों ने पाण्ड्य तथा चेर शासकों को पराजित कर प्रायद्वीपीय भारत पर प्रारंभिक मध्यकालीन समय में अपना प्रभुत्व स्थापित किया। चोलों ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के शैलेंद्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य चढ़ाई की तथा कुछ क्षेत्रों को जीता।

✸ चोल काल में निर्मित नटराज की कांस्य प्रतिमाओं में देवाकृति प्रायः
– चतुर्भुज है

✸ दक्षिण भारत के विशेषकर चोल युग के स्थापत्यों की विश्व में श्रेष्ठतम प्रतिमा-रचना माना जाता है **– नटराज को**

✸ चोल शासकों के समय में बनी हुई प्रतिमाओं में सबसे अधिक विख्यात हुईं **–नटराज शिव की कांसे की प्रतिमाएं**

✸ शिव की 'दक्षिणामूर्ति' प्रतिमा उन्हें प्रदर्शित करती हैं
– शिक्षक के रूप में

✸ 72 व्यापारी, चीन में भेजे गए थे **– कुलोत्तुंग-I के कार्यकाल में**

✸ चोल, चेर, पल्लव एवं राष्ट्रकूट में से दक्षिण भारत का वह राजवंश जो अपनी नौसैनिक शक्ति के लिए प्रसिद्ध था **– चोल**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ चालुक्य चोल, कदंब तथा कलचुरि राजवंशों में से वह जिसके शासक अपने शासनकाल में ही अपना उत्तराधिकारी घोषित कर देते थे — **चोल**

✸ चोल शासकों में जिसने बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' का स्वरूप प्रदान कर दिया, वह था — **राजेंद्र प्रथम**

✸ 'गंगैकोंडचोलपुरम' की स्थापना की थी — **राजेंद्र प्रथम ने**

✸ वह चोल शासक जिसे चोल गंगम नामक वृहद् कृत्रिम झील बनवाने का श्रेय दिया जाता है — **राजेंद्र प्रथम**

✸ वह चोल राजा जिसने जल सेना प्रारंभ की थी — **राजराज प्रथम**

✸ चोल शासक जिसने श्रीलंका के उत्तरी भाग पर विजय प्राप्त की। — **राजराज प्रथम**

✸ चोल राजाओं में वह जिसने सीलोन (Ceylon) पर पूर्ण विजय प्राप्त की थी — **राजेंद्र I**

✸ वह चोल राजा जिसने श्रीलंका को पूर्ण स्वतंत्रता दी और सिंहल राजकुमार के साथ अपनी पुत्री का विवाह कर दिया था — **कुलोतुंग I**

✸ सुमेलित हैं–

शब्द		विवरण
एरिपत्ति	–	भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिए निर्धारित कर दिया जाता था।
तनियूर	–	स्थानीय प्रशासन में बड़े नगरों में अलग कुर्रम गठित करना।
घटिका	–	प्रायः मंदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय

✸ प्राचीन भारत का वह महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र जो उस व्यापार मार्ग पर था, जो कल्याण को वेंगी से जोड़ता था — **तगर**

✸ चालुक्य वंश का सबसे महान शासक था — **पुलकेशिन द्वितीय**

✸ चोल, चालुक्य, पाल तथा सेन में से वह वंश जिसके द्वारा प्रायः महिलाओं को प्रशासन में उच्च पद प्रदान किए जाते थे — **चालुक्य**

✸ चालुक्यों की राजधानी थी — **वातापी में**

✸ संस्कृत के कवि और नाटककार कालिदास का उल्लेख हुआ है — **पुलकेशिन II के ऐहोल अभिलेख में**

✸ प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में प्राप्य 'यवनप्रिय' शब्द द्योतक था — **काली मिर्च का**

✸ संगम साहित्य में 'तोलकाप्पियम' एक ग्रंथ हैं — **तमिल व्याकरण का**

✸ शिलप्पादिकारम का लेखक था — **इलंगो आडिगल**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
तिरुक्कुरल	–	दर्शन
तोल्काप्पियम	–	व्याकरण
शिल्पादिकारम	–	प्रेम कथा
मणिमेकलै	–	वणिक कथा

✸ ईसा की प्रारंभिक शताब्दियों में भारत तथा रोम के बीच घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों की सूचना प्राप्त होती है — **अरिकामेडु पुरास्थल की खुदाइयों से**

✸ अरिकामेडु, ताम्रलिप्ति, कोरके तथा बारबेरिकम में से वह बंदरगाह, जो पोडुके नाम से 'दी पेरिप्लस ऑफ दी इरिथ्रियन सी' के लेखक को ज्ञात था — **अरिकामेडु**

✸ रोमन बस्ती प्राप्त हुई है — **अरिकामेडु से**

✸ एम्फोरा जार होता है एक — **लंबा एवं दोनों तरफ हत्थेदार जार**

✸ कदंब, चेर, चोल तथा पाण्ड्य राजवंशों में वह जिनका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ है — **कदंब**

✸ चेर, चोल, पल्लव तथा पाण्ड्य में से वह जो तमिल देश के संगम युग का राजवंश नहीं था — **पल्लव**

✸ धार्मिक कविताओं का संकलन 'कुरल' है — **तमिल भाषा में**

✸ तमिल ग्रंथ जिसे 'लघुवेद' की संज्ञा दी गई है — **कुरल**

✸ तमिल रामायणम या रामावतारम का लेखक था — **कंबन**

✸ मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में सत्य कथन है — **तमिल क्षेत्र के सिद्ध (सित्तर) एकेश्वरवादी थे तथा मूर्तिपूजा की निंदा करते थे, कन्नड़ क्षेत्र के लिंगायत पुनर्जन्म के सिद्धांत पर प्रश्न चिह्न लगाते थे तथा जाति अधिक्रम को अस्वीकार करते थे।**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
गुप्त	–	देवगढ़
चंदेल	–	खजुराहो
चालुक्य	–	बादामी
पल्लव	–	पनमलै

✸ चतुर्वेदीमंगलम, परिषद, अष्टदिग्गज तथा मणिग्रामम् में से वह जो प्राचीन भारत में व्यापारियों का निगम था — **मणिग्रामम्**

✸ दक्षिणी भारत का प्रसिद्ध 'तक्कोलम का युद्ध' हुआ था — **चोल एवं राष्ट्रकूटों के मध्य**

✸ चोल साम्राज्य को अंततः समाप्त किया — **मलिक काफूर ने**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ संगम युग में 'उरैयूर' विख्यात था — **सूती वस्त्र के केंद्र के रूप में**

✸ पाण्ड्य राज्य की जीवन रेखा थी — **वैगी नदी**

✸ संगम पत्तन जो पश्चिमी तट पर स्थित थे
— **नौरा, तोंडी, मुशिरि एवं नेलसेंडा**

✸ संगम कालीन साहित्य में कोन, को एवं मन्नन प्रयुक्त होते थे
— **राजा के लिए**

✸ तृतीय संगम हुआ था — **मदुरई में**

✸ प्रथम एवं द्वितीय संगम का आयोजन क्रमशः हुआ था
— **मदुरई एवं कपाटपुरम (अलैवाई) में**

✸ वह ऋषि जिसके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने दक्षिण भारत का आर्यकरण किया, उन्हें आर्य बनाया — **अगस्त्य**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
चालुक्य	–	बादामी
पल्लव	–	कांचीपुरम
हर्ष	–	कन्नौज
पाण्ड्य	–	मदुरई

✸ वह चीनी यात्री जिसने चालुक्यों के शासनकाल में चीन एवं भारत के संबंधों का विवरण दिया है — **मात्वालिन**

✸ चालुक्य, राजपूत, गुप्त एवं मौर्य में से वह राजवंश जिसने उत्तर भारत पर शासन नहीं किया है — **चालुक्य**

✸ कदंब राजाओं की राजधानी थी — **वनवासी**

✸ दक्षिण भारत का वह वंश जिसके राजा ने रोम राज्य में एक दूत 26 ई.पू. में भेजा था — **पाण्ड्य**

✸ मीनाक्षी मंदिर स्थित है — **मदुरई में**

✸ सुमेलित हैं–

मीनाक्षी मंदिर	–	मदुरई
वेंकटेश्वर मंदिर	–	तिरूमाल
महाकाल मंदिर	–	उज्जैन
बेलूर मठ	–	हावड़ा

प्राचीन साहित्य एवं साहित्यकार

✸ 'इतिहास के पिता' की पदवी सही अर्थों में संबंधित है
— **हेरोडोटस से**

✸ मुद्राराक्षस का लेखक है — **विशाखदत्त**

✸ साहित्य की शास्त्रीय पुस्तकें, जो गुप्त काल में लिखी गई थीं
— **अमरकोश, कामसूत्र, मेघदूत एवं मुद्राराक्षस**

✸ दशकुमारचरितम के रचनाकार थे — **दंडिन**

✸ 'कुमारसंभव' महाकाव्य लिखा — **कालिदास ने**

✸ मालविकाग्निमित्र, अभिज्ञानशाकुंतलम, कुमारसंभवम तथा जानकीहरणं में से वह नाटक जो कालिदास ने नहीं लिखा था — **जानकीहरणं**

✸ सुमेलित हैं–

लेखक		पुस्तक
पाणिनि	–	अष्टाध्यायी
वात्स्यायन	–	कामसूत्र
चाणक्य	–	अर्थशास्त्र
कल्हण	–	राजतरंगिणी

✸ कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिनी संबंधित है
— **कश्मीर के इतिहास से**

✸ 'अष्टाध्यायी' लिखी गई है — **पाणिनि द्वारा**

✸ सुमेलित हैं–

लेखक		रचनाएं
भारवि	-	किरातार्जुनीयम,
हर्ष	-	नागानंद
कालिदास	-	मालविकाग्निमित्रम्
राजशेखर	-	कर्पूरमंजरी

✸ संस्कृत की रचनाए, जिन्होंने महाभारत से अपना कथासूत्र लिया है
— **नैषधीयचरित, किरातार्जुनीयम् एवं शिशुपाल वध**

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
विशाखदत्त	–	नाटक
वाराहमिहिर	–	खगोल विज्ञान
चरक	–	चिकित्सा
ब्रह्मगुप्त	–	गणित

✸ 'चरक संहिता' नामक पुस्तक संबंधित है — **चिकित्सा से**

✸ वराहमिहिर की पंचसिद्धान्तिका आधारित है— **यूनानी ज्योतिर्विद्या पर**

✸ सुमेलित हैं–

कालिदास	-	रघुवंश
भास	-	स्वप्नवासवदत्तम
बाणभट्ट	-	कादंबरी
हर्ष	-	रत्नावली

✸ 'मिलिंदपन्हो' — **पाली ग्रंथ है**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ बौद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपन्हो' जिस हिन्द-यवन शासक पर प्रकाश डालता है, वह है — **मिनेंडर**

✸ 'मिलिंदपन्हो' राजा मिलिंद तथा एक बौद्ध भिक्षु के मध्य संवाद रूप में है। वह भिक्षु थे — **नागसेन**

✸ वह स्रोत जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है— **मिलिंदपन्हो**

✸ सुमेलित हैं—

दरबारी कवि		राजा
अमीर खुसरो	–	अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	–	चंद्रगुप्त द्वितीय
हरिषेण	–	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	–	हर्षवर्द्धन

✸ 'राजतरंगिणी' के लेखक कल्हण के समय शासक था — **जयसिंह**

✸ कल्हण कृत राजतरंगिणी में कुल तरंग हैं — **आठ**

✸ कल्हण की राजतरंगिणी को आगे बढ़ाया — **जोनराज एवं श्रीवर ने**

✸ 'सौंदरानंद' रचना है — **अश्वघोष की**

✸ 'नागानंद', 'रत्नावली' एवं 'प्रियदर्शिका' के लेखक थे — **हर्षवर्धन**

✸ अमरकोश, सिद्धांतशिरोमणि, वृहत्संहिता तथा अष्टांगहृदय में से वह जो विश्वकोषीय ग्रंथ है — **वृहत्संहिता**

✸ सुमेलित हैं—

मृच्छकटिकम	–	शूद्रक
बुद्धचरित	–	अश्वघोष
मुद्राराक्षस	–	विशाखदत्त
हर्षचरित	–	बाणभट्ट

✸ सुमेलित हैं—

ग्रंथकार		मूलग्रंथ
वाराहमिहिर	–	वृहत्संहिता
विशाखदत्त	–	देवीचंद्रगुप्तम
शूद्रक	–	मृच्छकटिकम
बिल्हण	–	विक्रमांकदेवचरित

✸ सुमेलित हैं—

कर्पूरमंजरी	–	राजशेखर
मालविकाग्निमित्र	–	कालिदास
मुद्राराक्षस	–	विशाखदत्त
सौंदरानंद	–	अश्वघोष

✸ 'शाकुंतलम' लिखा है — **कालिदास ने**

✸ मच्छकटिकम, मेघदूतम, ऋतुसंहार एवं विक्रमोर्वशीयम में से कालिदास की साहित्यिक कृति नहीं है — **मृच्छकटिकम**

✸ कालिदास द्वारा रचित 'मालविकाग्निमित्र' नाटक का नायक था — **अग्निमित्र**

✸ वह पुस्तक जिसमें शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है — **मालविकाग्निमित्र**

✸ 'स्वप्नवासवदत्ता' के लेखक हैं — **भास**

✸ गीत गोविंद के रचविता जयदेव अलंकृत करते थे — **लक्ष्मणसेन की सभा को**

✸ सुमेलित हैं—

रचनाएं		विषय
अष्टांग-संग्रह	–	आयुर्विज्ञान
दशरूपक	–	नाट्यकला
लीलावती	–	गणित
महाभाष्य	–	व्याकरण

✸ 'तुम्हारा अधिकार कर्म पर है, फल की प्राप्ति पर नहीं', यह वाक्य जिस ग्रंथ का है, वह है — **गीता**

✸ 'जो यहां है वह अन्यत्र भी है, जो यहां नहीं है वह कहीं नहीं है' यह कहा गया है — **महाभारत में**

✸ प्राचीन भारत का वह ग्रंथ जिसका 15 भारतीय एवं चालीस विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ — **पंचतंत्र**

✸ पंचतंत्र' मूल रूप से लिखी गई — **विष्णु शर्मा द्वारा**

✸ सुमेलित हैं—

लेखक		ग्रंथ
सर्ववर्मा	–	कातंत्र
शूद्रक	–	मृच्छकटिकम
विज्ञानेश्वर	–	मिताक्षरा
कल्हण	–	राजतरंगिणी

✸ आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कर तथा लल्ल में से वह जो बीजगणित के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विशेष रूप से जाना जाता है — **भास्कर**

✸ गणित की पुस्तक 'लीलावती' के लेखक थे — **भास्कराचार्य**

✸ आर्यभट्ट थे — **भारतीय गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री**

✸ वह भारतीय गणितज्ञ जिसने दशमलव के स्थानिक मान की खोज की थी — **आर्यभट्ट ने**

✸ 'मत्त विलास प्रहसन' का लेखक था — **महेंद्र वर्मन**

✸ 'मनुस्मृति' मुख्यतया संबंधित है — **समाज-व्यवस्था से**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ भारत का प्रथम विधि-निर्माता माना जाता है — मनु को
✸ शून्य का आविष्कार किया था — किसी अज्ञात भारतीय ने
✸ सुमेलित हैं–

लाइफ ऑफ ह्वेन सिवांग	:	हुइ-ली
द नैचुरल हिस्ट्री	:	प्लिनी
हिस्टोरियल फिलिप्पिकल	:	पाम्पेइस ट्रोगस
द हिस्टरीज़	:	हेरोडोटस

✸ सितार, वीणा, सरोद तथा तबला में से सबसे प्राचीन वाद्य यंत्र है —वीणा

पूर्व मध्यकाल (800-1200 ई.)

✸ 'पृथ्वीराज चौहान' के नाम से प्रसिद्ध हैं — पृथ्वीराज तृतीय
✸ ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था — जावा-सुमात्रा से
✸ गोविंदचंद्र गहड़वाल की एक रानी कुमारदेवी ने धर्मचक्र-जिन विहार बनवाया था — सारनाथ में
✸ हम्मीर महाकाव्य में चौहानों को बताया गया है — सूर्यवंशी
✸ आल्हा-ऊदल संबंधित थे — महोबा से
✸ 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं — चंदबरदाई
✸ 'पृथ्वीराज विजय' के लेखक हैं — जयानक
✸ सुमेलित हैं–

सारंगदेव	-	हमीर रासो
चंदबरदाई	-	पृथ्वीराज रासो
जगनिक	-	आल्हाखंड
नरपति नाल्ह	-	बीसलदेव रासो

✸ राजपूत वंशों में से वह जिसने, आठवीं शताब्दी में, दिल्लिका (देहली) शहर की स्थापना की थी — तोमर वंश
✸ जेजाकभुक्ति प्राचीन नाम था — बुंदेलखंड का
✸ पुंड्रवर्धन भुक्ति अवस्थित थी — उत्तर बंगाल में
✸ पाल वंश का संस्थापक था — गोपाल
✸ सोमपुर महाविहार का निर्माण कराया था — धर्मपाल ने
✸ उस पाल शासक का नाम बताइए जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय स्थापित किया — धर्मपाल
✸ विक्रमशिला विश्वविद्यालय अवस्थित था — बिहार में
✸ राष्ट्रकूट साम्राज्य की नींव रखी — दंतिदुर्ग ने
✸ 'हिरण्य-गर्भ' धार्मिक कार्य कराया था — दंतिदुर्ग ने
✸ अपने पिता के अभियानों के क्रम में सैनिक छावनी में पैदा हुआ था — अमोघवर्ष राष्ट्रकूट
✸ महानतम प्रतिहार राजा था — मिहिरभोज
✸ महान जैन विद्वान हेमचंद्र, अलंकृत करते थे— कुमारपाल की सभा को
✸ धर्मपाल, देवपाल, विजयसेन तथा लक्ष्मणसेन में से वह जिसे एक नया संवत चलाने का यश प्राप्त है — लक्ष्मणसेन
✸ लक्ष्मण संवत् का प्रारंभ किया गया था — सेनों द्वारा
✸ मध्यकालीन भारत के प्रसिद्ध विधिवेत्ता थे — विज्ञानेश्वर, हिमाद्रि एवं जीमूतवाहन
✸ महान संस्कृत कवि एवं नाटककार राजशेखर संबंधित थे — महेन्द्रपाल प्रथम के दरबार से
✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
प्रतिहार	–	कन्नौज
चोल	–	तंजौर
परमार	–	धारा
सोलंकी	–	अन्हिलवाड़

✸ गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की थी — नागभट्ट प्रथम
✸ प्रतिहार, पाल, राष्ट्रकूट तथा चोल में से वह जो त्रिकोणात्मक संघर्ष का हिस्सा नहीं था — चोल
✸ महोदया पुराना नाम है — कन्नौज का
✸ 'नगर महोदय श्री' के नाम से जाना जाता था — कन्नौज को
✸ चामुंडराय, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल तथा महिपाल देव में से वह जिसने खंभात में तोड़ी गई मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की थी — जयसिंह सिद्धराज
✸ राजा भोज ने शासन किया — धार पर
✸ 'भोजशाला मंदिर' की अधिष्ठात्री देवी हैं — भगवती सरस्वती
✸ गौडवहो के रचयिता थे — वाक्पति
✸ सुमेलित हैं–

प्रसिद्ध स्थान		क्षेत्र
बोधगया	-	बिहार
खजुराहो	-	बुंदेलखंड
शिरडी	-	अहमदनगर, महाराष्ट्र
नासिक	-	महाराष्ट्र
तिरुपति	-	रायल सीमा (आंध्र प्रदेश)

✸ मध्यकालीन भारत के आर्थिक इतिहास के संदर्भ में शब्द 'अरघट्टा' (Araghatta) निरूपित करता है — भूमि की सिंचाई के लिए प्रयुक्त जलचक्र (वाटर व्हील) को

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

मध्यकालीन भारतीय इतिहास

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

- पैगंबर हजरत मोहम्मद का जन्म हुआ था — 570 ई. में
- मोहम्मद साहब की मृत्यु हुई थी — 632 ई. में
- मक्का है — सऊदी अरब में
- हिंद (भारत) की जनता के संदर्भ में 'हिंदू' शब्द का प्रथम बार प्रयोग किया था — अरबों ने
- भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण हुआ — 711 ई. में
- मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध की विजय हुई — 712 ई. में
- भारत में प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी था — मुहम्मद बिन कासिम
- भारत पर सर्वप्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी थे — अरब के
- गजनी राजवंश का संस्थापक था — अल्पतगीन
- चंदेल शासक महमूद गजनवी से पराजित नहीं हुआ था — विद्याधर
- **कथन (A) :** महमूद गजनी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किए।
  कारण (R) : वह भारत में स्थायी मुस्लिम शासन की स्थापना करना चाहता था। — (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- महमूद गजनवी का दरबारी इतिहासकार था — उत्बी
- शाहनामा का लेखक, फिरदौसी संबंधित था — महमूद गज़नवी के दरबार से
- महमूद गजनी के साथ भारत आने वाला प्रसिद्ध इतिहासकार एवं मुस्लिम विद्वान था — अलबरूनी
- अलबरूनी भारत में आया था — ग्यारहवीं शताब्दी ई. में
- अलबरूनी के संबंध में सत्य कथन हैं
  — वह एक धर्मनिरपेक्ष लेखक नहीं था।
  उसका ग्रंथ उस समय के जीवंत भारत से प्रभावित था।
  वह संस्कृत का विद्वान था।
  वह त्रिकोणमिति का विशेषज्ञ था।
- पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान था — अलबरूनी
- एक तरफ संस्कृत मुद्रालेख के साथ चांदी के सिक्के निर्गत किए — महमूद गजनवी ने
- मध्य एशिया का शासक, जिसने 1192 में उत्तर भारत को जीता — शिहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी
- मुहम्मद गोरी को सर्वप्रथम पराजित किया — भीम द्वितीय अथवा मूल राज द्वितीय ने
- मुहम्मद गोरी ने जयचंद को पराजित किया था — चंदावर के युद्ध (1194 ई.) में
- वह युद्ध जिसमें भारत में मुस्लिम शक्ति की स्थापना हुई — तराइन का द्वितीय युद्ध
- भारत पर आक्रमण करने वाले व्यक्तियों का सही क्रम है — महमूद गजनवी, मोहम्मद गोरी, चंगेज़ खां, तैमूर
- वह मुस्लिम शासक, जिसके सिक्कों पर देवी लक्ष्मी की आकृति बनी है — मुहम्मद गोरी
- भारत में मुहम्मद गोरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया था — कुतुबुद्दीन ऐबक को
- मुहम्मद गोरी, जिसने बंगाल एवं बिहार पर विजय प्राप्त की, था — बख्तियार खिलजी का दास

दिल्ली सल्तनत : गुलाम वंश

- गुलाम वंश का संस्थापक था — कुतुबुद्दीन ऐबक
- दिल्ली सल्तनत का सुल्तान जो 'लाख बख्श' के नाम से जाना जाता है — कुतुबुद्दीन ऐबक
- कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाया गया 'ढाई दिन का झोंपड़ा' है — एक मस्जिद
- प्रसिद्ध कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान दिया — कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश एवं फिरोजशाह तुगलक ने
- कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी — लाहौर
- सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हुई — चौगान की क्रीड़ा के दौरान अश्व से गिरने के पश्चात
- दिल्ली को सल्तनत की राजधानी के रूप में स्थापित किया था — इल्तुतमिश ने
- दिल्ली का वह प्रथम सुल्तान, जिसने नियमित सिक्के जारी किए तथा दिल्ली को अपने साम्राज्य की राजधानी घोषित किया — इल्तुतमिश
- दिल्ली का प्रथम मुस्लिम शासक — इल्तुतमिश
- 'गुलाम का गुलाम' कहा गया था — इल्तुतमिश को
- मध्यकालीन भारत की प्रथम महिला शासिका — रज़िया सुल्तान

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ मंगोल आक्रमणकारी चंगेज खां भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर आया था — इल्तुतमिश के काल में

✸ मंगोल प्रथम बार सिंधु के तट पर देखे गए — इल्तुतमिश के शासनकाल में

✸ चंगेज खान का मूल नाम था — तेमुचिन

✸ इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था — मलिक जानी को

✸ रजिया बेगम को सत्ताच्युत करने में हाथ था — तुर्की का

✸ दिल्ली के सुल्तान बलबन का पूरा नाम था — गयासुद्दीन बलबन

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसके विषय में कहा गया है कि उसने "रक्त और लौह" की नीति अपनाई थी — बलबन

✸ **कथन (A)** : बलबन ने अपने शासन को शक्तिशाली बनाया और सारी सत्ता अपने हाथ में केंद्रित कर ली।
कारण (B) : वह उत्तर-पश्चिम सीमा को मंगोल आक्रमण से सुरक्षित करना चाहता था।
— (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की समुचित व्याख्या (R) नहीं है।

✸ अपनी शक्ति को समेकित करने के बाद बलबन ने धारण की — जिल्ले-इलाही की उपाधि

✸ भारत में प्रसिद्ध फारसी त्यौहार 'नौरोज' को आरंभ करवाया — बलबन ने

✸ बलबन के संदर्भ में सत्य कथन है
— उसने नियामत-ए-खुदाई के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था।
उसने तुर्कान-ए-चहलगानी का प्रभाव समाप्त किया था।
उसने बंगाल के विद्रोह का दमन किया था।
नासिरुद्दीन महमूद ने उसे उलुग खां की उपाधि दी थी।

✸ गढ़मुक्तेश्वर की मस्जिद की दीवारों पर अपने शिलालेख में स्वयं को 'खलीफा का सहायक' कहा है — बलबन ने

खिलजी वंश

✸ "जब उसने राजत्व (Kingship) प्राप्त किया, तो वह शरियत के नियमों और आदेशों से पूर्णतया स्वतंत्र था।" बरनी ने यह कथन जिस सुल्तान के लिए कहा, वह है — अलाउद्दीन खिलजी

✸ वह सुल्तान जो नया धर्म चलाना चाहता था, किंतु उलेमा लोगों ने विरोध किया — अलाउद्दीन खिलजी

✸ दिल्ली का सुल्तान जिसने 'सिकंदर सानी' की मानोपाधि धारण की थी — अलाउद्दीन खिलजी

✸ अलाउद्दीन खिलजी का प्रसिद्ध सेनापति जिसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई — जफर खां

✸ रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन की चित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है। उनके पति का नाम है — राणा रतन सिंह

✸ **कथन (A)** : अलाउद्दीन के दक्षिणी अभियान धन-प्राप्ति के अभियान थे।
कारण (R) : यह दक्षिणी राज्यों को कब्जे में करना चाहता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।

✸ अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक था — रामचंद्र देव

✸ वह सुल्तान जिसके काल में खालिसा भूमि अधिक पैमाने में विकसित हुई — अलाउद्दीन खिलजी

✸ वह सुल्तान जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने भूमि-कर को उत्पादन के 50% तक कर दिया था — अलाउद्दीन खिलजी

✸ अलाउद्दीन खिलजी के संबंध में सही कथन है—
(i) उसने कृष्ट जमीनों की पैमाइश के बाद जमीन की मालगुजारी वसूल की।
(ii) उसने प्रांतों के गवर्नरों के अधिकारों को समाप्त किया।

✸ **कथन (A)** : अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में मूल्य नियंत्रण लागू किया था।
कारण (R) : वह दिल्ली में अपने राज भवन के निर्माण में लगे हुए कारीगरों को कम वेतन देना चाहता था।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✸ वह सुल्तान जिसने 'बाजार सुधार' लागू किए थे — अलाउद्दीन खिलजी

✸ मूल्य नियंत्रण पद्धति को पहली बार लागू किया — अलाउद्दीन खिलजी ने

✸ बाजार नियंत्रण प्रथा लागू की थी — अलाउद्दीन खिलजी ने

✸ मध्यकालीन शासक जिसने 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' प्रारंभ की थी — अलाउद्दीन खिलजी

✸ 'घरी' अथवा गृहकर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान था — अलाउद्दीन खिलजी

✸ 1306 ई. के बाद अलाउद्दीन खिलजी के समय में दिल्ली के सुल्तान तथा मंगोलों के बीच सीमा थी — सिंधु नदी

तुगलक वंश

✸ अलाउद्दीन खिलजी का वह सेनाध्यक्ष जो तुगलक वंश का प्रथम सुल्तान बना — गाजी मलिक

✸ सबसे अधिक समय तक देश में राज्य किया — तुगलक वंश के सुल्तानों ने

✸ दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान शासक जो खगोलशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में माहिर था — मुहम्मद बिन तुगलक

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ दीवान-ए-'अमीर-ए-कोही' एक नया विभाग जिस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था, वह है — मुहम्मद बिन तुगलक

✸ दिल्ली का सुल्तान जिसने एक पृथक कृषि विभाग की स्थापना की एवं फसल चक्र की योजना बनाई थी — मुहम्मद बिन तुगलक

✸ मुहम्मद बिन तुगलक अपनी राजधानी दिल्ली से ले गया— दौलताबाद

✸ भारत में सर्वप्रथम सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया था — मुहम्मद बिन तुगलक ने

✸ **कथन (A)** : मुहम्मद बिन तुगलक ने एक नया स्वर्ण सिक्का जारी किया जो इब्नबतूता द्वारा दीनार कहलाया गया।
कारण (R) : मुहम्मद बिन तुगलक पश्चिम एशियाई तथा उत्तरी अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार में अभिवृद्धि के लिए स्वर्ण सिक्कों की टोकन मुद्रा जारी करना चाहता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।

✸ कथन (A) : मुहम्मद तुगलक की प्रतीक मुद्रा योजना असफल सिद्ध हुई।
कारण (R) : मुहम्मद तुगलक का मुद्रा निर्गमन पर उचित नियंत्रण नहीं था।
— A और R दोनों सही हैं और R सही व्याख्या है A की।

✸ मूर देश का यात्री इब्नबतूता भारत आया — मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में

✸ सल्तनतकाल में डाक व्यवस्था का विस्तृत विवरण दिया है — इब्नबतूता ने

✸ होली त्यौहार के सार्वजनिक उत्सव में भाग लेने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान — मुहम्मद बिन तुगलक

✸ वह शासक जिसकी मृत्यु पर इतिहासकार बदायूंनी ने कहा था कि ''सुल्तान को अपनी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गई'' — मुहम्मद बिन तुगलक

✸ वह सुल्तान जिसने बेरोज़गारों को रोजगार दिलवाया— फिरोज तुगलक

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने बेरोज़गारों के सहायतार्थ, 'रोज़गार कार्यालय' की स्थापना की थी — फिरोजशाह तुगलक

✸ दिल्ली का सुल्तान जो दान-दक्षिणा के बारे में काफी ध्यान रखता था और इसके लिए एक विभाग 'दीवान-ए-खैरात' स्थापित किया — फिरोज तुगलक

✸ वह सुल्तान जिसके दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे — फिरोज तुगलक

✸ मध्यकालीन भारतीय राजाओं के संदर्भ में सही कथन हैं
— बलबन ने पहले एक अलग आरिज विभाग स्थापित किया। अलाउद्दीन ने अपनी सेना के घोड़ों को दागने की पद्धति शुरू की। मुहम्मद बिन तुगलक के बाद दिल्ली की गद्दी पर उसका चचेरा भाई बैठा। फिरोज तुगलक ने गुलामों का एक अलग विभाग स्थापित किया।

✸ सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी — फिरोजशाह तुगलक ने

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जो भारत में नहरों के सबसे बड़े जाल का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध है — फिरोजशाह तुगलक

✸ 'हक्क-ए-शर्ब' अथवा सिंचाई कर लगाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान — फिरोज तुगलक

✸ दिल्ली का सुल्तान जिसने ब्राह्मणों पर भी जजिया लगाया था — फिरोज तुगलक

✸ मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज तुगलक, सिकंदर लोदी तथा शेरशाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किए — फिरोज तुगलक

✸ टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तंभ लेख दिल्ली लाया था — फिरोजशाह तुगलक

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने इस उद्देश्य से एक 'अनुवाद विभाग' की स्थापना की, कि उससे दोनों संप्रदायों के लोगों में एक-दूसरे के विचारों की समझ बेहतर हो सके — फिरोज तुगलक

✸ राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला पहला भारतीय शासक — फिरोज तुगलक

✸ फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शफा' था — एक खैराती अस्पताल

✸ दिल्ली सल्तनत के तुगलक राजवंश का अंतिम शासक था — नासिर-उद्-दीन महमूद

✸ वह शासक जिसके शासनकाल में तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया — नासिरुद्दीन महमूद

✸ तैमूर लंग ने भारत पर आक्रमण किया — 1398 ई. में

✸ तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में राज स्थापित हुआ — सैयद वंश का

लोदी वंश

✸ खिलजी, तुगलक, सैयद तथा लोदी शासकों में से अफगान मूल के थे — लोदी शासक

✸ दिल्ली की राजगद्दी पर अफगान शासकों का सही क्रम है — बहलोल खान लोदी (1451-1489 ई.),सिकंदर लोदी (1489-1517 ई.), इब्राहिम लोदी (1517-1526 ई.)

✸ महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को परास्त किया था — खातोली के युद्ध में

✸ वह मध्ययुगीन सुल्तान जिसे आगरा शहर की नींव डालने एवं उसे सल्तनत की राजधानी बनाने का श्रेय जाता है — सिकंदर लोदी

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ 'गुलरुखी' उपनाम से अपनी कविताओं की रचना की — सिकंदर लोदी ने

✸ अन्न के ऊपर कर समाप्त करने के लिए जाना जाता है — सिकंदर लोदी

✸ दिल्ली पर शासन करने वाले वंशों का सही क्रम है — गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश एवं लोदी

✸ बलबन, इल्तुतमिश, कुतुबुद्दीन ऐबक तथा इब्राहिम लोदी में से वह शासक जो गुलाम वंश का नहीं था — इब्राहिम लोदी

विजयनगर साम्राज्य

✸ विजयनगर राज्य की स्थापना की थी — हरिहर और बुक्का ने

✸ अपनी 'मदुरा विजय' कृति में अपने पति के विजय अभियानों का वर्णन करने वाली कवयित्री थी — गंगादेवी

✸ विजयनगर का वह पहला शासक, जिसने बहमनियों से गोवा को छीना — हरिहर II

✸ सही कथन है–

1. नरसिंह सालुव ने संगम वंश का अंत किया और उसने राजसिंहासन छीन कर सालुव वंश आरंभ किया।
2. वीर नरसिंह ने अंतिम सालुव शासक को गद्दी से उतारकर राजसिंहासन छीना।
3. वीर नरसिंह के उत्तरवर्ती उनके अनुज कृष्णदेव राय थे।
4. कृष्णदेव राय के उत्तरवर्ती उनके अर्द्ध-भाई अच्युतदेव राय थे।

✸ विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध जिस राजा के साथ लड़ा था, वह है — कुली कुतुबशाह

✸ कृष्णदेव राय के दरबार में 'अष्ट दिग्गज' थे — आठ तेलुगू कवि

✸ कृष्णदेव राय, राजेंद्र चोल, हरिहर तथा बुक्का में से वह, जिसे 'आंध्र भोज' भी कहा जाता है — कृष्णदेव राय

✸ प्रसिद्ध विजयनगर शासक कृष्णदेव राय के अधीन स्वर्णयुग था? — तेलुगू साहित्य का

✸ कृष्णदेव राय ने स्थापना की — नागलापुर नगर की

✸ विजयनगर का प्रसिद्ध हजारा मंदिर निर्मित हुआ था — कृष्णदेव राय के शासनकाल में

✸ अब्दुल रज्जाक विजयनगर आया था — देवराय-II के राजकाल में

✸ निकोलो कोंटी था — इटली का एक यात्री, जिसने देवराय प्रथम के समय विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की

✸ वैदिक ग्रंथों के भाष्यकार सायण को आश्रय प्राप्त था — विजयनगर राजाओं का

✸ 1565 में प्रसिद्ध युद्ध हुआ था — तालीकोटा का युद्ध

✸ तालीकोटा का युद्ध लड़ा गया था — विजयनगर और बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुंडा की संयुक्त सेनाओं के बीच

✸ जब राजा वोडियार ने मैसूर राज्य की स्थापना की, तब विजयनगर साम्राज्य का शासक था — वेंकट II

✸ विजयनगर साम्राज्य की 'वित्तीय व्यवस्था' की मुख्य विशेषता थी — भूराजस्व

✸ विजयनगर के शासक कृष्णदेव की कराधान व्यवस्था से संबंधित सही कथन है — भूमि की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व की दर नियत होती थी। कारखानों के निजी स्वामी एक औद्योगिक कर देते थे।

✸ वह स्थान जहां के खंडहर विजयनगर की प्राचीन राजधानी का प्रतिनिधित्व करते हैं — हम्पी

✸ विजयनगर का शासक जिसने चीन के सम्राट के पास अपना राजदूत भेजा — बुक्का प्रथम

✸ प्रसिद्ध विजय विट्ठल मंदिर जिसके 56 तक्षित स्तंभ संगीतमय स्वर निकालते हैं, अवस्थित है — हम्पी में

दिल्ली सल्तनत : प्रशासन

✸ इतिहासकार बरनी ने दिल्ली के सुल्तानों के अधीन भारत में शासन को वास्तव में इस्लामी नहीं माना, क्योंकि — अधिकतर आबादी इस्लाम का अनुसरण नहीं करती थी

✸ सल्तनत काल के अधिकांश अमीर एवं सुल्तान थे — तुर्क वर्ग के

✸ सुमेलित हैं–

दीवान-ए-बंदगान	-	फिरोज तुगलक
दीवान-ए-मुस्तखराज	-	अलाउद्दीन
दीवान-ए-कोही	-	मुहम्मद तुगलक
दीवान-ए-अर्ज	-	बलबन

✸ सुमेलित हैं–

दीवान-ए-मुस्तखराज़	–	अलाउद्दीन खिलजी (राजस्व विभाग)
दीवान-ए-अमीरकोही	–	मुहम्मद बिन तुगलक (कृषि विभाग)
दीवान-ए-खैरात	–	फिरोज तुगलक (दान विभाग)
दीवान-ए-रियासत	–	अलाउद्दीन खिलजी (बाजार नियंत्रण विभाग)

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ सुमेलित हैं –

दीवाने अर्ज़	–	सेना विभाग से संबंधित
दीवाने रिसालत	–	धार्मिक मुद्दों से संबंधित
दीवाने इन्शा	–	सरकारी पत्रव्यवहार से संबंधित
दीवाने वज़ारत	–	वित्तीय मामलात से संबंधित

✸ वह राजवंश जिसके अंतर्गत विजारत का चरमोत्कर्ष हुआ
– तुगलक राजवंश

✸ भूमि-उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित करता है
– खराज, उश्र एवं मुक्ताई

✸ भारत का मध्यकालीन शासक जिसने 'इक्ता व्यवस्था' प्रारंभ की थी
– इल्तुतमिश

✸ सल्तनत काल में भू-राजस्व का सर्वोच्च ग्रामीण अधिकारी था
– चौधरी

✸ 'शर्ब' कर लगाया जाता था **– सिंचाई पर**

✸ जवाबित का संबंध था **– राज्य कानून से**

✸ हदीस है एक **– इस्लामिक कानून**

✸ सल्तनत काल में 'फवाज़िल' का अर्थ था **– इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि**

✸ सल्तनत काल की दो प्रमुख मुद्राएं हैं **– जीतल एवं टंका**

✸ 'टंका' (Tanka) नामक चांदी का सिक्का चलाया था
–इल्तुतमिश ने

✸ सल्तनत काल के सिक्के–टंका, शशगनी एवं जीतल थे
– चांदी तथा तांबा के

✸ बगदाद के अंतिम खलीफा का नाम सर्वप्रथम अंकित हुआ
– अलाउद्दीन मसूद शाह के सिक्कों पर

दिल्ली सल्तनत : कला एवं स्थापत्य

✸ 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया
– अलाउद्दीन खिलजी ने

✸ कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, अलाउद्दीन खिलजी तथा फिरोजशाह तुगलक में से वह, जिसने कुतुबमीनार के निर्माण में योगदान नहीं दिया
– अलाउद्दीन खिलजी

✸ वह सुल्तान जिसने कुतुबमीनार की पांचवीं मंजिल का निर्माण कराया
– फिरोजशाह तुगलक

✸ भारत में प्रथम मकबरा जो शुद्ध इस्लामी शैली में निर्मित हुआ था
– बलबन का मकबरा

✸ स्थापत्य एवं नगरों के निर्माण का सही कालक्रम है
– कुतुबमीनार, तुगलकाबाद, लोदी गार्डेन, फतेहपुर सीकरी

✸ 'कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति' के रचयिता थे **– अभिकवि**

✸ चित्तौड़ का 'कीर्ति स्तंभ' निर्मित हुआ था
– राणा कुंभा के शासनकाल में

✸ सुमेलित हैं–

स्थल	स्थापत्य
दिल्ली	कुब्बात-अल-इस्लाम
जौनपुर	अटाला मस्जिद
मालवा	जहाज़ महल
गुलबर्गा	जामा मस्जिद

✸ सुमेलित हैं–

वास्तु शैली		संबद्ध राजवंश
मेहराब की निचली सतह पर कमलकलि की झालर	–	खिलजी
अष्टभुजीय मकबरों का उदय	–	तुगलक
स्तंभों में बोदिगोई का प्रयोग	–	विजयनगर
झुकी हुई दीवारों के साथ विशाल मुख्य द्वार	–	शर्की

दिल्ली सल्तनत : साहित्य

✸ 'किताब-उल-हिंद' रचना के प्रसिद्ध लेखक का नाम था
– अलबरूनी

✸ 'तूती-ए-हिंद' अमीर खुसरो का जन्म हुआ था
– कासगंज के पटियाली में

✸ स्वयं को 'हिन्दोस्तान का तोता' कहा **– अमीर खुसरो ने**

✸ अमीर खुसरो ने अग्रगामी की भूमिका निभाई
– खड़ी बोली के विकास में

✸ दिल्ली के सात सुल्तानों का शासनकाल देखा था
– अमीर खुसरो एवं शेख निजामुद्दीन औलिया ने

✸ प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो दरबार में रहे **– अलाउद्दीन खिलजी के**

✸ अमीर खुसरो एक थे। **– कवि, इतिहासकार एवं संगीतज्ञ**

✸ नयी फारसी काव्य-शैली 'सबक-ए-हिंदी' अथवा हिंदुस्तानी शैली के जन्मदाता थे **– अमीर खुसरो**

✸ अमीर खुसरो, मलिक मुहम्मद जायसी, कबीर तथा अब्दुल रहीम खान-ए-खानां में से वह, जिन्हें 'हिंदी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है
– अमीर खुसरो

✸ हिंदी और फारसी दोनों भाषाओं का विद्वान था **– अमीर खुसरो**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ सही कथन है
— हिंदू देवी-देवताओं तथा मुस्लिम संतों की प्रशंसा में रचित गीतों का संग्रह किताब-ए-नौरस इब्राहिम आदिल शाह II द्वारा लिखा गया था। भारत में कव्वाली से जानी जाने वाली संगीत शैली के प्रारंभिक रूप के आरंभकर्त्ता अमीर खुसरो थे।

✸ 'तबकात-ए-नासिरी' का लेखक था — मिनहाज-उस-सिराज

✸ अरबी, फारसी, तुर्की एवं उर्दू भाषाओं में से वह भाषा जिसे दिल्ली सुल्तानों ने संरक्षण प्रदान किया — फारसी

✸ 'अपभ्रंश' शब्द का प्रयोग मध्यकालीन संस्कृत ग्रंथों में होता था — कुछ आधुनिक भारतीय भाषाओं के आरंभिक रूपों को इंगित करने के लिए

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
जियाउद्दीन बरनी	–	तारीख-ए-फिरोजशाही
हसन निजामी	–	ताजुल मासिर
मिनहाज-उस-सिराज	–	तबकात-ए-नासिरी
याहिया-बिन-अहमद	–	तारीख-ए-मुबारकशाही

✸ सुमेलित हैं–

तारीख-ए-हिंद	–	अलबरूनी
तारीख-ए-दिल्ली	–	खुसरो
रेहला	–	इब्नबतूता
तबकात-ए- नासिरी	–	मिनहाज

✸ वीणा, ढोलक, सारंगी तथा सितार में से वह संगीत वाद्य, जिसे हिंदू-मुस्लिम गान-वाद्यों का सबसे श्रेष्ठ मिश्रण माना गया है — सितार

✸ संगीत यंत्र 'तबला' का प्रचलन किया — अमीर खुसरो ने

✸ जयचंद्र गहड़वाल, पृथ्वीराज चौहान, राणा कुंभा तथा मानसिंह में से वह राजपूत राजा जो संगीत पर एक पुस्तक के लेखक के रूप में जाना जाता है — राणा कुंभा

✸ सुमेलित हैं–

नाम		ग्रंथ (संगीत)
राणा कुंभा	–	संगीतराज
काशीनाथ शास्त्री अप्पा तु भाषी	–	रागचंद्रिका
पुंडरीक विट्ठल	–	रागमाला
कृष्णानंद व्यास	–	राग कल्पद्रुम

✸ दिल्ली का वह सुल्तान जिसने अपना संस्मरण लिखा था — फिरोज तुगलक

दिल्ली सल्तनत : विविध

✸ भारत में पोलो खेल का प्रचलन किया — तुर्कों ने

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
फिरोज तुगलक	–	नहरों का निर्माण
बलबन	–	नौरोज
अलाउद्दीन	–	दीवान-ए-रियासत
जहांगीर	–	सर थामस रो

✸ यात्रियों के पधारने का सही अनुक्रम है — अलबरूनी, इब्नबतूता, ट्रेवर्नियर, मनूची

✸ 'दस्तार बन्दान' कहलाते थे — उलेमा

✸ शासकों का सही क्रम है — रजिया सुल्तान, अलाउद्दीन खिलजी, अकबर

✸ सुमेलित है–

बहादुरशाह	–	गुजरात
चांद बीबी	–	बीजापुर
रजिया सुल्तान	–	दिल्ली
बाज बहादुर	–	मालवा

✸ घटनाओं का सही क्रम है — कुतुबमीनार का निर्माण, फिरोज तुगलक की मृत्यु, पुर्तगालियों का भारत आगमन, कृष्णदेव राय का शासन

✸ ''अपने लगभग तीस वर्ष के व्यापक यात्री जीवन में उसने पूर्वी गोलार्द्ध के विस्तृत भू-भाग की यात्रा की, उस विशाल भू-भाग को देखा जिसमें आज कोई 44 देश आते हैं और कुल मिलाकर लगभग 73000 मील की दूरी चलकर पार की।''
पूर्व-आधुनिक काल का संसार का सबसे बड़ा वह यात्री, जिसका वर्णन ऊपर के अवतरण में है — इब्नबतूता

✸ सुमेलित हैं–

कृष्णदेव राय	:	अमुक्तमाल्यद
महेंद्रवर्मन	:	मत्तविलासप्रहसन
भोजदेव	:	समरांगणसूत्रधार
सोमेश्वर	:	मानसोल्लास

✸ सती प्रथा, बाल विवाह तथा जौहर प्रथा में से वह प्रथा जिसकी शुरुआत राजपूतों के समय में हुई — जौहर प्रथा

✸ मालधर बसु, हेमचंद्र सूरी, पार्थसारथी तथा सायण जैसे मध्यकालीन विद्वानों/लेखकों में वह, जो जैन धर्म का अनुयायी था — हेमचंद्र सूरी

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✱ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
प्लासी का युद्ध	–	1757 ईस्वी सन
कलिंग का युद्ध	–	261 ईस्वीपूर्व
हल्दीघाटी का युद्ध	–	1576 ईस्वी सन
तराईन का युद्ध	–	1192 ईस्वी सन

✱ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
अकबर	–	आइन-ए-दहसाला
मुहम्मद तुगलक	–	प्रतीक मुद्रा
इल्तुतमिश	–	चहलगानी अमीर
शेरशाह	–	सड़क-ए-आजम

✱ तेरहवीं और चौहदवीं शताब्दियों में भारतीय कृषक, खेती नहीं करता था
– मक्का की

उत्तर भारत एवं दक्कन के प्रांतीय राजवंश

✱ जौनपुर नगर स्थापित किया गया
– मुहम्मद बिन तुगलक की स्मृति में

✱ जौनपुर नगर की स्थापना की थी **– फिरोज शाह तुगलक ने**

✱ शर्की सुल्तानों के शासनकाल में 'पूर्व का शिराज' कहा जाता था
– जौनपुर को

✱ कश्मीर का शासक जो 'कश्मीर का अकबर' नाम से जाना जाता है
– जैनुल (जैन-उल) आबेदीन

✱ ज़ैन-उल-आबेदीन, मुहम्मद बिन तुगलक, हुसैन शाह शर्की तथा अकबर में से वह शासक जिसने सर्वप्रथम जज़िया कर समाप्त किया था
– ज़ैन-उल-आबेदीन

✱ जैन-उल-आबेदीन द्वारा पूरी की गई कश्मीर की जामा मस्जिद की प्रभावकारी विशेषता में शामिल हैं
– बुर्ज, बौद्ध पगोडाओं से समान, फारसी शैली

✱ मुनि सुंदर सूरी, नाथा, टिल्ला भट्ट तथा मुनि जिन विजय सूरी में से वह विद्वान जो कुंभा के दरबार में नहीं था **– मुनि जिन विजय सूरी**

✱ सुमेलित हैं–

मध्यकालीन भारतीय राज्य	वर्तमान क्षेत्र
चंपक	चंबा (हिमाचल)
दुर्गर	जम्मू
कुलूत	कुल्लू (हिमाचल)

✱ बहमनी राज्य की स्थापना की थी **– अलाउद्दीन हसन ने**

✱ बहमनी राज्य की स्थापना हुई थी **– 1347 ई. (14वीं सदी) में**

✱ बहमनी राज्य की प्रथम राजधानी थी **– गुलबर्गा**

✱ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
आदिलशाही	–	बीजापुर
कुतुबशाही	–	गोलकुंडा
निजामशाही	–	अहमदनगर
शर्कीशाही	–	जौनपुर

✱ मुस्लिम शासकों में वह, जिसे उसकी धर्मनिरपेक्षता (Secularism) में आस्था के कारण उसकी मुस्लिम प्रजा 'जगतगुरु' कहकर पुकारती थी
– इब्राहिम आदिल शाह

✱ अहमदनगर के निजाम शाही वंश का अंत हुआ
– अहमदनगर को मुगल साम्राज्य में मिलाकर हुसैन शाह को आजीवन कारावास दिया गया।

✱ सुमेलित हैं–

बाजबहादुर	–	मालवा
कुतुबशाह	–	गोलकुंडा
सुल्तान मुजफ्फर शाह	–	गुजरात
यूसुफ आदिल शाह	–	बीजापुर

✱ गोलकुंडा को वर्तमान में कहा जाता है **– हैदराबाद**

✱ सुमेलित हैं–

काकतीय	-	वारंगल
होयसल	-	द्वारसमुद्र
यादव	-	देवगिरि
पाण्ड्य	-	मदुरा

✱ 'द्वारसमुद्र' राजधानी थी **– होयसल राजवंश की**

✱ होयसल स्मारक (Hoysala Monuments) पाए जाते हैं
– हलेबिड और बेलूर में

✱ होयसलों की प्राचीन राजधानी द्वारसमुद्र का वर्तमान नाम है
– हलेबिड

✱ वह स्मारक जिसमें वह गुंबद है, जो संसार के विशालतम गुंबदों में से एक है **– गोल गुंबद, बीजापुर**

✱ सुमेलित हैं–

स्मारक		शासक
दोहरा गुंबद	–	सिकंदर लोदी
अष्टभुजीय मकबरा	–	शेरशाह
सत्य मेहराबीय मकबरा	–	बलबन
गोल गुंबद	–	मुहम्मद आदिल शाह

✱ गूजरी महल बनवाया था **– मानसिंह ने**

✱ दक्षिण भारत के 'पोलिगार' थे **– क्षेत्रीय प्रशासकीय और सैन्य नियंत्रक**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

भक्ति और सूफी आंदोलन

✸ भक्ति आंदोलन का प्रारंभ किया गया था — **आलवार संतों द्वारा**

✸ भक्ति संस्कृति का भारत में पुनर्जन्म हुआ — **पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी ईस्वी में**

✸ बुद्ध और मीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य था — **संसार दुःखपूर्ण है**

✸ ''कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति से उसका धर्म-संप्रदाय या जाति न पूछे।'' यह कथन है — **रामानंद का**

✸ सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने — **अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा जिसे उनके भक्त समझते थे**

✸ मध्ययुगीन भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में सूफी संत जिस तरह के आचरण का निर्वाह करते थे, वे हैं — **ध्यानसाधना और श्वास-नियमन,एकांत में कठोर यौगिक व्यायाम, श्रोताओं में आध्यात्मिक हर्षोन्माद उत्पन्न करने के लिए पवित्र गीतों का गायन**

✸ कामरूप में वैष्णव धर्म को लोकप्रिय बनाया — **शंकरदेव ने**

✸ असम एवं कूच बिहार में वैष्णव धर्म का प्रवर्तन किया — **शंकरदेव ने**

✸ रामानुजाचार्य संबंधित हैं — **विशिष्टाद्वैत से**

✸ 'शुद्ध अद्वैतवाद' का प्रतिपादन किया था — **वल्लभाचार्य ने**

✸ 'महाप्रभु वल्लभाचार्य' की जन्मस्थली है — **चम्पारण्य में**

✸ सुमेलित हैं

अद्वैतवाद	–	शंकराचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	–	रामानुज
द्वैतवाद	–	मध्वाचार्य
द्वैताद्वैतवाद	–	निम्बार्काचार्य

✸ सही कथन है — **'बीजक' कबीर के उपदेशों का एक संकलन है। पुष्टिमार्ग के दर्शन को वल्लभाचार्य ने प्रतिपादित किया।**

✸ दादू, कबीर, रामानंद, तुलसीदास में से वह भक्ति संत जिसने अपने संदेश के प्रचार के लिए सबसे पहले हिंदी का प्रयोग किया— **रामानंद**

✸ कबीर शिष्य थे — **रामानंद के**

✸ मध्यकालीन भारत के कुम्भनदास, रामानंद, रैदास तथा तुलसीदास में से वह संत जिसका जन्म प्रयाग में हुआ था — **रामानंद**

✸ कबीर एवं धरमदास के मध्य संवादों के संकलन का शीर्षक है — **अमरमूल**

✸ मलूकदास एक संत कवि थे — **कड़ा के**

✸ संत घासीदास के पिताजी का नाम था — **महंगू**

✸ सही कालानुक्रम है — **शंकराचार्य-रामानुज-चैतन्य**

✸ भक्ति संतों का सही कालानुक्रम है — **कबीर (1398-1518), गुरुनानक (1469-1539), चैतन्य (1486-1534), मीराबाई (1498-1557)**

✸ भगवान शिव की प्रतिष्ठा में स्थापित हैं — **12 ज्योतिर्लिंग**

✸ रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है — **वैष्णव**

✸ अमृतसर,नाभा, ननकाना तथा नांदेर में से वह स्थान जो गुरु नानक का जन्म स्थल था — **ननकाना**

✸ वह शासक, जिसके शासन में गुरु नानक देव ने सिक्ख धर्म की स्थापना की — **सिकंदर लोदी**

✸ 'ईश्वर केवल मनुष्य के सद्गुण को पहचानता है तथा उसकी जाति नहीं पूछता; आगामी दुनिया में कोई जाति नहीं होगी।' यह सिद्धांत है — **नानक का**

✸ मीराबाई समकालीन थीं — **तुलसीदास के**

✸ प्रसिद्ध भक्त कवयित्री मीरा के पति का नाम था — **राजकुमार भोजराज**

✸ 'राग-गोविंद' के रचनाकार हैं — **मीराबाई**

✸ दिए गए संतों का सही कालक्रम है — **नामदेव, कबीर, नानक, मीराबाई**

✸ चैतन्य, मीराबाई, नामदेव तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो इस्लाम से प्रभावित था — **नामदेव**

✸ वह, जो उस समय उपदेश देता था, जब लोदी वंश का पतन हुआ तथा बाबर सत्तारूढ़ हुआ — **गुरु नानक**

✸ सुमेलित हैं–

नामदेव	–	दर्जी
कबीर	–	जुलाहा
रविदास	–	मोची
सेना	–	नाई

✸ चैतन्य महाप्रभु संबद्ध हैं — **वैष्णव संप्रदाय से**

✸ तुलसीदास समकालीन थे — **अकबर तथा जहांगीर के**

✸ 'रामचरित मानस' नामक ग्रंथ के रचयिता थे — **तुलसीदास**

✸ गीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका तथा साहित्य रत्न में से वह रचना, जो संत तुलसीदास की नहीं है — **साहित्य रत्न**

✸ वरकरी संप्रदाय का संत था — **नामदेव**

✸ भक्त तुकाराम जिस मुगल सम्राट के समकालीन थे, वह है— **जहांगीर**

✸ नागार्जुन, तुकाराम, त्यागराज तथा वल्लभाचार्य में से वह, जो भक्ति आंदोलन का प्रस्तावक नहीं था — **नागार्जुन**

✸ भारत में चिश्तिया संप्रदाय का प्रथम सूफी संत था — **शेख मुइनुद्दीन चिश्ती**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ शेख मुइनुद्दीन चिश्ती, शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, शेख निज़ामुद्दीन औलिया तथा शेख सलीम चिश्ती सूफी संतों में से वह, जो सर्वप्रथम अजमेर में बस गए थे — **शेख मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ शेख मुइनुद्दीन, शेख जियाउद्दीन अबुलजीवा, ख्वाजा अबु-अब्दाल एवं ख्वाजा बहाउद्दीन में से वह, जो सूफीवाद की चिश्तिया शाखा का संस्थापक था — **ख्वाजा अबु-अब्दाल**

✸ ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती शिष्य थे — **ख्वाजा उस्मान हरुनी के**

✸ अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर नजर (भेंट) भेजने वाले प्रथम मराठा सरदार थे — **राजा साहू (शिवाजी के पौत्र)**

✸ शेख निज़ामुद्दीन औलिया शिष्य थे — **बाबा फरीद के**

✸ शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह स्थित है — **दिल्ली में**

✸ **कथन (A)** : भारत में सूफियों के चिश्ती धर्मसंघ का प्रवर्तक और सर्वप्रमुख व्यक्ति, ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती है।
कारण (R) : चिश्ती धर्मसंघ ने अपना नाम अजमेर में स्थित ग्राम चिश्त से लिया है। — **A सही है, परंतु R गलत है।**

✸ वह सूफी संत जिसकी मान्यता थी कि भक्ति संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का एक साधन है — **मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, शेख अब्दुल जिलानी, शेख मुइनुद्दीन तथा शेख निजामुद्दीन औलिया में से वह, जो चिश्ती सिलसिले से संबद्ध नहीं है — **शेख अब्दुल जिलानी**

✸ 'भारत का सादी' कहा गया है — **अमीर हसन को**

✸ जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, गयासुद्दीन तुगलक तथा मुहम्मद बिन तुगलक में से, वह सुल्तान जिससे निजामुद्दीन औलिया ने भेंट करने से इंकार कर दिया था — **अलाउद्दीन खिलजी**

✸ वह सूफ़ी संत जो 'महबूब-ए-इलाही' कहलाता था — **शेख निज़ामुद्दीन औलिया**

✸ शेख फरीद का सर्वाधिक ख्यातिलब्ध शिष्य, जिसने दिल्ली के सात सुल्तानों का शासन देखा था — **निजामुद्दीन**

✸ शेख मुइनुद्दीन चिश्ती, कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, फरीदुद्दीन-गंज-ए-शकर तथा शेख निजामुद्दीन औलिया में से वह सूफी संत जिसके विचारों को सिखों के धर्म ग्रंथ 'आदि ग्रंथ' में संकलित किया गया है — **फरीदुद्दीन-गंज-ए-शकर**

✸ प्रसिद्ध संत सलीम चिश्ती रहते थे — **फतेहपुर सीकरी में**

✸ 'शेख-उल-हिंद' की पदवी प्रदान की गई थी— **शेख सलीम चिश्ती को**

✸ सुमेलित हैं—

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती	–	चिश्तियां
शेख अहमद सरहिन्दी	–	नक्शबंदिया
दारा शिकोह	–	कादिरिया
शेख शहाबुद्दीन	–	सुहरावर्दिया

✸ भारतीय इतिहास में सूफीवाद के संदर्भ में सही कथन हैं— **शेख अहमद सरहिंदी अकबर एवं जहांगीर का समकालीन था। शेख नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली शेख निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था। अकबर शेख सलीम चिश्ती का समकालीन था। भारत में सूफियों की कादिरी पद्धति सबसे पहले शेख नियामतुल्ला और मखदूम मुहम्मद जिलानी द्वारा लागू की गई।**

✸ रहीम, निजामुद्दीन औलिया, मुइनुद्दीन चिश्ती एवं रसखान में से, वह जो सूफी थे — **निजामुद्दीन औलिया एवं मुइनुद्दीन चिश्ती**

✸ चिश्तिया, सुहरावर्दिया, कादरिया तथा नक्शबंदिया सूफीवाद के सिलसिलों में, वह जो संगीत के विरुद्ध था — **नक्शबंदिया**

✸ शाह मोहम्मद गौस, शाह अब्दुल अजीज, शाह वलीउल्ला तथा ख्वाजा मीर दर्द सूफियों में से वह जिसने कृष्ण को औलिया के रूप में माना — **शाह मोहम्मद गौस**

✸ उलेमा, खानकाह, शेख तथा समा में से वह जिसका संबंध सूफीवाद से नहीं है — **उलेमा**

✸ कृष्ण जीवनपरक 'प्रेम वाटिका' काव्य की रचना की थी —**रसखान ने**

✸ वल्लभाचार्य, चैतन्य, गुरु नानक तथा अमीर खुसरो में से वह जो भक्ति आंदोलन से जुड़ा नहीं है — **अमीर खुसरो**

✸ 'बारहमासा' की रचना की थी — **मलिक मोहम्मद जायसी ने**

✸ प्रति वर्ष प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार पर मेला लगता है — **देवा शरीफ में**

✸ क्राइस्ट का जन्म स्थान — **बेथलेहम**

✸ ईस्टर त्यौहार के पीछे ईसाइयों की भावना है —**इस दिन ईसा पुनर्जीवित हुए**

✸ वह ईसाई संत जो पशु-पक्षियों से प्रेम के लिए विख्यात है — **असीसी के संत फ्रांसिस**

✸ ईसाइयों का गुडफ्राइडे मनाया जाता है — **ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के स्मरण में**

मुगल वंश : बाबर

✸ मध्यकालीन भारत के मुगल शासक वस्तुतः थे — चग्ताई तुर्क

✸ बाबर को सर-ए-पुल के युद्ध में पराजित किया था — **शैबानी खां ने**

✸ पानीपत का प्रथम युद्ध हुआ था— **बाबर और इब्राहिम लोदी के मध्य**

✸ पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण था — **उसकी सैन्य कुशलता**

✸ पानीपत का प्रथम बुद्ध, खान्वा का युद्ध, प्लासी का युद्ध तथा पानीपत का तीसरा युद्ध में से वह युद्ध जिसमें एक पक्ष द्वारा प्रथम बार तोपों का उपयोग किया गया था — **पानीपत का प्रथम युद्ध**

✸ बाबर की इब्राहिम लोदी पर विजय का कारण था — **तोपखाना**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ बाबर ने सुल्तान इब्राहिम लोदी को पानीपत की लड़ाई में पराजित किया — 1526 ई. में

✸ सुमेलित है–

पानीपत का प्रथम युद्ध	:	1526
खानवा का युद्ध	:	1527
घाघरा का युद्ध	:	1529
चंदेरी का युद्ध	:	1528

✸ बाबर के भारत में आने के फलस्वरूप — इस क्षेत्र में तैमूरी (तिमूरिद) राजवंश स्थापित हुआ।

✸ पानीपत का युद्ध, खानवा का युद्ध एवं चंदेरी का युद्ध में से वह, जिसमें बाबर ने 'जेहाद' की घोषणा की थी — खानवा का युद्ध

✸ मेवाड़ का राजा जिसे 1527 में खानवा के युद्ध में बाबर ने हराया था — राणा सांगा

✸ भारत का मुगल शासक बनने पर जहीरुद्दीन मोहम्मद ने ..... नाम रखा। — बाबर

✸ बाबर ने सर्वप्रथम 'पादशाह' की पदवी धारण की थी — काबुल में

✸ बाबर के साम्राज्य में सम्मिलित थे — काबुल का क्षेत्र, पंजाब का क्षेत्र, आधुनिक उत्तर प्रदेश का क्षेत्र

✸ वह मुगल सम्राट जिसके जीवन से धैर्य व संकल्प से सफलता की शिक्षा मिलती है — जहीरुद्दीन मोहम्मद बाबर

✸ बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में जिन हिंदू राज्य का उल्लेख किया, वह हैं — मेवाड़ एवं विजयनगर

✸ **कथन (A)** : बाबर ने 'बाबरनामा' तुर्की में लिखा।
कारण (R) : तुर्की मुगल दरबार की राजभाषा थी। — A सही है, पर R गलत है।

✸ 'तुजुक-ए-बाबरी' लिखा गया था — तुर्की भाषा में

✸ अयोध्या स्थित बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया था — मीर बाकी ने

हुमायूं और शेरशाह

✸ कामरान, उस्मान, अस्करी तथा हिन्दाल में से वह जो हुमायूं का भाई नहीं था — उस्मान

✸ हुमायूं द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार सही क्रम है — दौराह चौसा, कन्नौज, सरहिंन्द

✸ फ़रीद, जो बाद में शेरशाह सूरी बना, ने शिक्षा प्राप्त की थी — जौनपुर से

✸ बलबन, अलाउद्दीन खिलजी, इब्राहिम लोदी तथा शेरशाह मध्ययुगीन शासकों में से वह, जो उच्च शिक्षित था — शेरशाह

✸ बहलोल लोदी, सिकंदर लोदी, शेरशाह सूरी तथा इस्लाम शाह सूरी में से वह सुल्तान जिसने पहले "हजरते आला" (Hazrat-e-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की — शेरशाह सूरी

✸ शेरशाह सूरी द्वारा किए गए सुधारों में सम्मिलित थे — राजस्व सुधार, प्रशासनिक सुधार, सैनिक सुधार, करेंसी प्रणाली में सुधार

✸ दिल्ली सल्तनत के पराभव के उपरांत वह शासक जिसके द्वारा स्वर्ण मुद्रा का सर्वप्रथम प्रचलन किया गया — हुमायूं

✸ हुमायूं ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण किया — 1532 ई. में

✸ अपने बादशाह पति के लिए मकबरे का निर्माण करवाया था — हाजी बेगम ने

✸ चांदी का सिक्का शुरू किया — शेरशाह ने

✸ शेरशाह के अंतर्गत तांबे के दाम और चांदी के रुपया की विनिमय दर थी — 64:1

✸ शेरशाह सूरी की मृत्यु हुई — कालिंजर में

✸ "मात्र एक मुट्ठी बाजरे के चक्कर में मैंने अपना साम्राज्य खो दिया होता।" यह कथन संबद्ध है — शेरशाह से

✸ शेरशाह का मकबरा है — सासाराम में

✸ शेरशाह ने निर्माण करवाया था — दिल्ली की किला-ए-कुहना मस्जिद का

✸ दिल्ली में 'पुराना किला' के भवनों का निर्माण किया था — शेरशाह ने

✸ कृषकों की सहायता के लिए जिस मध्यकालीन भारतीय शासक ने पट्टा एवं कबूलियत की व्यवस्था प्रारंभ की थी, वह है — शेरशाह

अकबर

✸ काबुल, लाहौर, सरहिंद तथा कालानौर में से वह स्थान, जहां पर अकबर को हुमायूं की मृत्यु की सूचना मिलने पर राजगद्दी पर बैठाया गया था — कालानौर

✸ हल्दी घाटी के युद्ध के पीछे अकबर का मुख्य उद्देश्य था — राणा प्रताप को अपने अधीन लाना

✸ हल्दी घाटी का युद्ध हुआ था — 1576 ई. में

✸ हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के सेनापति थे — हकीम खान

✸ अकबर ने सर्वप्रथम वैवाहिक संबंध राजपूतों के जिस गृह से स्थापित किए, वह था — कछवाहों से

✸ चिश्ती संत की दरगाह जहां पर अकबर दर्शन हेतु अधिक जाता था — मुइनुद्दीन चिश्ती

✸ अधम खां, बैरम खां, बाज बहादुर तथा पीर मुहम्मद खां में से वह, जिसे अकबर ने स्वयं मारा था — अधम खां

✸ राजपूताना का वह राज्य जिसने अकबर की संप्रभुता स्वयं स्वीकार नहीं की थी — मेवाड़

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ वह राजपूत शासक जिसने मुगलों के विरुद्ध निरंतर स्वतंत्रता का संघर्ष जारी रखा और समर्पण नहीं किया **— मारवाड़ के राव चंद्रसेन**

✸ अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती रानी थी **— मंडला अथवा गोंडवाना की**

✸ अकबर को राष्ट्रीय सम्राट सिद्ध करने में सहायक तथ्य है **— प्रशासकीय एकता और कानूनों की एकरूपता सांस्कृतिक एकता का प्रयत्न एवं उसकी धार्मिक नीति**

✸ अकबर की लोकप्रियता के कारण थे **— मनसबदारी प्रथा, धार्मिक नीति, भू-राजस्व व्यवस्था, सामाजिक सुधार**

✸ वह मुस्लिम शासक जिसने तीर्थयात्रा-कर समाप्त कर दिया था **— अकबर**

✸ बाबर, हुमायूं, अकबर तथा औरंगजेब बादशाहों में से वह जिसको 'प्रबुद्ध निरंकुश' कहा जा सकता है **— अकबर**

✸ अकबर का शासन जाना जाता है **— क्षेत्रों को जीतने के लिए, अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए, न्यायिक प्रशासन के लिए**

✸ अकबर के शासनकाल में पुनर्गठित केंद्रीय प्रशासन तंत्र के अंतर्गत सैनिक विभाग का प्रमुख था **— मीर बख्शी**

✸ अकबर कालीन सैन्य व्यवस्था आधारित थी **— मनसबदारी**

✸ अकबर द्वारा दीवान का पूर्णरूपेण दर्जा दिया जाने वाला प्रथम व्यक्ति था **— मुजफ्फर खां तुरबती**

✸ अकबर ने जिस मनसबदारी प्रणाली को लागू किया वह उधार ली गई थी **— मंगोलिया में प्रचलित प्रणाली से**

✸ **कथन (A)** : अकबर के काल में, हर दस घुड़सवार सैनिकों के लिए मनसबदारों को बीस घोड़ों का रखरखाव करना पड़ता था।
कारण (R) : घोड़ों को यात्रा में आराम देना होता था और युद्ध के समय उनको बदलना आवश्यक होता था।
— A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

✸ टोडरमल ने ख्याति अर्जित की थी **—भू-राजस्व के क्षेत्र में**

✸ जाब्ती, दहसाला, नसक तथा कानकुट में से वह कर-व्यवस्था जिसे बंदोबस्त व्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है **— दहसाला**

✸ टोडरमल संबंधित थे **— मालगुजारी सुधारों से**

✸ भू-राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में शेरशाह एवं अकबर के मध्य बीरबल, टोडरमल, भगवानदास तथा भारमल में से वह, जो नैरन्तर्य की कड़ी था **— टोडरमल**

✸ अकबर काल में भू-राजस्व व्यवस्था की एक प्रसिद्ध नीति 'आइन-ए-दहसाला' पद्धति निर्मित की गई थी **— टोडरमल द्वारा**

✸ अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' प्रारंभ किया **— 1582 में**

✸ 'दीन-ए-इलाही' का प्रचार किया था **— अकबर ने**

✸ वह इतिहासकार जिसने 'दीन-ए-इलाही' को एक धर्म कहा **— अब्दुल कादिर बदायूंनी**

✸ इबादत खाने का निर्माण करवाया **— अकबर ने**

✸ फतेहपुर सीकरी का इबादतखाना था **— वह भवन जिसमें विभिन्न धर्मों के विद्वानों के साथ अकबर चर्चा करता था**

✸ स्वर्ण महल, पंचमहल, जोधाबाई महल एवं अकबरी महल में से वह स्मारक जो फतेहपुर सीकरी में नहीं है **— अकबरी महल**

✸ दिल्ली में स्थित वह ऐतिहासिक स्मारक जो भारतीय तथा फारसी वास्तुकला शैली का उदाहरण है **— हुमायूं का मकबरा**

✸ सुलह-ए-कुल का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया था **— अकबर द्वारा**

✸ अकबर द्वारा अपनाई गई 'सुलह-ए-कुल' (सार्वभौम शांति तथा भाईचारा) की अवधारणा आधारित थी **— राजनीतिक उदारता, धार्मिक सहनशीलता एवं उदारवादी सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर**

✸ वह मुगल बादशाह जिसके विरुद्ध जौनपुर से 'फतवा' जारी हुआ था **— अकबर**

✸ **कथन (A)** : अकबर ने 1602 में फतेहपुर सीकरी में 'बुलंद दरवाजा' बनवाया।
कारण (R) : यह निर्माण अकबर ने अपने पुत्र जहांगीर के जन्म की खुशी में बनवाया। **— A सही है, परंतु R गलत है।**

✸ बुलंद दरवाजा, जामा मस्जिद, कुतुबमीनार तथा ताजमहल में से वह इमारत, जिसका निर्माण अकबर ने करवाया था **— बुलंद दरवाजा**

✸ जहांगीर, शाहजहां, हुमायूं तथा अकबर में से वह मुगल सम्राट जिसने शिक्षा संबंधी सुधार किए थे **— अकबर**

✸ अकबर द्वारा बनवाई गई श्रेष्ठतम इमारतें पाई जाती हैं **— फतेहपुर सीकरी में**

✸ अकबर द्वारा बनाई गई वह इमारत जिसका नक्शा बौद्ध विहार की तरह है **— पंच महल**

✸ जहांगीर महल स्थित है **— आगरा में**

✸ अकबर का मकबरा स्थित है **— सिकंदरा में**

✸ दिल्ली का लाल किला, आगरा का किला, इलाहाबाद का किला एवं लाहौर का किला में से वह किला जिसका निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था **— दिल्ली का लाल किला**

✸ सुमेलित हैं–

बाबर (1526-30)	–	काबुल
अकबर (1556-1605)	–	सिकंदरा
जहांगीर (1605-1627)	–	लाहौर
शाहजहां (1627-1658)	–	आगरा

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ अकबर के काल में महाभारत का फारसी अनुवाद जिसके निर्देशन में हुआ, वह है — **फैजी**

✸ अब्दुल क़ादिर बदायूंनी, अबुल फजल, निजामुद्दीन अहमद तथा शेख मुबारक में से वह, जिसने महाभारत का फारसी में अनुवाद किया था — **अब्दुल क़ादिर बदायूंनी**

✸ महाभारत के फारसी अनुवाद का शीर्षक है — **रज्मनामा**

✸ वह, जो अकबर की इच्छानुसार रामायण का फारसी में अनुवाद किया था — **अब्दुल कादिर बदायूंनी**

✸ मुहम्मद हुसैन, मुकम्मल खां, अब्दुस्समद, मीर सैयद अली में से वह जिसे सम्राट अकबर द्वारा 'जरी कलम' की उपाधि प्रदान की गई थी — **मुहम्मद हुसैन**

✸ जैन साधु जो अकबर के दरबार में कुछ वर्ष रहा और जिसे जगद्गुरु की उपाधि से सम्मानित किया गया — **हरिविजय सूरि**

✸ अबुल हसन, दसवंत, किशनदास एवं उस्ताद मंसूर में से वह जो मुगल सम्राट अकबर के समय का प्रसिद्ध चित्रकार था — **दसवंत**

✸ इंग्लैंड की रानी एलिजाबेथ प्रथम का समकालीन भारतीय राजा था — **अकबर**

✸ वह मध्यकालीन भारतीय लेखक जिसने अमेरिका की खोज का उल्लेख किया है — **अबुल फजल**

✸ अकबर के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज व्यक्ति था— रॉल्फ फिंच

✸ अकबर के शासनकाल घटनाओं का व्यवस्थित क्रम है — **जजिया की समाप्ति, इबादतखाना का निर्माण, महजर पर हस्ताक्षर, दीन-ए-इलाही की स्थापना**

✸ अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया — **1576 ई. में**

जहांगीर

✸ 'दो-अस्पा' एवं 'सिह-अस्पा' प्रथा शुरू की थी — **जहांगीर ने**

✸ मुगल मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ सही कथन हैं — **'जात' एवं 'सवार' पद प्रदान किए जाते थे। मनसबदार आनुवंशिक नहीं होते थे। मनसबदारों के तीन वर्ग थे।**

✸ मुगलों एवं मेवाड़ के राणा के मध्य 'चित्तौड़ की संधि' जिस शासक के शासनकाल में हस्ताक्षरित हुई थी, वह है — **जहांगीर**

✸ ईस्ट इंडिया कंपनी ने जहांगीर के दरबार में पहले भेजा था — **हॉकिंस को**

✸ जहांगीर के दरबार में ब्रिटिश शासक जेम्स प्रथम का राजदूत था — **विलियम हॉकिंस**

✸ जहांगीर ने 'खान' की उपाधि से सम्मानित किया था — **हॉकिंस को**

✸ मुगल-सम्राट जहांगीर ने 'इंग्लिश खान' की उपाधि दी थी — **विलियम हॉकिंस को**

✸ ब्रिटिश राजदूत के रूप में सर थॉमस रो भारत आया था — **जहांगीर के शासनकाल में**

✸ इंग्लैंड के जेम्स प्रथम के राजदूत सर थॉमस रो भारत आए थे — **1615 ई. में**

✸ जहांगीर ने थॉमस रो को मिलने का अवसर दिया था — **अजमेर में**

✸ भारत में इंग्लैंड का वह दूत जो जहांगीर के पीछे अजमेर से मांडू आया — **थॉमस रो**

✸ एक डच पर्यटक, जिसने जहांगीर के शासनकाल का मूल्यवान विवरण दिया है, वह था — **फ्रांसिस्को पेलसर्ट**

✸ वह मुगल शासक जिनका मकबरा भारत में नहीं है — **जहांगीर तथा बाबर**

✸ सम्राट जहांगीर को दफन किया गया — **लाहौर में**

✸ मुगल चित्रकला अपनी पराकाष्ठा पर पहुंची — **जहांगीर के राज्यकाल में**

✸ जहांगीर ने नादिर-उज़-ज़मां की पदवी दी थी — **अबुल हसन को**

✸ वह चित्रकार जिसे 'नादिर-उल-असर' की उपाधि प्रदान की गई — **मंसूर**

✸ जहांगीर के दरबार में पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार था — **मंसूर**

✸ बाबर, अकबर, जहांगीर तथा औरंगजेब मुगल बादशाहों में वह जिसने अपनी आत्मकथा (Autobiography) फारसी में लिखी — **जहांगीर**

✸ अबुल फज़ल के हत्यारे को पुरस्कृत किया था — **जहांगीर ने**

✸ जहांगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था — **खुर्रम, महावत खां एवं खुसरो ने**

✸ खुसरो जिस मुगल बादशाह का पुत्र था, वह है — **जहांगीर**

✸ जहांगीर, गियास बेग, आसफ खां, खुर्रम में से वह जो नूरजहां के गुट का सदस्य नहीं था — **खुर्रम**

✸ ऐतमादुद्दौला का मकबरा आगरा में बनवाया था — **नूरजहां ने**

✸ सुमेलित हैं—

निर्माता	स्मारक
बाबर	जामा मस्जिद (संभल)
हुमायूं	दीन पनाह
अकबर	जहांगीरी महल
जहांगीर	अकबर के मकबरे को पूर्ण करवाना

✸ गोविंद महल, जो हिंदू वास्तुकला का अप्रतिम उदाहरण है, स्थित है — **दतिया में**

✸ सुमेलित हैं—

अकबर का मकबरा	— सिकंदरा
जहांगीर का मकबरा	— शाहदरा
शेख सलीम चिश्ती का मकबरा	— फतेहपुर सीकरी
शेख निजामुद्दीन औलिया का मकबरा	— दिल्ली

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

शाहजहां

✸ ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ थी — **कंधार**

✸ कंधार के निकल जाने से मुगल साम्राज्य को एक बड़ा धक्का पहुंचा — **सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से (Strategic Stronghold)**

✸ शाहजहां के बल्ख अभियान का उद्देश्य था — **काबुल की सीमा से सटे बल्ख और बदख्शां में एक मित्र शासक को लाना**

✸ वह जिसने बनारस एवं इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर की समाप्ति के लिए मुगल बादशाह के सामने बनारस के पंडितों का नेतृत्व किया था — **कवींद्राचार्य**

✸ कलीम, काशी, कुदसी तथा मुनीर में से वह जो शाहजहां के शासनकाल का 'राजकवि' था — **कलीम**

✸ मुमताज महल का असली नाम था — **अर्जुमंद बानो बेगम**

✸ हिंदू तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय हमें देखने को मिलता है — **ताजमहल में**

✸ वह मुगल बादशाह जिसने दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया — **शाहजहां**

✸ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह जिसने साम्राज्य की राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की — **शाहजहां**

✸ सुमेलित हैं–

स्मारक		निर्माता
अलाई दरवाजा	–	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	–	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	–	शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	–	औरंगजेब

✸ दिल्ली के लाल किले का निर्माण करवाया था — **शाहजहां ने**

✸ उपनिषदों का फारसी में अनुवाद जिस मुगल सम्राट के शासनकाल में हुआ, वह है — **शाहजहां**

✸ शाहजहां ने 'शाह बुलंद इकबाल' की पदवी दी थी— **दारा शिकोह को**

✸ दारा शिकोह ने उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था — **सिर्र-ए-अकबर शीर्षक के अंतर्गत**

✸ अमीर खुसरो, दारा शिकोह, अमीर हसन एवं शुजा में से हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था — **दारा शिकोह**

✸ वी.ए. स्मिथ, जे.एन. सरकार तथा ए.एल. श्रीवास्तव में वह इतिहासकार जिसने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्ण युग' कहा है — **ए.एल. श्रीवास्तव**

✸ सुप्रसिद्ध 'कोहिनूर' हीरा शाहजहां को उपहार में दिया था — **मीर जुमला ने**

✸ वह मुगल बादशाह जिसने बलबन द्वारा प्रारंभ किया गया दरबारी रिवाज 'सिजदा' समाप्त कर दिया था — **शाहजहां**

✸ दारा शिकोह, मुराद बख्श, शाह शुजा तथा औरंगज़ेब में से वह जो शाहजहां के शासनकाल में अधिकांश समय तक दक्कन का गवर्नर रहा, था — **औरंगजेब**

औरंगजेब

✸ **कथन (A)** : मुगल गद्दी पर औरंगजेब शाहजहां का उत्तराधिकारी हुआ। **कारण (R)** : ज्येष्ठ पुत्र के उत्तराधिकार के नियम का पालन किया गया। — **(A) सत्य है और (R) असत्य है**

✸ अकबर, जहांगीर, शाहजहां तथा औरंगजेब में से वह मुगल बादशाह जिसका दो बार राज्याभिषेक हुआ था — **औरंगजेब**

✸ धरमट का युद्ध लड़ा गया — **औरंगजेब तथा दारा शिकोह**

✸ औरंगजेब ने जोधपुर के शासक जसवंत सिंह को 1658 ई. के धरमट के युद्ध में पराजित किया था, धरमट स्थित है — **मध्य प्रदेश में**

✸ मुगल शहज़ादा जिसने श्रीनगर गढ़वाल में आश्रय लिया था — **सुलेमान शिकोह**

✸ औरंगजेब का वह पुत्र जिसने विद्रोह करके राजपूतों के विरुद्ध अपने पिता की स्थिति दुर्बल कर दी थी — **अकबर**

✸ वह मुगल सेनापति जिसके साथ शिवाजी ने 1665 ई. में पुरंदर की संधि पर हस्ताक्षर किए थे — **जयसिंह**

✸ वह मुगल बादशाह जिसको 'जिंदा पीर' कहा जाता था — **औरंगजेब**

✸ औरंगजेब ने बीजापुर की विजय की थी — **1686 ई. में**

✸ औरंगजेब ने दक्षिण में, जिन दो राज्यों को विजय किया था, वह थे — **बीजापुर एवं गोलकुंडा**

✸ वह बादशाह जिसके अंतर्गत मुगल सेना में सर्वाधिक हिंदू सेनापति थे — **औरंगजेब**

✸ मुगल सम्राट जिसने सर्वाधिक संख्या में हिंदू अधिकारियों की नियुक्ति की थी — **औरंगजेब**

✸ 'जजिया' जिसके शासनकाल में पुनः लगाया गया था, वह शासक है — **औरंगजेब**

✸ औरंगजेब द्वारा चलाए 'जिहाद' का अर्थ है — **दारूल-इस्लामी**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ 'बीबी का मकबरा' का निर्माता था — **औरंगजेब**

✸ वह मकबरा जो 'द्वितीय ताजमहल' कहलाता है — **राबिया-उद्-दौरानी का मकबरा**

✸ जहांआरा, रोशन आरा, गौहर आरा तथा मेहरुन्निसा में से वह जो सम्राट औरंगजेब की पुत्री थी — **मेहरुन्निसा**

✸ औरंगज़ेब ने 'साहिबात-उज़-ज़मानी' की उपाधि प्रदान की — **जहांआरा को**

✸ संत रामदास को संबंधित किया जाता है — **औरंगजेब के शासनकाल से**

मुगलकालीन प्रशासन

✸ मुगल प्रशासन के दौरान जिले को जाना जाता था — **सरकार के नाम से**

✸ मुगलकाल में सेना का प्रधान था — **मीर बख्शी**

✸ मुगल शासन में मीर बख्शी का कर्त्तव्य था — **भू-राजस्व अधिकारियों का पर्यवेक्षण**

✸ बर्नियर, करेरी ,मनूची तथा टैवर्नियर में से वह, जिसे मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था — **मनूची**

✸ मुगल प्रशासन में 'मुहतसिब' था — **लोक आचरण अधिकारी**

✸ मध्यकालीन भारत में मनसबदारी प्रथा खासतौर पर इसलिए चालू की गई थी, ताकि — **साफ-सुथरा प्रशासन लागू हो सके**

✸ मुगल मनसबदारी व्यवस्था के विषय में सत्य है — **इसमें 33 वर्ग थे। उन्हें 'मशरुत' अथवा सशर्त पद प्राप्त होते थे। उनका 'सवार' पद 'जात' पद से अधिक नहीं हो सकता था। समस्त कार्यकारी एवं सैन्य अधिकारियों को मनसब प्रदान किए जाते थे।**

✸ मुगलकालीन भारत में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था — **भू-राजस्व**

✸ मुगल प्रशासनिक शब्दावली में 'मात' प्रतिनिधित्व करता है — **भू-राजस्व का**

✸ मुगल सम्राट जिसने तंबाकू के प्रयोग पर निषेध लगाया था — **जहांगीर**

✸ मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है— — **विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि**

✸ **कथन (A) :** मुगलकाल में मनसबदारी प्रथा विद्यमान थी।
कारण (R) : मनसबदारों का चयन योग्यता के आधार पर होता था। — **कथन सही है, परंतु कारण गलत है।**

✸ (A) सभी मनसबदार सेना के पदाधिकारी नहीं होते थे।
(B) मुगल शासन के अधीन उच्च पदाधिकारी भी मनसबदार होते थे, और उनका वर्गीकरण होता था। — **(A) एवं (B) दोनों ही सही हैं।**

✸ भोज, सिद्धराज जयसिंह, जैन उल आबिदीन तथा अकबर में से वह जिसने रामसीता की आकृतियों और 'रामसीय' देवनगरी लेख से युक्त कुछ सिक्के चलाए — **अकबर**

✸ मुगल शासन में तांबे का सिक्का कहलाता था — **दाम**

✸ मध्यकाल में बंटाई शब्द का अर्थ था — **लगान निर्धारण का तरीका**

मुगलकालीन संगीत एवं चित्रकला

✸ मुगल चित्रकला के विषय में सत्य कथन है — **युद्ध-दृश्य, पशु-पक्षी और प्राकृतिक दृश्य तथा दरबारी चित्रण**

✸ चित्र कला की मुगल शैली का प्रारंभ किया था — **हुमायूं ने**

✸ चित्रकला की मुगल कलम भारतीय लघुचित्र कला की रीढ़ है। पहाड़ी, राजस्थानी, कांगड़ा तथा कालीघाट में से वह कलम जिस पर मुगल चित्रकला का प्रभाव नहीं पड़ा — **कालीघाट**

✸ 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा' का चित्रांकन किया गया— **अब्दुस्समद द्वारा**

✸ प्रसिद्ध जहांगीरी चित्रकार थे — **अबुल हसन, उस्ताद मंसूर, फार्रुखबेग, बिशनदास, अकारिजा, मोहम्मद नादिर, मोहम्मदगुराद, मनोहर, माधव तथा गोवर्धन**

✸ मुगल चित्रकला ने उन्नति की — **जहांगीर के शासनकाल में**

✸ 'पहाड़ी स्कूल', 'राजपूत स्कूल', 'मुगल स्कूल' और 'कांगड़ा स्कूल' विभिन्न शैलियों को दर्शित करते हैं — **चित्रकला की**

✸ 'किशनगढ़' शैली जिस कला के लिए प्रसिद्ध है, वह है — **चित्रकला**

✸ वह एक संगीत वाद्य जिसे बजाने में औरंगजेब की दक्षता थी — **वीणा**

✸ प्रातःकाल में गाया जाने वाला राग है — **तोड़ी**

✸ तानसेन, बैजू बावरा और गोपाल नायक जैसे संगीतज्ञों ने स्वामी हरिदास से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। स्वामी हरिदास के अनुयायियों ने स्थापित किए हैं — **5 संगीत अर्चना केंद्र**

✸ अकबर के शासनकाल में ध्रुपद गायकों में सम्मिलित थे — **तानसेन एवं हरिदास**

✸ प्रसिद्ध तानसेन का मकबरा स्थित है — **आगरा में**

✸ तानसेन का मूल नाम था — **रामतनु पांडेय**

✸ हुमायूं, जहांगीर, अकबर तथा शाहजहां में से वह मुगल शासक जिसने लाला कलावंत से हिंदू संगीत की शिक्षा ली — **अकबर**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

मुगलकालीन साहित्य

✸ गुलबदन बेगम पुत्री थी — बाबर की

✸ वह महिला जिसने मुगलकाल में ऐतिहासिक विवरण लिखे — गुलबदन बेगम

✸ 'हुमायूंनामा' की रचना की थी — गुलबदन बेगम ने

✸ दिल्ली का वह शिक्षा केंद्र जो मदरसा-ए-बेगम कहलाता था, स्थापित किया गया था — माहम अनगा द्वारा

✸ 'हितोपदेश' का फारसी में अनुवाद किय था — ताजुल माली ने

✸ सुमेलित हैं –

हसन निज़ामी	–	ताजुल मासिर
ख्वांदमीर	–	हुमायूंनामा
मुहम्मद काज़िन	–	आलमगीरनामा
भीम सेन	–	नुश्खा-ए-दिलकुशा

✸ सही सुमेलन है–

आलमगीर नामा	–	मिर्जा मोहम्मद काज़िम
तबकाते अक़बरी	–	निज़ामउद्दीन अहमद
चहार चमन	–	चन्द्र भान ब्रहमन
इकबाल नामा जहांगीरी	–	मुअतमद खां

✸ अबुल फजल, फैजी, अब्दुर्रहीम खानखाना एवं अब्दुल कादिर बदायूंनी में से वह, जिनका हिंदी साहित्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण योगदान है — अब्दुर्रहीम खानखाना

✸ भारत के इतिहास के संदर्भ में अब्दुल हमीद लाहौरी थे — शाहजहां के शासन के एक राजकीय इतिहासकार

✸ शाहजहांनामा के लेखक हैं — इनायत खां

✸ सुमेलित हैं–

बाबर	–	तुजुक-ए-बाबरी
गुलबदन बेगम	–	हुमायूंनामा
अब्बास खां शरवानी	–	तारीखे शेरशाही
निजामुद्दीन अहमद	–	तबकाते अकबरी

✸ 'अनवार-ए-सुहाइली' नामक ग्रंथ अनुवाद है — पंचतंत्र का

✸ अबुल फज़ल द्वारा 'अकबरनामा' पूरा किया गया था — सात वर्षों में

✸ मुगलकाल में दरबारी तथा अदालती भाषा थी — फारसी

✸ नस्तालीक है — एक प्रकार की फारसी लिपि जो मध्यकालीन भारत में प्रयुक्त होती थी

✸ कवि हृदय वह राजा जिसने नागरीदास के नाम से कृष्ण की प्रशंसा में छंद लिखे — राजा सावंत सिंह

✸ महत्वपूर्ण कृतियां 'रामचंद्रिका' एवं 'रसिकप्रिया' की रचना की थी — केशव ने

मुगल काल : विविध

✸ सही सुमेलित हैं–

जहांगीर	–	विलियम हॉकिंस
अकबर	–	विलियम फिंच
शाहजहां	–	टेवर्नियर
औरंगजेब	–	मनूची

✸ सही सुमेलन हैं–

हॉकिन्स	–	1608-1611
टामस रो	–	1615-1619
मनुची	–	1653-1708
राल्फ फिश	–	1585-1586

✸ मुस्लिम शासकों का सही कालानुक्रम — जहांगीर, मुहम्मद शाह, अहमद शाह अब्दाली, बहादुर शाह-II

✸ चार बाहरी आक्रमणों का व्यवस्थित क्रम है — चंगेज खां, तैमूर, नादिरशाह, अहमद शाह अब्दाली

✸ सत्य कथन हैं — अहमद शाह अब्दाली ने पानीपत का तृतीय युद्ध लड़ा, कुतुबुद्दीन ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की, औरंगजेब ने उत्तराधिकार का युद्ध लड़ा जहांगीर सौंदर्य तथा प्रकृति का प्रेमी था।

✸ सुमेलित हैं–

नादिरशाह द्वारा दिल्ली में कत्लेआम	–	1739
बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच पानीपत की पहली लड़ाई	–	1526
हेमू और अकबर के बीच पानीपत का दूसरी लड़ाई	–	1556
अहमद शाह अब्दाली और मराठों के बीच पानीपत की तीसरी लड़ाई	–	1761

✸ हेमचंद्र विक्रमादित्य भारतीय इतिहास में जाने जाते हैं — हेमू नाम से

✸ सुमेलित हैं–

तराइन का दूसरा युद्ध	-	1192
औरंगजेब की मृत्यु	-	1707
पानीपत का तृतीय युद्ध	-	1761
अकबर की मृत्यु	-	1605

✸ सही सुमेलन हैं–

हल्दी घाटी का युद्ध	-	अकबर (राणा प्रताप के विरुद्ध)
बिलग्राम का युद्ध	-	हुमायूं (शेरशाह के विरुद्ध)
खुसरो का विद्रोह	-	जहांगीर
खानवा का युद्ध	-	बाबर (राणा सांगा के विरुद्ध)

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

✸ सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
1556	-	अकबर का राज्यारोहण
1600	-	ईस्ट इंटिया कंपनी को अधिकार-पत्र प्रदान किया
1680	-	शिवाजी का देहांत
1739	-	नादिर शाह का दिल्ली पर कब्जा

✸ सुमेलित हैं–

पानीपत का तृतीय युद्ध	-	1761 ई.
हल्दी घाटी का युद्ध	-	1576 ई.
तराइन का द्वितीय युद्ध	-	1192 ई.
असीरगढ़ का युद्ध	-	1601 ई.

✸ अता अली खां नाम था **— तानसेन का**

✸ समेलित है–

सूची-I	सूची-II
इक्ता (Iqta)	दिल्ली के सुल्तान
जागीर (Jagir)	मुगल
अमरम (Amaram)	विजयनगर
मोकासा (Mokasa)	मराठे

✸ 'बाबुल मक्का' (मक्का द्वार) कहा जाता था **— सूरत को**

✸ मुगलों ने नवरोज का त्यौहार लिया **— पारसियों से**

✸ मुगलकाल में जिस मदरसे ने 'मुस्लिम न्याय-शास्त्र' की पढ़ाई में विशिष्टता हासिल की, वह स्थित था **— लखनऊ में**

✸ कालक्रमानुसार व्यवस्थित है

— पद्मिनी, दुर्गावती, ताराबाई, अहिल्याबाई

✸ सही सुमेलित हैं–

सूची-I		सूची-II
बाबर	-	जमी मस्जिद (संभल)
हुमायूं	-	दीन पनाह
अकबर	-	जहांगीरी महल
जहांगीर	-	एत्माद-उद-दौला का मकबरा

✸ सही सुमेलित हैं–

इमारतों		शासकों
कुतुबमीनार	-	इल्तुतमिश
गोल गुंबद	-	मुहम्मद आदिल शाह
बुलंद दरवाजा	-	अकबर
मोती मस्जिद	-	औरंगजेब

✸ मुगलकाल के युद्धों का सही कालक्रम है

— खानवा का युद्ध, घाघरा का युद्ध, चौसा का युद्ध, सामूगढ़ का युद्ध

✸ सुमेलित हैं–

स्मारक		निर्माता
अलाई दरवाजा, दिल्ली	-	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	-	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	-	शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	-	औरंगजेब

✸ मुगलकाल में 'मौल्तिम' था

— व्यापारिक जहाजों पर बैठने वाला एक कर्मचारी

✸ भारतीय इतिहास के मध्यकाल में बंजारे सामान्यतः थे **— व्यापारी**

सिक्ख संप्रदाय

✸ गुरु नानक ने अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था– **गुरु अंगद को**

✸ पंजाब में अमृतसर नगर को स्थापित किया था **— गुरु रामदास ने**

✸ वह सिक्ख गुरु जिसे अकबर ने 500 बीघा जमीन दी थी– **रामदास**

✸ सुमेलित हैं–

गुरु अर्जुन देव	–	आदि ग्रंथ
कर्पूर सिंह	–	दल खालसा
गुरु अमरदास	–	मनजी

✸ वह सिक्ख गुरु जिसने विद्रोही राजकुमार खुसरो की सहायता धन एवं आशीर्वाद से की थी **— गुरु अर्जुन देव**

✸ आदि ग्रंथ अथवा गुरु ग्रंथ साहेब का संकलन किया था

— गुरु अर्जुन देव ने

✸ वह सिक्ख गुरु जिनको तत्कालीन शासकों द्वारा मृत्युदंड दिया गया था

— गुरु अर्जुन देव एवं गुरु तेग बहादुर

✸ वह सिक्ख गुरु, जिसकी मृत्यु के लिए औरंगजेब जिम्मेदार है

— गुरु तेग बहादुर

✸ हेमकुंड, ताराकुंड तथा ब्रह्मकुंड में से वह स्थान जिस पर एक प्रसिद्ध सिक्ख गुरुद्वारा अवस्थित है **— हेमकुंड**

✸ जिस सिख गुरु का जन्म पटना में हुआ था **— गोविंद सिंह**

✸ वह, जिनकी समाधि के कारण नांदेड़ गुरुद्वारा सिक्खों द्वारा पवित्र माना जाता है **— गुरु गोविंद सिंह की**

✸ गुरु गोविंद सिंह की महानता निहित है इसमें कि **— उन्होंने सिक्खों की सैनिक व्यवस्था का गठन किया**

✸ 'खालसा पंथ' प्रारंभ हुआ **— 300 वर्ष पहले**

✸ वह सिक्ख गुरु जिसने खालसा पंथ की स्थापना की थी

— गुरु गोविंद सिंह

✸ सिक्खों के अंतिम गुरु थे **— गुरु गोविंद सिंह**

✸ बंदा बहादुर का मूल नाम था **— लच्छन देव**

✸ सिक्ख साम्राज्य का अंतिम शासक था **— दलीप सिंह**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

मराठा राज्य और संघ

* मराठों के उत्कर्ष के कारण है
— धार्मिक चेतना, भौगोलिक सुरक्षा, राजनैतिक जागृति, उच्च नेतृत्व शक्ति
* शिवाजी ने मुगलों को हराया था **— सलहार के युद्ध में**
* शिवाजी का जन्म हुआ **— 1627 ई. में**
* वह सेनानायक, जिसे बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में शिवाजी को दबाने के लिए भेजा था **— अफजल खां**
* शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय जिस नगर में कैद थे, वह है **— आगरा**
* शिवाजी की राजधानी थी **— रायगढ़ में**
* शिवाजी का छत्रपति के रूप में औपचारिक राज्याभिषेक हुआ था **— रायगढ़ में**
* शिवाजी के गुरु का नाम था **— रामदास**
* अष्ट प्रधान नाम की मंत्रिपरिषद थी **— मराठा प्रशासन में**
* शिवाजी के समय 'सरनोबात' का पद संबद्ध था **— सैन्य प्रशासन से**
* शिवाजी के अष्ट प्रधान का जो सदस्य विदेशी मामलों की देखरेख करता था, वह था **— सुमंत**
* 'अष्ट प्रधान' मंत्रिपरिषद जिसके राज्य प्रबंध में सहायता करती थी, वह है **— शिवाजी**
* **कथन (A)** : राज्य के मामले में शिवाजी एक मंत्रिपरिषद से परामर्श लेते थे।
कारण (R) : प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का स्वतंत्र प्रभार रखता था।
— A सही है, परंतु R गलत है।
* शंभाजी के बाद मराठा शासन को सरल और कारगर बनाया
— बालाजी विश्वनाथ ने
* पेशवाओं के शासन का सही क्रम है
— बालाजी विश्वनाथ, बाजीराव, बालाजी बाजीराव, माधव राव
* सही कालानुक्रम है
— शम्भाजी, राजाराम, शिवाजी II , छत्रपति शाहूजी
* **कथन (A)** : 1750 ई. तक मराठा साम्राज्य पेशवा की अध्यक्षता में एक परिसंघ बन गया।
कारण (R) : शाहू के उत्तराधिकारी पेशवा की इच्छा पर निर्भर थे।
— A तथा R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
* औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व हाथों में था
— ताराबाई के
* अहिल्याबाई, मुक्ताबाई, ताराबाई तथा रुक्मिणीबाई मराठा देवियों में जिसने 1700 ई. से आगे मुगल साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष का नेतृत्व किया, वह थी **— ताराबाई**
* सरंजामी प्रथा संबंधित थी **— मराठा भू-राजस्व प्रथा से**
* एक इतिहासकार ने पानीपत की तीसरी लड़ाई को स्वयं देखा, वह था
— काशीराज पंडित
* अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण था
— वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निष्कासन का बदला लेना चाहता था।
* पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों को हराया था **— अफगानों ने**
* पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया **— 14 जनवरी, 1761 को मराठा तथा अहमद शाह अब्दाली के बीच**
* गुलाम कादिर रूहेला, नजीब खान, अली मुहम्मद खां तथा हफीज रहमत खां में से वह रूहेला सरदार जो अहमद शाह अब्दाली का विश्वासपात्र था **— नजीब खान**
* 'मोडी लिपि' का प्रयोग किया जाता था **— मराठों के विलेखों में**

मुगल साम्राज्य का विघटन

* औरंगजेब की 1707 ईस्वी में मृत्यु होने के बाद सत्ता संभाली
— बहादुर शाह प्रथम ने
* मुगल सम्राट जहांदार शाह के शासन के समय से पूर्व अंत का कारण था
— एक युद्ध में वे अपने भतीजे द्वारा पराजित हुए
* अकबर, जहांगीर, बहादुरशाह तथा फर्रुखसियर में से वह मुगल सम्राट जिसने अंग्रेजों को बंगाल में शुल्क-मुक्त व्यापार की सुविधा प्रदान की थी
— फर्रुखसियर
* मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल सम्राट था **— मुहम्मद शाह**
* नादिरशाह के आक्रमण के समय मुगल शासक था **— मुहम्मद शाह**
* वह शासक, जिसके शासन में हिजड़ों तथा महिलाओं के एक वर्ग का प्रभुत्व था **— मुहम्मद शाह (1719-48)**
* वह मुगल बादशाह जो 'रंगीला' के नाम से जाना जाता है
— मुहम्मद शाह
* वह मुगल बादशाह जिसको वजीर गाजीउद्दीन ने दिल्ली में दाखिल नहीं होने दिया था **— शाह आलम द्वितीय**
* अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह था। उसके पिता का नाम था
— अकबर शाह II
* अवध का प्रथम नवाब था **— सआदत खां**
* हैदराबाद के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक था **— चिनकिलिच खां**
* वह, जिसने दिल्ली में खगोलीय वेधशाला, जिसे 'जंतर-मंतर' कहते हैं, बनवाई थी **— जयसिंह द्वितीय**
* महाराजा जयसिंह II ने वेधशालाएं बनवाई थीं
— दिल्ली, जयपुर, उज्जैन एवं वाराणसी में
* 1773 ई. में 'जिज मुहम्मदशाही' पुस्तक, जो नक्षत्रों संबंधी ज्ञान से संबंधित है, के लेखक हैं **— जयपुर के सवाई जयसिंह**

Best PDF के लिए Google पर Search करें " Nitin Gupta PDF "

Download All Subject Free PDF

- General Knowledge
- Child Development and Pedagogy
- Current Affairs
- History
- Maths
- Geography
- Reasoning
- Economics
- Science
- Polity
- Computer
- Environment
- General Hindi
- MP GK
- General English
- UP GK

Join Our Best Course

GK Trick By Nitin Gupta

Current Affairs

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

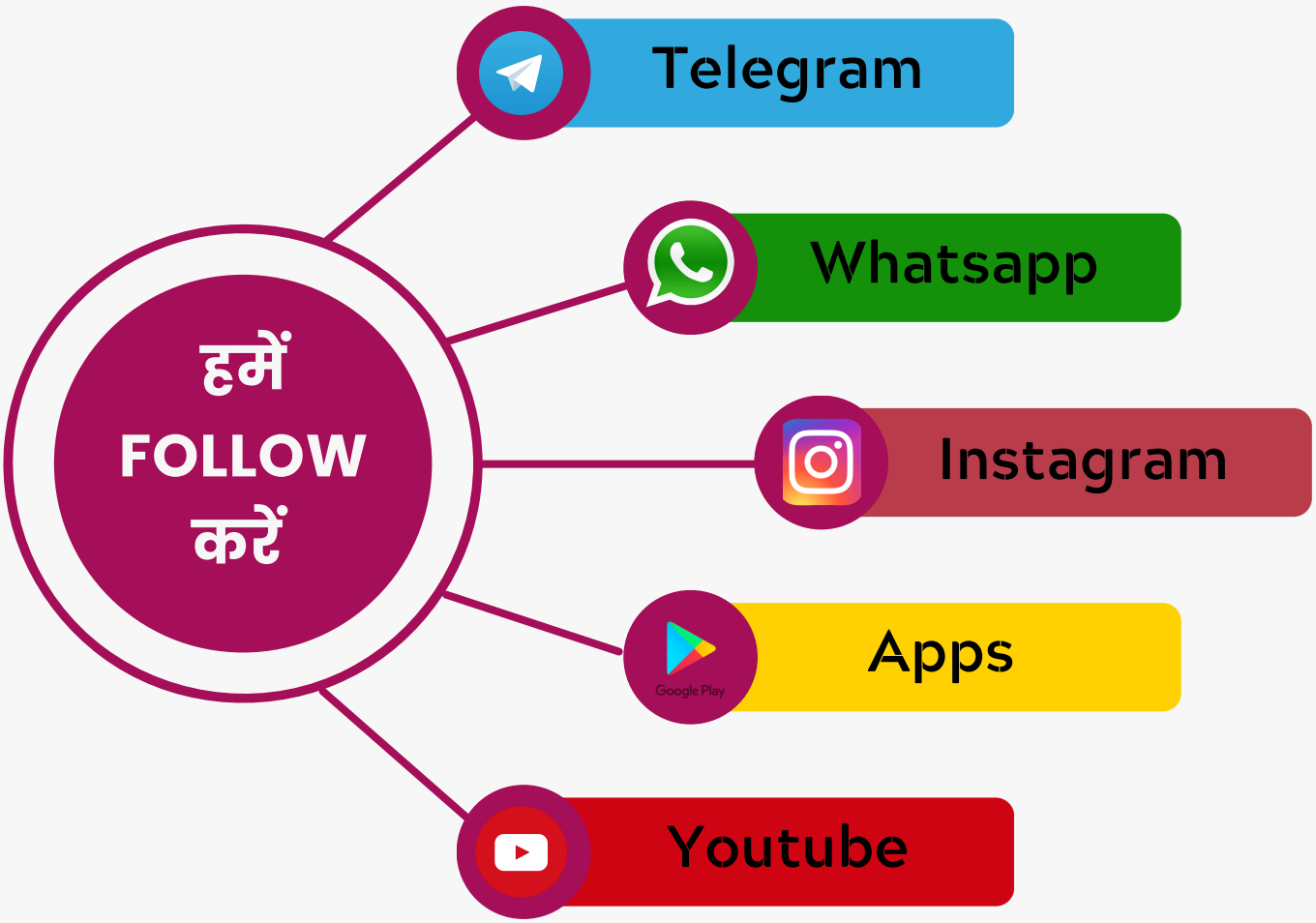

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा